पारा आपडेट
मैक्सिमम 24.00 | मिनीमम 10.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.20
सूर्योदय (कल) ▸ 06.32
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 77,378.91 ● निफ्टी 23,440.00 ● डॉलर 85.99 ₹ ● सोना 78,380 ₹ ● चांदी 101,000 ₹
पेज 06 भारत के उत्थान की प्रेरणा है राष्ट्र... पेज 08 राजद नेता आलोक मेहता के 16...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 2/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 189 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

आय से अधिक संपत्ति मामले में श्रीनगर और पुलवामा में छह स्थानों पर छापे

श्रीनगर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में श्रीनगर और पुलवामा जिलों में छह स्थानों पर व्यापक छापेमारी की है। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी स्मार्ट सिटी परियोजना के मुख्य वित्तीय सलाहकार और कार्यकारी अभियंता को निशाना बनाकर की गई। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनियमितताओं और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच के तहत शाल्टेंग और ताकनवारी क्षेत्रों सहित कई आवासों पर छापेमारी की गई।

क्रालपोरा के वन क्षेत्र से बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

कुपवाड़ा। सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में क्रालपोरा के टी पी वन क्षेत्र में बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर बीएसएफ, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने 7-9 जनवरी के दौरान कुपवाड़ा के क्रालपोरा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत टीपी वन क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान 01 पिस्तौल, 01 मैगजीन और 08 राउंड; 05 ग्रेनेड और एके-47 के 270 राउंड बरामद हुए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आतंकियों की तलाश में अभियान जारी है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की अगली सुनवाई 22 को

सुलतानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई शुक्रवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते टल गयी। सुलतानपुर के स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 22 जनवरी तय की है। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इससे वे आहत हुए हैं। कोर्ट में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया।

सर्च ऑपरेशन में हथियार और गोला-बारूद बरामद

काकचिंग (मणिपुर)। मणिपुर के काकचिंग जिले के हियांगलाम थाना क्षेत्र के सेक्मैजिन हंगूल मयाई लीकाई क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में 7.62 एसएलआर (बिना मैगजीन), एसबीबीएल गन, देशी 9 मिमी पिस्टल (मैगजीन सहित), देशी .32 पिस्टल, तीन 36 हैंड ग्रेनेड और दो आर्मिंग रिंग (डिटोनेटर के बिना), ट्यूब लॉन्चिंग, तीन 9 मिमी लाइव गोलियां, दो 12 बोर कारतूस, 10 एके राइफल के फायर किए गए खाली केस, दो सामान्य स्टन शेल, एक टियर स्मोक शेल, एक टियर गैस ग्रेनेड, एक स्टन ग्रेनेड, एक केनवुड वायरलेस सेट, एक पॉवर लिंक सोलर नैनो रॉयल टॉर्च, दो बीपी कवर (वेस्ट), टैक्टिकल बूट्स दो जोड़ी, एक बीपी हेलमेट शामिल हैं।

मेरी जोखिम लेने की क्षमता का अभी पूरी तरह उपयोग हुआ ही नहीं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह कोई वीआईपी नहीं बल्कि एक आम आदमी हैं। उन्होंने कहा कि वह कभी कम्फर्ट जोन में नहीं रहे और उनकी जोखिम लेने की क्षमता का अभी तक पूरी तरह से उपयोग नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में अपने बचपन, मित्रों, घर छोड़कर जाने, युवाओं के लिए दृष्टिकोण, गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लक्ष्यों सहित कई विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक पटल पर भारत के प्रमुख

शक्ति रूप में उभरने का जिक्र करते हुए कहा कि 2005 में जब वह एक विधायक थे, तब अमेरिका ने उनका वीजा रद्द कर दिया था। आज दुनिया भारत के वीजा के लिए कतार में खड़ी है। यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला पॉडकास्ट था।

प्रधानमंत्री ने विचारधारा से ज्यादा आदर्शवाद की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और वीर सावरकर के रास्ते अलग-अलग थे, लेकिन उनकी विचारधारा 'स्वतंत्रता' थी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में अच्छा वक्ता होने से ज्यादा महत्व अच्छे से संवाद करना होता है। महात्मा गांधी लाठी लेकर चलते थे लेकिन बात अहिंसा की करते थे। यह उनके संवाद की ताकत थी। उन्होंने कभी टोपी नहीं पहनी लेकिन उनके आसपास लोग टोपी पहनते थे। उनका क्षेत्र राजनीति था लेकिन उन्होंने कभी राजसत्ता नहीं संभाली, कभी चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन उनकी समाधि राजघाट पर बनाई गई है।

उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपनी सुविधा के अनुसार अपना रुख बदल ले। मैं केवल एक ही विचारधारा में विश्वास करते हुए बड़ा हुआ हूं।' उन्होंने कहा, 'अगर मुझे अपनी विचारधारा को कुछ शब्दों में बताना हो तो मैं कहूंगा, 'राष्ट्र पहले'। 'राष्ट्र पहले' टैगलाइन में जो भी चीज फिट बैठती है, वह मुझे विचारधारा और परंपरा की बेड़ियों में नहीं बांधती। इसने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं पुरानी चीजों को छोड़कर नई चीजों को अपनाने के लिए तैयार हूं। हालांकि, शर्त हमेशा 'राष्ट्र पहले' की है।'

जो अपने बारे में नहीं सोचता, उसके पास जोखिम उठाने की क्षमता बेहिसाब होती है

यह पूछे जाने पर कि क्या समय के साथ उनकी जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी जोखिम उठाने की क्षमता का अभी पूरी तरह उपयोग हुआ ही नहीं है। मैंने अपने विषय में कभी सोचा ही नहीं है और जो अपने बारे में नहीं सोचता, उसके पास जोखिम उठाने की क्षमता बेहिसाब होती है। उन्होंने देशवासियों विशेषकर युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि वह कभी भी कम्फर्ट जोन में नहीं रहे। उन्होंने कहा, 'मैंने जिस तरह का जीवन जिया है, उसमें छोटी-छोटी चीजें भी मुझे संतुष्टि देती हैं।' मोदी ने कहा कि लोग जब कम्फर्ट जोन के आदी हो जाते हैं तो जीवन में असफल होते हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने जीवन को कम्फर्ट जोन में नहीं बिताया है, कभी वहां नहीं रहा चूंकि मैं कम्फर्ट जोन से बाहर था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। शायद मैं कम्फर्ट के लिए अयोग्य हूं।'

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तोपचांची लेक के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश व सुझाव दिए

तोपचांची झील को आकर्षक पर्यटन स्थल बनाना प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। राज्य सरकार धनबाद जिला स्थित तोपचांची झील को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने निमित्त बेहतर कार्य योजना के साथ आगे बढ़ रही है। तोपचांची झील का पर्यावरण के अनुरूप सौंदर्यीकरण कराकर एक बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप में पहचान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रकृति की आंचल में बसा राज्य है। यह राज्य जंगलों, पहाड़ियों और नदियों से घिरा है। इस राज्य की खूबसूरती से देश एवं दुनिया के लोग परिचित हों, इस निमित्त टूरिज्म की संभावनाओं पर विशेष कार्य किया जा रहा है। आने वाले दिनों में झारखंड पर्यटन हब के रूप में पहचाना जा सके, इसके लिए पर्यटन विभाग, वन विभाग तथा नगर विकास विभाग बेहतर समन्वय स्थापित कर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करे।

कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शुक्रवार को अधिकारियों ने हेमंत सोरेन के समक्ष तोपचांची झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने संबंधित कार्ययोजना का पीपीटी प्रजेंटेशन रखा। मुख्यमंत्री ने तोपचांची लेक को विकसित किए जाने संबंधित प्रारूप के हरेक पहलुओं से अवगत हुए तथा बिंदुवार जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन स्थल से स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध हो, इसका भी ख्याल अनिवार्य रूप से रखें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि तोपचांची झील के विकसित होने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजन होंगे।

- राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं
- नेचर फ्रेंडली कार्ययोजना बनाएं
- पर्यटन स्थल के विकास से रोजगार सृजन होंगे
- झारखंड को पर्यटन हब के रूप में पहचान देना लक्ष्य

ये होंगे आकर्षण का केन्द्र

तोपचांची झील और उसके आसपास 33 एकड़ भूमि टूरिस्ट हब के तौर पर विकसित किए जाने की योजना है, जिसमें रिजॉर्ट, जंक्शन, प्लाजा, एक्टिविटी पार्क, सेंट्रल पार्क, नेचर पार्क, मोटर स्पोर्ट्स पार्क, म्यूजिक पार्क, फूड प्लाजा, कैफेटेरिया, बोटिंग, गो कार्ट जैसी सुविधाएं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगी।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, निदेशक पर्यटन अंजलि यादव एवं कंसल्टेंट एजेंसी समर्थ इंफ्राटेक सर्विसेस प्रा.लि. के टाइटस नाईनन, रोहित कौशिक, साकेत चौहान एवं अन्य उपस्थित थे।

रांची से अलकायदा का संदिग्ध आतंकी शाहबाज अंसारी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस की टीम ने अलकायदा के एक संदिग्ध आतंकी शाहबाज अंसारी को रांची के चान्हो इलाके से गिरफ्तार किया है। शाहबाज अंसारी दिल्ली स्पेशल सेल के कांड संख्या 301/24 का अभियुक्त है। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने शाहबाज अंसारी के गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

भारत में खिलाफत घोषित करने और गंभीर आतंकी साजिश रचने को लेकर दिल्ली पुलिस ने भारत सरकार की केंद्रीय एजेंसियों और अलग अलग राज्यों की पुलिस की मदद से पिछले साल झारखंड, दिल्ली और राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की थी। झारखंड पुलिस के एटीएस ने अलकायदा इन इंडियन सब कॉंटिनेंट के आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था, जबकि राजस्थान में ट्रेनिंग ले रहे छह संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया था, जिसमें अधिकांश झारखंड के रहने वाले हैं।

मामले में शाहबाज अंसारी फरार चल रहा था। इसी बीच झारखंड एटीएस और दिल्ली की स्पेशल सेल को यह सूचना मिली कि शाहबाज अंसारी अपने गांव चितरी आया हुआ है, जो रांची लोहरदगा के बॉर्डर पर स्थित है। जानकारी मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

- रांची-लोहरदगा बार्डर पर स्थित गांव से हुई गिरफ्तारी

डॉ. इश्तियाक अहमद मास्टरमाइंड

पिछले वर्ष गिरफ्तार संदिग्धों में रांची के एक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. इश्तियाक अहमद को मास्टरमाइंड के तौर पर चिह्नित किया गया था। उस दौरान दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया था। जांच में आए तथ्यों के आधार पर 23 अगस्त, 2024 को एटीएस के साथ संयुक्त टीम ने दबिश दी। सबसे पहले हजारीबाग से एटीएस की टीम ने फैजान अहमद को गिरफ्तार किया। इसके बाद दिल्ली पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर रांची के बरियातू जोड़ा तालाब के अल हसन रेसीडेंसी में एटीएस की टीम ने दबिश दी, जहां से एटीएस की टीम ने इश्तियाक को गिरफ्तार किया था।

वर्ष 2024 में एटीएस ने की थी छापेमारी

साल 2024 के अगस्त महीने में एटीएस की टीम ने लोहरदगा में कुडू के हेंजला कौवाखाप गांव में छापेमारी की थी। एटीएस की टीम यहां अलताफ उर्फ इल्ताफ की तलाश में पहुंची थी, लेकिन वह घर में नहीं मिला। छापेमारी के क्रम में उसके घर से दो हथियार और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए थे। इस दौरान शाहबाज के घर पर भी छापेमारी की गई थी लेकिन वह फरार मिला था।

गुजरात में एचएमपीवी का तीसरा केस

साबरकांठा जिले में सात साल के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के साबरकांठा जिले की प्रांतिज तहसील के एक गांव का 7 वर्षीय बालक ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) पॉजिटिव आया है। बालक में वायरस के लक्षण को देखते हुए उसे प्रांतिज के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां संदिग्ध केस को देखकर अहमदाबाद और गांधीनगर के स्वास्थ्य विभाग ने सैम्पल लेकर जांच की गई थी। सैम्पल पॉजिटव आने की जानकारी मिली है। फिलहाल बालक प्रांतिज के बेबीकेयर हॉस्पिटल में वेंटीलेटर पर है।

गुजरात में एचएमपीवी के अब तक 3 केस आ चुके हैं। इनमें दो बच्चे हैं, जबकि एक वृद्ध व्यक्ति शामिल है। हालांकि एक बच्चे को हॉस्पिटल से छुट्टी दी जा चुकी है। गुजरात में पहला केस 6 जनवरी को पता चला था और दो माह के बच्चे को अहमदाबाद के चांदखेड़ा स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल बच्चे को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने मधुबन में हुए हिंसक झड़प मामले के जांच के दिए आदेश

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प के जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झड़प के दौरान ड्यूटी पर तैनात बाघमारा के एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह के घायल होने की जानकारी प्राप्त होने पर उनके पिता अशोक सिंह से व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल के माध्यम से बात की। मुख्यमंत्री ने उनके इलाज से संबंधित पूरी जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार आपके परिवार के पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। उनके इलाज को लेकर जो भी सहयोग की जरूरत होगी, राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। यदि जरूरत पड़े तो एयर लिफ्ट कर के बेहतर जगह भी भेजने के लिए सरकार तैयार है। सरकार हॉस्पिटल के मैनेजमेंट से बात भी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी श्रेणी के अधिकारी और कर्मचारी की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। कर्तव्य निर्वहन के दौरान सरकारी कार्यों में बाधा पहुंचाने तथा सरकारी कर्मियों के साथ होने वाली किसी भी तरह की घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसमें जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने भाजपा की सदस्यता ली

संवाददाता

रांची। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास शुक्रवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी।

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और वीरों की पावन भूमि झारखंड राज्य की भूमि पर पुरानी भूमिका में लौटकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मां के आंचल तले वापस आया हूं। राज्यपाल होना गरिमा की बात होती है लेकिन संगठन का दास होना गर्व की बात होती है। उन्होंने कहा कि आज 10 जनवरी का दिन मेरे लिए ऐतिहासिक दिन है, जहां मैं राष्ट्र की राजनीति करने वाले एकमात्र लोकतांत्रिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी की 1980 के बाद दूसरी बार सदस्यता ले रहा हूं।

रघुवर ने कहा कि 26 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ओडिशा का राज्यपाल बनने से पूर्व मैंने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा सौंपा था। यह मेरे लिए भावुक पल था। आज दूसरी बार सदस्यता लेते हुए मुझे काफी हर्ष हो रहा है। इसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र ,मोदी गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत झारखंड के हमारे प्यारे कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट करता हूं।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, सदस्यता प्रभारी राकेश प्रसाद और रांची विधायक सीपी सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

- राज्यपाल होना गरिमा की बात, लेकिन संगठन का दास होना गर्व की बात : रघुवर

स्कूली शिक्षा छात्रों के दाखिले की स्थिति पर केंद्र सरकार ने जारी की एक रिपोर्ट

छात्र शून्य स्कूलों के मामले में बंगाल देश में सबसे आगे

एजेंसी

कोलकाता। केंद्र सरकार ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान देशभर में स्कूलों में छात्रों के दाखिले की स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, छात्रशून्य स्कूलों की संख्या के मामले में पश्चिम बंगाल देश में सबसे आगे है। इसके बाद राजस्थान और तेलंगाना का स्थान है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पिछले वर्ष तीन हजार 254 स्कूल ऐसे थे जहां एक भी छात्र का दाखिला नहीं हुआ, जबकि इन स्कूलों में 14 हजार 627 शिक्षक तैनात थे। इसके अलावा, राज्य में छह हजार 366 स्कूल ऐसे भी थे जहां छात्रों की

संख्या के बावजूद केवल एक शिक्षक थे।

देशभर में पिछले शैक्षणिक सत्र में 12 हजार 954 स्कूल ऐसे रहे जिनमें कोई छात्र दाखिल नहीं हुआ, लेकिन 31 हजार 981 शिक्षक इन स्कूलों में तैनात थे। इसके अलावा, लगभग एक लाख 10 हजार स्कूल ऐसे थे जहां छात्रों के होते हुए भी केवल एक शिक्षक नियुक्त थे। राजस्थान में दो हजार 167 स्कूल छात्रशून्य रहे, जबकि तेलंगाना में यह संख्या दो हजार 97 थी।

यह रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई+) द्वारा तैयार की गई है। यह डेटा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अपलोड की गई जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है। स्कूलों को अपने छात्रों, शिक्षकों और रिक्तियों से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन अपलोड करनी होती है, जिसके आधार पर मंत्रालय यह रिपोर्ट तैयार करता है।

शिक्षक संगठनों ने दी तीखी प्रतिक्रिया

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल के शिक्षक संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बंगीय शिक्षक और शिक्षाकर्मी संघ के महासचिव स्वप्न मंडल ने कहा, 'सिर्फ भत्ता देना या स्कूल बैग, कॉपी और टैबलेट बांटने से शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हो सकता। इसके लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है, जिसे इस सरकार ने पिछले 13 वर्षों में पूरी तरह नजरअंदाज किया है।' वहीं, पश्चिम बंगाल माध्यमिक तृणमूल शिक्षक संघ के राज्य सह-सचिव संजय बरुआ ने कहा, 'हम इस रिपोर्ट को पूरी तरह नकार नहीं रहे हैं, लेकिन हमने ऐसी गंभीर स्थिति जमीन पर नहीं देखी है।'

40 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए

इस बीच, राज्य शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात की स्थिति का डेटा इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन के सूत्रों के अनुसार, आदर्श स्थिति में हर 40 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए। वहीं, विषय आधारित शिक्षकों के लिए हर 110-120 छात्रों पर एक शिक्षक की नियुक्ति को आदर्श माना जाता है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से पूर्व सांसद ने की मुलाकात

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पूर्व सांसद रवीन्द्र कुमार राय ने शुक्रवार को राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राय ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनायें दीं। इसके अलावा राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लेफ्टिनेंट जनरल राम चंद्र तिवारी, जीओसी-इन-सी, पूर्वी कमान ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान तिवारी ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनायें दीं।

सीएम ने मिले बीएससफ आईजी व फादर अजीत खेस नूतन वर्ष की दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को उनके कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बीएसएफ आईजी के.एस बनियाल, बीएसएफ डीआईजी गणेश, बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट विनोद एवं संत जेवियर्स एक्सआईएसएस के फादर अजीत खेस ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी अपनी ओर से उन्हें नूतन वर्ष की मंगलकामनाएं दी।

रांची में दिनदहाड़े फ्लैट का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों की चोरी

रांची। शहर के कांके रोड के विद्यापति नगर स्थित ईश्वरी एन्क्लेव में दिनदहाड़े शुक्रवार को लाखों का चोरी का मामला प्रकाश आया है। फ्लैट के मालिक यशवंत सिंह के मुताबिक, घर में कोई नहीं था। दो लोग कार में आये और घर का ताला तोड़कर सात लाख रुपये नकदी और 25 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर फरार हो गये।

रौनियार वैश्य कल्याण सीमिति कोकर का 32 वां वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को

रांची। रौनियार वैश्य कल्याण सीमिति कोकर का 32 वां वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को जगदम्बा बैंक्वेट हॉल में किया जाएगा, कार्यक्रम में परिचर्चा का विषय बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार पर समाज के प्रबुद्ध लोग बच्चों एवं महिलाओं के बीच अपने विचार व्यक्त करेंगे,समाज सेवा मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों, मेधावी छात्र छात्राओं को प्रतिभा सम्मान देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। बच्चों एवं महिलाओं के लिए प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी,विजयी प्रतियोगी को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आयोजन सीमिती का गठन किया गया है। इसमें आर एन शाह, डा. विजय राज, सुबोध गुप्ता, शशि गुप्ता, संजय गुप्ता, मुन प्रकाश, राजेश गुप्ता, शंकर गुप्ता, अजय गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता को रखा गया है।

14 को मनाया जायेगा मकर संक्रांति

रांची। 14 को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। यह पर्व भारत में बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है, जिसे सूर्य का उत्तरायण भी कहा जाता है। इस दिन से खरमास भी समाप्त हो जाता है और शुभ कार्यों की शुरूआत होती है। मकर संक्रांति का धार्मिक, सांस्कृतिक और खगोलीय महत्व है। धार्मिक दृष्टि से, यह दिन भगवान सूर्य की पूजा का दिन है। इस दिन लोग पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, दान-पुण्य करते हैं और सूर्य देव की आराधना करते हैं। सांस्कृतिक रूप से, यह पर्व नई फसल के आगमन की खुशी का प्रतीक है। इस दिन तिल और गुड़ से बनी चीजें खाई जाती हैं और पतंगें उड़ाई जाती हैं। खगोलीय दृष्टि से, इस दिन सूर्य की स्थिति में परिवर्तन होता है, जिससे दिन बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं।

घूमधाम के साथ मनाई जाएगी श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

रांची। अयोध्या में राम जन्म भूमि पर बने राम लल्ला के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ आज मनाई जाएगी। इस विशेष दिन को और भी विशेष बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या समेत पूरे देश में विशेष तैयारी कर की है । विहिप संपूर्ण सनातन समाज से यह आह्वान किया है कि आज अपने आस पास के मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना ,महाआरती ,सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ जैसे धार्मिक अनुष्ठान में अवश्य भाग ले। ये जानकारी बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख प्रवीण सिंह राणा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

न्यायमूर्ति एसएन पाठक आज चतरा में

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय रांची के न्यायमूर्ति डॉ. एसएन पाठक आज 11 जनवरी को व्यवहार न्यायालय चतरा में आगमन है। उनका चतरा आने का मुख्य उद्देश्य नशीली पदार्थों कि खेती एवं व्यापार के विरुद्ध जागरूकता पर परिचर्चा करना है। यह कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय के सभागार में आयोजित है। इसमें न्यायिक पदाधिकारी के अलावा जिले के आला पदाधिकारी शामिल होंगे। इनमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक, जिला वन पदाधिकारी तथा अन्य सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक होंगे। जिले के पोस्ते की खेती से प्रभावित क्षेत्र के सभी मुखिया को भी आमंत्रित किया गया है।

श्री श्याम मंदिर में मना पुत्रदा एकादशी उत्सव

रांची। राजधानी के अपर बाजार अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को पुत्रदा एकादशी उत्सव अत्यन्त श्रद्धा भक्ति के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर बाबा श्री श्याम देव को प्रातः नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों व मौसमी पुष्पों से अलंकृत किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार, बजरंगबली का भी विषेश श्रृंगार किया गया । रात्रि 9 बजे पावन ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कतार में लगकर पावन ज्योत में आहुति प्रदान कर मनोवांछित फल की कामना कर की। इसके बाद मंडल के सदस्यों द्वारा प्रथम देव भगवान श्री गणेश बंदना के बाद भजनों की प्रस्तुति आयो सांवलियो सरकार,हमें तो जो भी दिया श्याम बाबा ने दिया जैसे कई भजनों पर भक्तों ने जमकर नृत्यकर भजनों का आनंद लिया। श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा, रबड़ी व मगही पान को भोग अर्पित किया गया । रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया । इस मौके पर चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका , गोपी किशन ढांढनीयां,राजेश सारस्वत , प्रियांश पोद्दार , सुमित पोद्दार विकाश पाड़िया, विवेक ढांढनीयां, नितेश केजरीवाल, ज्ञान प्रकाश बागला, जितेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा ।

झारखंड में खुलेगा राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र

खूंटी के कालामाटी में भवन निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन चिह्नित

संवाददाता

रांची। झारखंड में केंद्र सरकार प्रायोजित राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र खुलेगा। इसके लिए खूंटी के डियर पार्क के पास पांच एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। फिलहाल संस्थान शुरू करने के लिए स्मार्ट सिटी स्थित जुपमी भवन को किराये पर लेने की सहमति बनी। मुख्य सचिव अलका तिवारी शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने को लेकर

अधिकारियों संग बैठक कर रही थीं।

बैठक में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने बताया कि संस्थान में योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करनेवाले कर्मियों को प्रशिक्षित किया जायेगा और उनकी क्षमता संवर्धन किया जायेगा।

सिर्फ झारखंड में ऐसे कर्मियों की संख्या 80 हजार के करीब है, जिसमें आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका इत्यादि शामिल हैं। बताते चलें कि झारखंड में स्थापित हो रहा यह संस्थान झारखंड समेत पूर्वी भारत के राज्यों पश्चिम बंगाल, ओडिशा एवं बिहार में योजना संचालित करनेवाले कर्मियों के प्रशिक्षण का भी केंद्र बनेगा। राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र फिलहाल गुवाहाटी, बेंगलुरु, इंदौर, लखनऊ और मोहाली में चल रहा है।

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी के अलावा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव श्री चंद्रशेखर, सूडा के निदेशक अमित कुमार आदि शामिल थे।

योजनाओं को क्रियान्वित करने वाले पूरे पूर्वी क्षेत्र के राज्यों के कर्मी यहां आकर लेगें प्रशिक्षण

योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करनेवाले कर्मियों को प्रशिक्षित किया जायेगा

झारखंड समेत पश्चिम बंगाल, ओडिशा एवं बिहार में योजना संचालित करनेवाले कर्मियों के प्रशिक्षण का भी केंद्र बनेगा

विशेष लोक अदालत में होते है समय व धन की बचत : उमेश

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान की कड़ी में शुक्रवार को नगड़ी प्रखंड के देवड़ी पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें उमेश कुमार ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के बारे में, नालसा 10 स्कीम तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से विधिक सेवा प्राप्त करने के विषय में जानकारी दी गई। इस मौके पर पीएलवी रिना देवी, उमेश कुमार, रिता महली एवं अन्य उपस्थित थे। इसके अलावा इसी कड़ी में धुर्वा डैम साईड, रांची में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी अधिवक्ता शिवानी सिंह, पीएलवी संगीता सिंह, संगीता देवी, अरविंद कुमार, सुरज मुंडा, निरमला कुमारी, पिंकु कुमारी, राजा वर्मा एवं विधि के छात्राएं उपस्थित थे। एलएडीसी अधिवक्ता शिवानी सिंह ने बाल श्रम, बाल विवाह तथा डायन बिसाही पर फ्रोकस की और कहा कि बच्चे-बच्चियों का विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें।

उपायुक्त ने तमाड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को आमजनों कि विभिन्न जगहों से मिल रही शिकायत पर संज्ञान लेते हुए प्रखंड सह अंचल कार्यालय तमाड़ का औचक निरीक्षण किया। जहां उपायुक्त के पहुंचते ही सभी पदाधिकारियों, कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति के बिना सभी अनुपस्थित माने जायेंगे, ससमय कार्यालय आयें और अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। वहीं प्रखंड सह अंचल कार्यलय में निजी संस्थान द्वारा चल रहें भू-मापक (अमीन) सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम की जांच कराने के निर्देश दिए।

संस्थान द्वारा 350 रुपए लोगों से लिया जा रहा था। जिसको लेकर उपायुक्त द्वारा संस्थान द्वारा दिए जा रहें 2 माह के प्रशिक्षण सर्टिफिकेट की उपयोगिता की जांच कराने का भी निर्देश दिया। अबुआ साथी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 का प्रचार-प्रसार करने का दिया निर्देश उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय में निष्पादित किये जाने वाले सभी कार्यों की जांच की एवं पिछले वित्तीय वर्ष में अबुआ आवास का लक्ष्य और कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने त्वरित गति से आवास पूर्ण करवाने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी कर्मचारियों को जिला प्रशासन द्वारा जारी किये गये अबुआ साथी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 का प्रचार-प्रसार करने को कहा।

निर्माण हो रहे अबुआ आवास का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने तमाड़ पूर्वी में बन रहें अबुआ आवास देखते हुए इसे जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही वहां की कुछ महिलाओं से मिल कर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि उनके खाते में आई इसकी जानकारी लेते हुए इस राशि का सही उपयोग करने को कहा। बहुत सी महिलाएं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान राशि मिलने की बहुत खुशी जाहिर करते हुए कहा की राज्य सरकार की इस योजना ने उनके जीवन में बदलाव लाया है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया को शो कॉज

तमाड़ पूर्वी में स्थित मंदिर के बाहर गंदगी और चापानल के आगे पानी जमा रहने को लेकर उपायुक्त द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी तमाड़ को मुखिया श्रीमती धनमणि देवी पति सोनाराम मुंडा को शो कॉज करने का निर्देश दिया।

आईटी टावर राज्य के युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार का एक नया द्वार खोलेगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नामकुम, रांची में स्थित आईटी टावर परियोजना की प्रशंसा करते हुए कहा है कि आईटी टावर झारखंड के युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार का एक नया द्वार खोलेगा। यह राज्य को तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनने में मदद करेगा। साथ ही यह अत्याधुनिक आईटी टावर ना केवल झारखंड की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

तकनीकी और डिजिटल व्यवसायों के लिए एक प्रमुख केंद्र

इस आईटी टावर को झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास

प्राधिकरण (जेआईएडीए) की देखरेख में विकसित किया गया है, जो तकनीकी और डिजिटल व्यवसायों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इसकी संरचना जी+5 फ्लोर की है और क्षेत्रफल लगभग 40,000 वर्ग फीट है।

30 वर्ष के पट्टे का किया गया प्रावधान

जेआईएडीए, रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने नामकुम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अत्याधुनिक आईटी टावर के दीर्घकालिक पट्टे (30 वर्ष) के लिए प्रतिष्ठित संगठनों और योग्य आईटीआईटीईएस क्षेत्र की संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 फरवरी है।

इस परियोजना के माध्यम से झारखंड सरकार राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईटी टावर ना केवल रांची, बल्कि पूरे राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

राष्ट्रीय जतरा महोत्सव :पोस्टर का हुआ विमोचन

रांची। दो दिवसीय राष्ट्रीय जतरा महोत्सव 31 दिसंबर और 01 फरवरी को राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में मनाया जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को मोराहबादी के ऑक्सीजन पार्क में पोस्टर लॉन्च खिजरी विधायक राजेश कच्छप, राष्ट्रीय जतरा महोत्सव के अध्यक्ष नरेश पहान एवं समिति के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। इस मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि राष्ट्रीय जतरा महोत्सव के सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र है जो अनुसूचित जनजातियों के 33 समुहो को एक मंच में लाने का काम कर रही है। राष्ट्रीय जतरा महोत्सव के अध्यक्ष नरेश पहान ने कहा की राष्ट्रीय जतरा महोत्सव का तैयारी जोरों पर शुरू कर दी गई है। झारखंड के सभी जिलों में रहने वाले आदिवासी समाज के लोगों को राष्ट्रीय जतरा महोत्सव में शामिल होने के लिए हम लोग आमंत्रण करेंगे।

खेल व्यक्ति के संपूर्ण विकास में सहायक : अर्चित आनंद

वरीय संवाददाता

रांची। शिव शिष्य परिवार रांची द्वारा जयडीहा पंचायत खेल मैदान बरतुआ, गणेशपुर, गुरगाई में दीदी नीलम आनन्द स्मृति फुटबॉल टुर्नामेंट का फाइनल मैच सरना युनाइटेड लपंगा भुरकुंडा बनाम केपी एल खटंगा बनाम के बीच खेला गया। जिसमें लपंगा ने खटंगा को ट्राब्रेकर में 3-2 से पराजित किया।

लपंगा के गोल किपर राहुल टुडु को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन रांची के अध्यक्ष बरखा सिन्हा एवं शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन रांची के मुख्य सलाहकार अर्चित आनन्द ने विजेता टीम को 51 हजार रुपये नगद एवं शिल्ड एवं उप विजेता टीम को 31 हजार रुपये नगद एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया। मौके पर अर्चित आनंद ने कहा कि खेल व्यक्ति के संपूर्ण विकास में सहायक है, झारखंड में प्रतिभा असीम है जरूरत है उनको तराशने की। अवसर पर श्री राजन, श्री परिमल, श्री कुणाल, श्री रामदेव सहित जयडीहा पंचायत के पुर्व मुखिया बिनोद बेदिया, उप मुखिया नीलाम्बर खरवा, पुर्व उप मुखिया नवीन कुमार, पं स सदस्य प्रवेश भोगता, ग्राम प्रधान शंकर करमाली, सचिव बिनोद कुमार महतो, कोषाध्यक्ष रामराज रमेश कुमार महतो का सराहनीय भुमिका रहीं।

झारखंड से महाकुंभ के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

संवाददाता

रांची। झारखंड से प्रयागराज महाकुंभ जाने वालों के लिए भारतीय रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें जनवरी और फरवरी में चलेंगी। झारखंड के कई स्टेशनों पर इन ट्रेनों का ठहराव होगा। राउरकेला, हटिया, रांची और मुरी जैसे स्टेशनों से श्रद्धालु महाकुंभ के लिए प्रस्थान कर सकेंगे। ये ट्रेनें तिरुपति और नरसापुर से चलकर बनारस पहुंचेंगी। वहां से श्रद्धालु प्रयागराज जा सकेंगे।

महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन

दक्षिण-पूर्व रेलवे महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। ये ट्रेनें श्रद्धालुओं को प्रयागराज कुंभ मेले में जाने में मदद करेंगी। तिरुपति से बनारस के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन 18 जनवरी, 8, 15 और 22 फरवरी को तिरुपति से रात 8.55 बजे चलेगी। यह ट्रेन तीसरे दिन दोपहर 3.45 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 20 जनवरी, 10, 17 और 24 फरवरी को शाम 5.30 बजे बनारस से चलेगी। और तीसरे दिन सुबह 5.30 बजे विजयवाड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची और मुरी में रुकेगी।

नरसापुर से बनारस के लिए स्पेशल ट्रेन

नरसापुर से बनारस के लिए भी स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन 25 जनवरी और 1 फरवरी को सुबह 6 बजे नरसापुर से चलेगी। यह ट्रेन तीसरे दिन दोपहर 3.45 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 27 जनवरी और 3 फरवरी को शाम 5.30 बजे बनारस से चलेगी। और तीसरे दिन सुबह 5 बजे नरसापुर पहुंचेगी। यह ट्रेन भी झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची और मुरी में रुकेगी। इन ट्रेनों से झारखंड के लोगों को महाकुंभ जाने में काफी सुविधा होगी।

समय से कराएं टिकट बुकिंग

ये ट्रेनें विशेष रूप से महाकुंभ के लिए चलाई जा रही हैं। इसलिए इसमें श्रद्धालुओं की भीड़ रहने की संभावना है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी टिकटें पहले से बुक कर लें। इससे उन्हें यात्रा में कोई परेशानी नहीं होगी। माना जा रहा है कि रेलवे की इस सुविधा से झारखंड के श्रद्धालुओं को महाकुंभ में जाने का अवसर मिलेगा।

झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मान दिवस समारोह आज

रांची । झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का सम्मान समारोह दिवस कार्यक्रम डोरंडा झंडा चौक भवानीपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय में आज शनिवार को अपराह्न 3:00 बजे से 5:00 तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण होंगे। ल इनके अलावा झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी ज्योति सिंह माथारू, शशि भूषण राय विशेष रूप से भाग लेंगे। उक्त जानकारी झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा द्वारा चुटिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो , संयोजिका सरोजिनी कच्छप, केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा एवं रोजलिन तिर्की ने संयुक्त रूप से दी।

ब्राउन शुगर के कारोबार का सरगना दो साथियों संग गिरफ्तार

11.48 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाईल फोन, बाइक और दो हजार 300 रुपये नकदी बरामद किया गया है

संवाददाता

रांची। ब्राउन शुगर के कारोबार के सरगना कन्हैया कुमार सहित तीन तस्करों को रांची की सुखदेव नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11.48 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाईल फोन, बाइक और दो हजार 300 रुपये नकदी

बरामद किया गया है।

सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि विद्यानगर स्थित बड़ा मैदान के पास ब्राउन शुगर का मुख्य सरगना कन्हैया कुमार और उसके साथी खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के बाद कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी कर सरगना सहित तीन को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपितों में अरगोड़ा निवासी कन्हैया कुमार, हिमांशु ठाकुर और राकेश कुमार शामिल हैं। सिटी एसपी के मुताबिक, सभी आरोपितों ने पूछताछ करने पर बताया कि कन्हैया कुमार के जरिए सासाराम की भाभी जी से ब्राउन शुगर लेकर रांची लाते हैं। इसके बाद ये दोनों और अन्य लड़कों के माध्यम से विद्यानगर, करम चौक, हरमू मैदान, अरगोड़ा, हिनु, रांची स्टेशन के पास ब्राउन शूगर बिक्री करवाते हैं। कन्हैया कुमार ब्राउन शूगर ज्यादातर अपने लड़कों के माध्यम से बेचता है। पुलिस कन्हैया कुमार को काफी समय से खोज रही थी। गिरफ्तार कन्हैया के खिलाफ रांची के सुखदेवनगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत 10 मामले पूर्व से दर्ज हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

संपूर्ण ब्राह्मण समाज की बैठक, स्थापना दिवस सह वनभोज का आयोजन

बोकारो। बोकारो के बारी को ऑपरेटिव स्थित संपूर्ण ब्राह्मण समाज के केंद्रीय कार्यालय परिसर में समाज की एक अति आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता समाज के केंद्रीय अध्यक्ष जितेंद्र दुबे ने की। संचालन केंद्रीय महामंत्री डॉ० अशोक कुमार पांडेय ने किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दामोदर पुल के नीचे संपूर्ण ब्राह्मण समाज का स्थापना दिवस समारोह सह वनभोज का आयोजन 13 जनवरी को किया जाएगा। यह आयोजन तुपकडीह भंडारीदह रोड में दामोदरपुल के नीचे किया जाएगा। बैठक में केंद्रीय वित मंत्री दिनेश चौबे, प्रदेश अध्यक्ष हरे राम पांडेय, जिलाध्यक्ष श्यामल झा, जिला सचिव प्रेमनाथ पांडेय, संगठन मंत्री पिंटू दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी विनय कुमार तिवारी, मुख्य परामर्शक वीं पी उपाध्याय, बिनोद मिश्रा, परामर्शक मंडल के जे एन दुबे, यू सी दुबे, हरिशंकर चौबे, गोपाल चौबे, गंगेश पाठक, अनूप चौबे, मिठू भट्टाचार्य, मऊ भट्टाचार्य, संतोष मिश्र, दिलीप तिवारी, नागेश तिवारी, उदय पांडेय एवं प्रदेश के कई अधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए पदाधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई

बेरमो/ बोकारो। सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर शुक्रवार को बेरमो के बीडीओ मुकेश कुमार ने कार्यालय के सभाकक्ष में पदाधिकारियों और कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। बीडीओ श्री कुमार ने कहा कि बोकारो जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है, और इसे कम करने के लिए सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरकार ने जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसे सभी को पालन करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता से दुर्घटनाओं के आंकड़े घटाए जा सकते हैं। हर व्यक्ति को स्वयं और दूसरों को जागरूक करने की जिम्मेदारी उठानी होगी। साथ ही, बीडीओ ने बताया कि चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का उपयोग करना चाहिए और दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर बाइक चलानी चाहिए। उन्होंने नाबालिग बच्चों से अपील की कि वे तेज गति से बाइक न चलाएं, क्योंकि यह सड़क हादसों का कारण बनता है। उन्होंने अभिभावकों से भी अनुरोध किया कि वे अपने नाबालिग बच्चों को बाइक चलाने की अनुमति न दें। इस अवसर पर नवीन कुमार, धनंजय पाठक, रंजीत महतो, उत्तम कुमार दास, प्रदीप यादव, सुभाष महतो, प्रकाश कुमार, श्रीपति महतो, परमेश्वर महतो, शोएब अंसारी, अनूप कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

चित्रगुप्त महापरिवार ने तेनुघाट अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को किया सम्मानित

तेनुघाट/ बोकारो। बोकारो जिला चित्रगुप्त महा परिवार ने तेनुघाट अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह महापरिवार के अध्यक्ष जयकुमार सिन्हा की अध्यक्षता में तेनुघाट अधिवक्ता संघ के पुस्तकालय भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर महा परिवार के अध्यक्ष जयकुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे परिवार की यह परंपरा रही है कि नवनिर्वाचित अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों को सम्मानित करते हैं। उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए आज हम सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान कर रहे हैं। वहीं चित्रगुप्त महा परिवार के महासचिव भैया प्रीतम ने अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और कहा कि चित्रगुप्त महा परिवार 50 वर्षों से समाज सेवा के कार्य में लगा है और तेनुघाट से हमारा पूरा लगाव रहा है। तेनुघाट अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष स्व० कुमार अनंत मोहन सिन्हा के साथ हम सभी का बहुत ही अच्छा संबंध रहा था। बोकारो जिला चित्रगुप्त महापरिवार के कार्यकारी अध्यक्ष रतनलाल, संयुक्त सचिव संजय कुमार सिन्हा, सुभाष कटरियार तथा कोषाध्यक्ष अनूप कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया।

बोकारो में अतिक्रमण हटाओ अभियान: बीएसएल के दस आवास खाली कराए गए

बोकारो। सम्पदा न्यायालय, बोकारो ने लगातार दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रखते हुए बोकारो इस्पात नगर के बीएसएल द्वारा अनधिकृत कब्जे किए गए दस आवासों को खाली करवा लिया। मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और बीएसएल सुरक्षा विभाग की टीम की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत सेक्टर-8 के विभिन्न आवासों को अतिक्रमण मुक्त किया गया, जिनमें 08ए/ई/1418, 08बी/ई/1048, 08बी/ई/1348, 08बी/ई/2486, 08सी/ई/1011, 08सी/ई/1386, 08सी/ई/2616, 08सी/ई/2643, 08सी/ई/2645 और 08सी/डी/3081 नम्बर के आवास शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को बीएसएल प्रबंधन ने सेक्टर-2 और सेक्टर-3 में आठ अतिक्रमित आवासों को खाली करवा लिया था। उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात प्रबंधन द्वारा शहर के विभिन्न सेक्टरों में आवासों की मैपिंग के दौरान तीन हजार से अधिक अवैध कब्जों का खुलासा हुआ था।

बोकारो के बेधनाडीह ग्राम में सोहराय पर्व के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

बोकारो। बोकारो के बेधनाडीह ग्राम में सोहराय पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्रीमती श्वेता सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रकृति पूजक आदिवासी समुदाय के लोगों के लिए यह पर्व आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। दिशोम सोहराय पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह प्रकृति एवं पशु-पक्षियों के प्रति श्रद्धा एवं देवी-देवताओं के प्रति विश्वास का पर्व है। सोहराय पर्व फसल काटने के बाद पूस माह में 9 जनवरी से 14 जनवरी तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रत्येक संथाल आदिवासी परिवार अपने संबंधियों को आमंत्रित करते हैं। खासकर, यह पर्व भाई बहन के पवित्र रिश्ता को भी समेटता है। छह दिनों तक चलने वाले इस पर्व में आदिवासी लोग न केवल अपने देवी देवताओं एवं इष्ट देव की पूजा करते हैं, अपितु गाय, भैंस, बैल की भी पूजा करते हैं।

श्रीमती सिंह ने कहा कि जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए हम सभी को एकजुट होने की जरूरत है। आज प्रकृति को संरक्षित करने में आदिवासी समाज की अहम भूमिका है। इस भौतिकवादी युग में जल, जंगल और जमीन से छेड़छाड़ हो रहा है। आदिवासी समाज ने हमेशा से जल-जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। इसलिए जरूरत है कि समाज के सभी लोग मिलजुल कर जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा के संरक्षण के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि, आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है।राज्य सरकार द्वारा आदिवासी योजना के तहत जनजातियों के आर्थिक, सामाजिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी कार्य हुए हैं। कई महत्वपूर्ण योजनाएं भी संचालित की गई हैं। यहां के जनजातियों का एकीकृत ढंग से विकास करना, जनजातियों को सुरक्षा देना एवं जनजातियों को शोषण मुक्त करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर गणेश मांझी, खेदन मांझी, अशोक मांझी, विनोद मांझी, नारायण मांझी, अनिल मांझी, राज कुमार सिंह, महेंद्र महतो, राजेश मंडल, झरी महतो, विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे।

वेदांता ईएसएल एक्सेल-30 सेंटर की छात्रों ने 2024 एसएससी जीडी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की

संवाददाता

बोकारो। वेदांता ईएसएल एक्सेल-30 सेंटर के छात्रों ने 2024 एसएससी जीडी परीक्षा में शानदार उपलब्धियां हासिल कर कंपनी के प्रयासों को सार्थक बनाया है। इस अवसर पर सेंटर में जश्न मनाया गया। वेदांता ईएसएल एक्सेल-30 सेंटर, ईएसएल की सीएसआर शिक्षा परियोजना प्रेरणा के तहत स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य झारखंड के ग्रामीण इलाकों के वंचित युवाओं को सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए संरचित शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करना था। 2024 में, एक्सेल-30 सेंटर के तीन छात्रों ने प्रतिष्ठित एसएससी जीडी परीक्षा उत्तीर्ण की और 20 जनवरी, 2025 से अपनी सरकारी सेवा शुरू करेंगे। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा, हमें इन छात्रों की मेहनत और समर्पण पर गर्व है, जिन्होंने एक उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाया है।

एक्सेल-30 सेंटर की प्रमुख उपलब्धियां

वेदांता ईएसएल एक्सेल-30 सेंटर ने अपनी शुरूआत के बाद से 70 छात्रों को लाभान्वित किया है, जिनमें से 65 छात्र सरकारी परीक्षाओं में सम्मिलित हुए, और 22 छात्रों ने लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इनमें से 8 छात्रों ने सरकारी नौकरी हासिल की, जिनमें 7 एसएससी जीडी और 1 अग्निवीर नेवी में नियुक्ति प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, 9 छात्रों ने पॉलिटेक्निक पाठ्यक्रमों के लिए अहर्ता प्राप्त की।

मेंटरशिप का योगदान

कार्यक्रम की सफलता में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनमें गणित के शिक्षक रवि कुमार, सामान्य ज्ञान और रीजनिंग के मुकेश कुमार, और अंग्रेजी के अजय कुमार चौधरी शामिल हैं। इन शिक्षकों के समर्पण और मार्गदर्शन ने छात्रों को उनके लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद की।

स्वदेशी मेला केवल मेला नहीं, वरन एक आंदोलन : अजय चौधरी

संवाददाता

बोकारो। स्वदेशी मेला केवल मेला नहीं, वरन एक आंदोलन है, राष्ट्र को स्वावलंबन बनाने का सशक्त मार्ग है स्वदेशी। उक्त बातें स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने यहां सेक्टर चार स्थित मजदूर मैदान में चल रहे इस्पातांचल स्वदेशी मेला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि स्वदेशी के रास्ते पर चलकर ही हम राष्ट्र को स्वावलंबन के मार्ग पर अग्रसर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आर्थिक रूप से सशक्त करने में स्वदेशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके बिना आर्थिक और स्वावलंबी राष्ट्र की परिकल्पना बेकार है। इसके पूर्व चिन्मया विद्यालय के छात्र-छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों ने एक से बढ़कर एक कलात्मक और रचनात्मक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इसके उपरांत बोकारो संगीत कला अकादमी की टीम द्वारा गीत एवं संगीत संध्या का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला घूमने आए दर्शकों के लिए यहां प्रत्येक दिन तरह-तरह के रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, ताकि नगरवासी खरीदारी के साथ गीत संगीत का भी लुफ्त उठा सकें। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, मेला संयोजक बृजेश कुमार सिंह, प्रेम प्रकाश, ददन प्रसाद, सुरेश कुमार सिन्हा, नवीन कुमार सिन्हा, कुमार संजय, विवेकानंद झा, राकेश रंजन, अनुजा सिंह, मनोरमा चौधरी, पूनम सिन्हा, नूतन वर्मा, राधा सिंह, आशा सिन्हा, रीता सिन्हा सहित अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कांग्रेस नेता सह उप प्रमुख बिनोद साहू का रांची में निधन

गुरूवा में आज दाह-संस्कार

संवाददाता

बोकारो थर्मल। बेरमो के कांग्रेस नेता सह बेरमो के उप प्रमुख बिनोद साहू का रिम्स रांची में ईलाज के दौरान शुक्रवार की अहले सुबह साढ़े पांच बजे निधन हो गया। 48 वर्ष की अल्पायु में बिनोद साहू के निधन से बोकारो थर्मल व बेरमो में मातम पसर गया है। वे मूलतः बिहार के गया जिला के गुरूवा के रहने वाले थे। वर्ष 1950-51 में डीवीसी प्लांट निर्माण के समय इनके पिताजी अर्जुन प्रसाद साव बोकारो थर्मल आए थे। उसके बाद पूरा परिवार यहीं पर बस गए। यहां पर राशन का दुकान चलाते थे। इसके साथ ही वे कांग्रेस और तेली समाज के नेता भी थे। उप प्रमुख के एक बेटा ईशांत कुमार, दो बेटी ईशू, आस्था के अलावे पत्नी प्रिया देवी, मां और दो भाई हैं। रांची से लगभग 11 बजे उनका शव बोकारो थर्मल स्थित आवास लाया गया। यहां पर लगभग एक घंटा अंतिम दर्शन के लिए शव रखा गया। उसके बाद बिहार के गया स्थित गुरूवा के लिए पार्थिव शरीर को रवाना किया गया। जहां 11 जनवरी को अंतिम संस्कार किया जायेगा। यहां पर कांग्रेस पार्टी का झंडा ओढ़ाकर उन्हें सम्मान दिया गया।

विधायक सहित अन्य लोगों ने जताया शोक

विनोद साहू के निधन की सूचना मिलने पर बेरमो विधायक कुमार जयमंगल अनूप सिंह, विधायक प्रतिनिधि संतन सिंह, अरूण कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख गिरिजा देवी, जोगेंद्र गिरि, सुनील सिंह, छेदी नोनिया, भरत यादव, जानकी महतो, राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के नेता जोधन नायक, अनिल गुप्ता, राजेश नायक, धर्मेंद्र कुमार, शंकर गुप्ता, सौरभ गुप्ता, अनवर आलम, विल्सन फ्रांसिस, जिप सदस्या शहजादी बानू, सुषमा कुमारी, मुखिया बीएन महतो, विकास कुमार सिंह, रिंकु सिंह, चंदना मिश्रा, श्रवण सिंह, अख्तर अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि कामेश्वर महतो, चंदन साव, मधुकर गायकवाड़, संजय कुमार मिश्रा, अनुप कुमार अकेला, रामचंद्र कुमार अंजाना, संजय गिरि सहित कई लोगों ने शोक प्रकट किया है।

सीसीएल के पांच दिवसीय अंतर क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

महाप्रबंधक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया शुभारंभ

मुख्यालय टीम तीन गोल दाग बना विजेता

संवाददाता

कथारा/ बोकारो। सीसीएल कथारा जीएम ग्राउंड में पांच दिवसीय सीसीएल अंतर क्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन फाइनल मैच के साथ हो गया। फाइनल मैच सीसीएल मुख्यालय बनाम आम्रपाली चन्द्रगुप्त के बीच खेला गया। जहां सीसीएल मुख्यालय की टीम तीन गोल दाग कर विजेता बना। जवाबी पारी में आम्रपाली चन्द्रगुप्त की टीम ने मात्र एक गोल ही दाग सकी। यहां दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मैच खेला। जहां हाफ टाइम तक दोनों एक-एक गोल दाग सके। हाफ टाइम के बाद मुख्यालय की टीम ने उम्दा खेल-खेलते हुए दो गोल दागा। लेकिन काफी प्रयास के बाद आम्रपाली की टीम कुछ नहीं कर सकी। अंततः मुख्यालय विजेता बना। मुख्य अतिथि कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि कोल इंडिया के सीसीएल कंपनी द्वारा कोयला उत्पादन के साथ साथ सामाजिक सरोकार व सालो भर विभिन्न तरह के प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिससे सभी क्षेत्र के प्रतिभागियों को भाग लेने का अवसर मिलता है। फुटबॉल टूनामेंट कराने का अवसर सीसीएल कथारा क्षेत्र को सौंपा गया। यह कथारा के लिए सौभाग्य की बात है। कोई भी प्रतियोगिता मे शामिल धावक को खेल को खेल की भावना के साथ खेलना चाहिए। खेल समापन के पश्चात मुख्य अतिथि व उपस्थित अधिकारियो के द्वारा विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी व सील्ड देकर सम्मानित किया गया। टूनामेंट मे सीसीएल के 13 क्षेत्र के खिलाडी भाग लिए जिसमें सभी ने अपना अपना उम्दा प्रदर्शन किया। लेकिन इसमें से बेहतर प्रदर्शन कर सीसीएल मुख्यालय व आम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र फाइनल मे जगह बनाया। मौके पर ढोरी महाप्रबंधक रंजय कुमार सिन्हा, सीसीएल मुख्यालय के खेल अधिकारी मो आदिल हुसैन, एसओपी जयंत कुमार, गोविंदपुर पीओ एके तिवारी, जारंगडीह पीओ बिनोद कुमार, असैनिक अभियंता संजय कुमार सिंह, सीबी तिवारी, डाक्टर एमएन राम, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता, एससी पासवान, चंदन कुमार, गुरु प्रसाद मंडल सहित यूनियन नेताओं में सचिन कुमार, कामोद प्रसाद, पीके जायसवाल, विजय सिंह आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ता संघ का वनभोज सह मिलन समारोह

तेनुघाट/ बोकारो। अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित सदस्यों के द्वारा संघ के सदस्यों के साथ शुक्रवार को वनभोज सह मिलन समारोह तेनुघाट डैम के पास आयोजित किया गया। मिलन समारोह में एक दूसरे को एक साथ लेकर चलने पर जोर दिया। साथ ही बेरमो अनुमंडल को जिला बनाने के लिए संघर्ष भी जारी रखने का निर्णय लिया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा, उपाध्यक्ष वेंकट हरि विश्वनाथन, महासचिव वकील प्रसाद महतो, संयुक्त सचिव प्रशासन शंकर ठाकुर, महासचिव वकील प्रसाद महतो आदि मौजूद थे।

बेटे की मौत के बाद हर साल पिता करते है तीन दिनों तक हेलमेट का वितरण

संस्था ने पहले दिन किया 75 हेलमेट का वितरण

संवाददाता

बोकारो। सड़क दुर्घटना में पुत्र की मौत होने के बाद हर साल उसकी पुण्य तिथि पर पिता तीन दिनों तक हेलमेट का वितरण करते हैं। बता दें कि यह वितरण यश वी फॉर यू नमक संस्था के माध्यम से किया जाता है। इसी कड़ी में यश वी फॉर यू संस्था की ओर से गुरूवार को चास स्थित गरगा पुल भारत माता मंदिर के पास तीन दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान सह ऑन द स्पॉट हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिवहन पदाधिकारी बंदना शेजवलकर, ट्रैफिक इंस्पेक्टर आरके राणा व चास थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने किया। वहीं दूसरा कैंप निहाल मोड़ फोर लेन पर लगाया गया। जहां पिंड्राजोरा थाना प्रभारी अमरजीत सिंह ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया। मौके पर यश टीम के सभी सदस्यों ने शपथ पत्र पढ़ कर शपथ लिया कि सड़क सुरक्षा अधिनियम का पालन करेंगे और समाज के हर तबकों को पालन करने को जागरूक करेंगे। पहले दिन तीनों कैंप में 72 हेलमेट का ऑन द स्पॉट वितरण किया गया। मौके पर यश टीम के अविनाश कुमार डिप्टी मेयर,सरोज यादव, प्रदीप शर्मा, संजय शर्मा, अर्चना सिंह, लोकेश महतो, प्रवीण कुमार, शिबू जायसवाल, मनोज रॉय, अलख निरंजन, शिव शंकर राय, प्रमोद कुमार, पवन मित्तल, पीयूष लोहिया, प्रदीप मोनू, विकाश महथा आदि मौजूद रहे।

खेल डीपीएस बोकारो में अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

परिश्रम और संघर्ष ही कामयाबी का एकमात्र विकल्प : राजीव

10 स्कूलों की 17 टीमों ने दिखाए दमखम, एमजीएम और एसएपीएस की टीमें बनीं चैंपियन

संवाददाता

बोकारो। खेल हमें संघर्ष, अनुशासन और टीम के साथ मिलकर काम करने की कला सिखाता है। हमारे पूरे जीवन में ये बातें बेहद जरूरी हैं। बिना संघर्ष के सफलता असंभव है। इसलिए, मेहनत से कभी न घबराएं। जितना पसीना बहाएंगे, उतनी ही कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ सकेंगे। उक्त बातें बोकारो से निकले भारतीय बास्केटबॉल टीम के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं वायुसेना अधिकारी राजीव कुमार ने शुक्रवार को डीपीएस बोकारो की मेजबानी में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में आयोजित अंतर विद्यालय बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कहीं। विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं। अंडर-19 आयुवर्ग की इस प्रतियोगिता में सहोदया-संबद्ध 10 विभिन्न विद्यालयों की 17 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग में 10 एवं बालिकाओं में 7 स्कूलों की टीमें शामिल हुईं और 200 से अधिक खिलाड़ियों ने बास्केटबॉल कोर्ट में जमकर अपने दमखम दिखाए। कुल 15 मैच खेले गए। बालिका वर्ग में श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल (एसएपीएस) ने खिताबी जीत दर्ज की। डीपीएस बोकारो एवं जीजीपीएस-5 की टीम संयुक्त रूप से दूसरे तथा एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं, बालक वर्ग में एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की टीम प्रथम, डीपीएस बोकारो एवं श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल संयुक्त रूप से द्वितीय तथा जीजीपीएस-5 की टीम तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग में एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र निखिल राज तथा बालिकाओं में एसएपीएस की सेजल सिंह को बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार मिला। विजेता एवं उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि राजीव सहित डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं सहोदया के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार, सहोदया के उपाध्यक्ष एवं जीजीपीएस सेक्टर-5 के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती तथा सहोदया के महासचिव एवं एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत पात्रा ने पुरस्कृत किया। मेजबान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. गंगवार ने प्रतियोगिता का समापन की औपचारिक घोषणा की। इसके पूर्व, प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में डीपीएस बोकारो की छात्राओं ने स्वागत गान व विद्यालय गीत की सुरीली प्रस्तुति की। प्रतिभागी सभी टीमों ने बैंड-ध्वनि के बीच मार्च-पास्ट पेश किया। मेजबान विद्यालय के बच्चों ने जुम्बा डांस, एरोबिक्स के साथ बास्केटबॉल के करतबों वाला मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। तदुपरांत प्रतिभागियों ने टीम-भावना से खेलने की शपथ ली। उद्घाटन समारोह में एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता सफल बनाने वाले तकनीकी पदाधिकारियों में टेक्निकल हेड संजीव कुमार सहित विजय कुमार मिंज, सुधीर कुमार,मनोज दुबे, नीरज कुमार, मुदस्सिर खान, कुणाल एवं प्रत्यूष सिंह शामिल थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मारपीट के बाद जान से मारने की धमकी

पीड़िता ने एसपी से सख्त कार्रवाई की मांग की

चतरा। चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के सोपारम गांव में एक दर्दनाक घटना हुई, जिसमें गांव के कुछ लोगों ने जान से मारने की नियत से पीड़िता उपेंद्र पांडे के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस हमले में उपेंद्र पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए, और उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि गांव के आसपास के कुछ लोगों ने सरकारी जलमिनर के पास पानी भरने के दौरान जानबूझकर मारपीट की, जिससे उनका जीवन खतरे में पड़ गया। घटना के बाद, पीड़िता ने थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। हालांकि, एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पीड़िता और उनके परिवार के सदस्य अब डरे-सहमे हुए हैं और उन्हें लगातार धमकी मिल रही है। इस मामले को लेकर पीड़िता ने चतरा एसपी और हजारीबाग डीआईजी से आग्रह किया है कि वे तत्काल संज्ञान लें और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, ताकि पीड़िता और उनके परिवार को न्याय मिल सके और उनके जीवन को सुरक्षा मिल सके।

पंजी टू में छेड़छाड़ के मामले में इन्द्रनाथ कुमार और अजित कुमार को स्पष्टीकरण जारी

चतरा। चतरा जिले के अभिलेखागार में पंजी टू के पृष्ठ संख्या 183/4 में छेड़छाड़ के आरोपों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे जनता में नाराजगी फैल गई है। हाल ही में उपायुक्त चतरा ने अभिलेखागार में कार्यरत उच्चवर्गीय लिपिक इन्द्रनाथ कुमार और निम्नवर्गीय लिपिक अजित कुमार को स्पष्टीकरण जारी किया था। हालांकि, इसके बावजूद अब तक इन कर्मचारियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिसके कारण मामले में रिश्वत लेने की आशंका जताई जा रही है। पंजी टू में हुई छेड़छाड़ को लेकर भुक्तभोगियों ने आरोप लगाया कि इन कर्मचारियों द्वारा पंजी टू में जानबूझकर बदलाव किए गए हैं, जिससे गलत जानकारी दर्ज हो गई है। इस मामले में जिला प्रशासन को गंभीरता से कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो और जनता को न्याय मिल सके। इसके अलावा, कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या इन आरोपियों को बचाने के लिए प्रशासन में किसी तरह की साठगांठ हो रही है। इस पर नागरिकों ने अपील की है कि इन दोनों कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए और उन्हें तत्काल सेवामुक्त किया जाए।

आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों को जागरूक किया गया

हंटरगंज/ चतरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शुक्रवार को आयोजित 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रखंड क्षेत्र के पीएलवी संदीप कुमार गुप्ता, गुड़िया कुमारी और बिहारी कुमार ने जोरी पंचायत के ग्राम होसिल में महिलाओं और किशोरियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया। इस दौरान महिलाओं को किशोरी हिंसा, साइबर क्राइम, मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल मजदूरी, और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें समाज में समानता और सुरक्षा के लिए जागरूक करना था। इसमें दर्जनों महिलाएं और किशोरियां शामिल थीं, जिन्होंने इन मुद्दों पर गहरी रुचि दिखाई और कार्यक्रम के आयोजकों से जानकारी प्राप्त की। इस तरह के जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

पानी में डूबने से 10 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, पूरे गांव में शोक का माहौल

चतरा। सदर थाना क्षेत्र के पकरिया गांव में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जिसमें 10 वर्षीय गोलू कुमार की पानी से भरे गढ़े में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था और अचानक वह पानी से भरे गढ़े में गिर गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, और स्थानीय लोगों ने शव को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में गहरा दुख छा गया है, और गांव के लोग इस हादसे को लेकर शोकित हैं। यह घटना गांव में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है, क्योंकि गढ़े में पानी जमा होना बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस मामले में प्रशासन से बच्चों के खेलकूद और सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

उपायुक्त के निर्देशन में जनता दरबार का आयोजन

आम जनता की समस्याओं का समाधान

संवाददाता

चतरा। चतरा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें आम जनता से उनकी समस्याएं सुनी गईं और त्वरित समाधान का भरोसा दिया गया। जनता दरबार में भूमि विवाद, विद्यालयों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, मनरेगा, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, कन्यादान योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करें और सुनिश्चित करें कि सभी आवेदनों का निष्पादन समय पर

किया जाए। उपायुक्त ने यह भी बताया कि जनता दरबार सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा, ताकि जनता को उनके मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया मिल सके। जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान सीधे प्रशासन से मिलने का अवसर मिलता है, जो शासन-प्रशासन की जनता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

5 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया

संवाददाता

हंटरगंज/ चतरा। चतरा पुलिस और वन विभाग ने मिलकर जिले के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने घटधारी, संजनी और फुलवरिया गांव के जंगलों में 5 एकड़ वन भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई अफीम की खेती को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई चतरा पुलिस अधीक्षक विकास पांडे और वन क्षेत्र पदाधिकारी सूर्यभूषण कुमार के निर्देश पर की गई। इस अभियान में वशिष्ठ नगर थाना पुलिस, वन विभाग और जोरी की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर पूरी अफीम की फसल को नष्ट कर दिया। चतरा जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों की खेती और तस्करी में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साईं इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल इटखोरी में नए शैक्षिक सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत

संवाददाता

इटखोरी/ चतरा। साईं इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, जो चतरा जिले का एकमात्र सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालय है, ने आगामी 2025-26 शैक्षिक सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर घोषणा की कि वह 50 बच्चों का नामांकन विशेष छूट के साथ करेगा, जिससे अधिक से अधिक बच्चे इस प्रतिष्ठित विद्यालय का हिस्सा बन सकेंगे। विद्यालय में छात्रों को सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक अद्वितीय शैक्षिक माहौल तैयार किया गया है, जिसमें स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर शिक्षा, इंग्लिश स्पोकन, खेलकूद की गतिविधियाँ और बौद्धिक विकास के लिए डिबेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, विद्यालय में छात्रों

के मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए नियमित रूप से विज्ञान प्रदर्शनी, कला और संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि बच्चों में समग्र विकास हो सके। इस विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व के विकास में भी योगदान देना है। विद्यालय में बच्चों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

जीपीडीपी व जीपीसीसी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता

गिरिडीह। होटल ज्ञानसरोवर में आयोजित ग्राम स्वशासन परियोजना के तहत ग्राम पंचायत विकास योजना और ग्राम पंचायत नागरिक चार्टर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन समाजिक परिवर्तन संस्थान द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में गिरिडीह और आसपास के क्षेत्रों के कार्यकताओं को उन्मुखीकरण दिया गया, जिसमें उन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाएं बनाने और उसे लागू करने के तरीके समझाए गए। कार्यक्रम में एसपीएस के सचिव उमेश तिवारी ने बताया कि जीपीडीपी को ग्राम सभा में पारित कर उसे सरकारी ई-स्वराज पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इस प्रक्रिया में विशेष ध्यान महिलाओं और बच्चों की सभा की सहभागिता पर दिया गया, ताकि योजनाओं का लाभ हर वर्ग

तक पहुंचे। प्रशिक्षण के दौरान पालमो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ने कार्यकताओं को धन्यवाद दिया और उन्हें पालमो पंचायत का डेटा एकत्र करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए ग्राम सभा के सदस्य अपने पंचायत के विकास के लिए योजनाएं बना सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बदलाव आएगा। मास्टर ट्रेनर्स उमेश तिवारी, शिव कुमार पांडेय, और विलियम जेकब ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यकताओं को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उमेश तिवारी ने यह भी बताया कि यह प्रशिक्षण अन्य पंचायतों में भी किया जाएगा, ताकि ग्रामीण स्तर पर अधिक से अधिक लोग योजना के लाभार्थी बन सकें। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में समाजिक परिवर्तन संस्थान के साथ-साथ अभिव्यक्ति फाउंडेशन के सचिव कृष्ण कांत, रांची से प्रशिक्षक जय कुमार बर्मा, पालमो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि और अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत, तीन गंभीर

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए हैं। जिनका इलाज स्थानीय स्तर पर करने के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। पहली घटना हंटरगंज-शेरघाटी सड़क स्थित पतशुगीया जंगल में शुक्रवार को मोटरसाइकिल अनियंत्रण होकर पलट जाने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद गया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

वहीं दूसरी घटना इसी सड़क में सोनबरसा मोड पर हुई। जिसमें मोटरसाइकिल अनियंत्रण होकर लोहे के बोर्ड में टकरा गई और एक युवक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई।

वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक शेरघाटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी रघुवीर मिस्त्री का 26 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार था। जबकी घायल इसी गांव के कामता यादव का 22 वर्षीय पुत्र रजद कुमार है।

भद्रकाली मवि में भव्य सत्संग कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

इटखोरी/ चतरा। भद्रकाली महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेर्शानुसार एक भव्य सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दुलार ठाकुर की अध्यक्षता में सामाजिक और धार्मिक महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस कार्यक्रम में गायत्री प्रज्ञा पीठ धुना के आचार्य श्यामानंद शर्मा, कपिलदेव प्रसाद और राजकुमार कुशवाहा जैसे प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करने के साथ हुई। आचार्य श्यामानंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में जब पूरी दुनिया उथल-पुथल की स्थिति में है, तब मनुष्य को सात्विक जीवन जीने की आवश्यकता है। उन्होंने मांसाहार, मदिरा और बुरी संगत से बचने की सलाह दी और यह भी बताया कि सत्य और अहिंसा का पालन ही शांति और समृद्धि का मार्ग है।

प्राचार्य डॉ० दुलार ठाकुर ने भी अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि किसी भी जीव को मारकर खाना सबसे बड़ा पाप है और हमेशा सत्य बोलने की आवश्यकता है। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई।

शिव महोत्सव में उमड़ी भारी भीड़

कुंदा(चतरा)। कुंदा प्रखंड मुख्यालय स्थित जनता हाई स्कूल मैदान में शुक्रवार को राज्य स्तरीय विराट शिवगुरु महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शिव गुरु से दया मांग व हर-हर भोला, हर-हर भोला के भजन से किया गया। आयोजन शिव शिष्य इकाई परिवार कुंदा की ओर से किया गया था। वही कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथियों को बुक्के देकर स्वागत किया गया। इस दौरान वक्ताओ ने कहा की भगवान शिव को आदिगुरु या आदियोगी के रूप में पूजा जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव से ही योग, धर्म-कर्म, वैदिक ज्ञान का उद्गम हुआ था। शिव को जन-जन के गुरु मानने के साथ ही शिव को आदिगुरु और सृष्टि का पहला गुरु भी माना जाता है। शिव की पूजा-आराधना से सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम में मुखिया मनोज कुमार साहू, पंच सदस्य दिव्या भोक्ता समेत भारी संख्या में शिव भक्त शामिल थे।

शहीद महेन्द्र सिंह के शहादत दिवस पर हरिचक में बैठक

संवाददाता

गिरिडीह। 16 जनवरी को शहीद महेन्द्र सिंह के शहादत दिवस पर हरिचक और चंदनडीह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया और शहीद महेन्द्र सिंह को श्रद्धांजलि दी। माले नेत्री और ऐपवा नेत्री प्रीति भास्कर ने बैठक में कहा कि महेन्द्र सिंह सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि दबे-कुचले वर्ग के लिए एक आवाज थे। उनका संघर्ष आज भी झारखंड और बिहार के प्रत्येक गांव में जीवित है। उन्होंने कहा कि 16 जनवरी को सभी महिलाएं बगोदर से शहादत दिवस पर काफी उत्साह के साथ जाएंगी। माले के गिरिडीह विधानसभा प्रभारी राजेश सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष शहादत दिवस के मौके पर असंगठित मजदूर यूनियन की बैठक महुआडांड़ में कन्हाई पांडेय, सनातन साहू और नवीन पांडेय के नेतृत्व में हुई थी। अब गिरिडीह शहर के वार्ड, मुफ्फसिल और पीरटांड़ क्षेत्र में भी शहादत दिवस पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। इस बैठक में रेखा देवी, रंजू देवी, गुड़िया देवी, परमिला देवी, ललिता देवी, मोहिनी देवी, धनेश्वरी देवी, कलावती देवी, हेमंती देवी, सुगनी देवी, मीना देवी, मधु देवी, सुमा देवी, हरली देवी, नमिता वर्मा, मधु देवी और अन्य महिलाओं ने भाग लिया। राजेश सिन्हा ने कार्यकताओं से अपील की कि वे शहादत दिवस के कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लें और महेन्द्र सिंह के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लें। उन्होंने बताया कि असंगठित मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए बैठकें और आंदोलन चलाए जाएंगे।

गिरिडीह में 90 दिवसीय आउटरीच कैंपेन के माध्यम से लोगों को मिल रहा सहयोग

संवाददाता

गिरिडीह। 90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम और आउटरीच कैंपेन के तहत गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में विधिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निदेर्शानुसार, गिरिडीह के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय और सचिव श्रीमती सोनम बिश्नोई के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। 10 जनवरी, 2025 को गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में विधिक सहायता केंद्रों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन

कार्यक्रमों में सर जे सी बोस बालिका उच्च विद्यालय और प्लस 2 उच्च विद्यालय गिरिडीह में लेखन प्रतियोगिता और पेंटिंग का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों और नागरिकों को विधिक सेवाओं के बारे में जागरूक करना था। सुदूर और अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में जाकर लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को निशुल्क विधिक सहायता, निशुल्क अधिवक्ता सेवाएं, मध्यस्थता, और पीड़ित अनुदान योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है। डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चलाकर क्षेत्रीय स्तर पर लोगों को विधिक सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पीएलबी (पार्टी सदस्य) दिलीप कुमार, अशोक कुमार वर्मा, कामेश्वर कुमार, सुनिल कुमार, संतोष कुमार, और अन्य कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर विधिक सहायता मिल सके।

बिरहोर परिवार के बीच कंबल का वितरण

कुंदा(चतरा)। कुंदा प्रखंड के नवादा पंचायत में गरीब बिरहोर महिला-पुरुषों के बीच शुक्रवार को कंबल का वितरण किया गया। प्रखंड कार्यालय से प्राप्त 150 कंबल पंचायत के टयाक्रम व डाडु में निवास करने वाले बिरहोर परिवार के बीच मुखिया भरत यादव ने वितरण किया। मुखिया ने कहा की प्रखंड कार्यालय द्वारा प्राप्त कंबल क्षेत्र के अनुसार पर्याप्त नहीं है, फिर भी प्राथमिकता के आधार पर जरूरतमंद लोगों के बीच वितरण किया गया है। जिससे कड़ाके की ठंड में गरीब व असहायों को राहत मिलेगा। ज्ञात हो की 8 जनवरी को खबर में ठंढ़ में कंबल नहीं वितरण करने की खबर प्रमुखता से प्रसारित किया गया था।

डीसी को पत्र लिखकर बीडीओ का वित्तीय प्रभार अन्य समकक्ष पदाधिकारी को सौंपने की मांग की

संवाददाता

हंटरगंज/ चतरा। हंटरगंज प्रखंड की युवा और प्रगतिशील प्रमुख ममता कुमारी ने चतरा के उपायुक्त रमेश घोलप को पत्र लिखकर हंटरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी की अस्वस्थता के कारण प्रखंड कार्यालय में सरकारी कार्यों की स्थिति पर चिंता जताई।

ममता कुमारी ने पत्र में बताया कि बीडीओ के बीमार रहने के कारण प्रखंड में सरकारी कार्यों की गति बहुत धीमी हो गई है, और कई महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने आग्रह किया कि बीडीओ के वित्तीय प्रभार को किसी समकक्ष अधिकारी

को सौंपा जाए, ताकि योजनाओं का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

प्रमुख ने यह भी बताया कि गरीबों के लिए संचालित योजनाएं जैसे 'अबुआ आवास' और 'मईया सम्मान' की प्रक्रिया ठप हो गई है, और इनकी सत्यापन प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो पा रही है।

इसके अलावा, 15वीं वित्त आयोग की राशि का निर्गमन भी अटक गया है, जिससे कई अन्य योजनाओं में रुकावटें आ रही हैं। प्रमुख ने यह भी बताया कि यदि समय पर स्कॉलरशिप फॉर्म नहीं भरे गए तो कई छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा, जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में भी लोगों को परेशानी हो रही है। ममता कुमारी ने इन समस्याओं को गंभीरता से उठाया और शीघ्र समाधान की मांग की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

धर्माबांध क्षेत्र में हिंसा और आगजनी के बाद निषेधाज्ञा लागू, धारा 163 के तहत कड़ी पाबंदियां

धनबाद। जिले के धमार्बांध ओपी अंतर्गत बाबुडीह क्षेत्र में हुई हिंसा और आगजनी की घटना के बाद प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। अनुमंडल दंडाधिकारी राजेश कुमार ने क्षेत्र में भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन के अनुसार, दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर हुए विवाद के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है। निषेधाज्ञा के तहत क्षेत्र में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, धरना-प्रदर्शन, रैली, सभा और हथियारों के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक कार्यों, वैवाहिक समारोह और शवयात्रा से जुड़े कार्यों को इस आदेश से छूट दी गई है।

बंद बर्न स्टैंडर्ड कंपनी में सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई

कुमारधुबी। गलफरबाड़ी स्थित बंद बर्न स्टैंडर्ड कंपनी में अवैध कोयला खनन का मामला उजागर हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ शीतलपुर की टीम ने बुधवार की देर रात छापेमारी कर भारी मात्रा में कोयला जब्त किया। जांच के दौरान पाया गया कि अवैध खनन के लिए दर्जनों कुआंनुमा गड्ढे खोदे गए थे। छापेमारी के दौरान लगभग 500 टन कोयला जब्त किया गया। हालांकि, अंधेरे का लाभ उठाकर स्थानीय लोग बड़ी मात्रा में कोयला लूटने में सफल रहे। जब्त कोयले को राजपुरा कोलियरी के डिपो में जमा कराया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सतर्क कर दिया है। इस घटना ने क्षेत्र में अवैध खनन की समस्या को लेकर प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच हलचल मचा दी है।

सिंदरी विधायक ने ठंड से राहत के लिए कंबल वितरण की मांग की

सिंदरी। विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बब्लू ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए उपायुक्त धनबाद को पत्र लिखकर बलियापुर प्रखंड में जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कंबल विशेष रूप से उन गरीब और कमजोर वर्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें सर्दी से राहत की आवश्यकता है। बलियापुर प्रखंड की 23 पंचायतों और सिंदरी अंचल के वार्ड नंबर 55 में इस समय कंबल की भारी आवश्यकता महसूस हो रही है। हालांकि, जानकारी के अनुसार प्रखंड में जितनी मात्रा में कंबल की आवश्यकता है, उतनी मात्रा में कंबल अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाए हैं। विधायक महतो ने जिला प्रशासन से इस मुद्दे को शीघ्र सुलझाने की अपील की है ताकि ठंड से जूझ रहे नागरिकों को राहत मिल सके और कोई भी जरूरतमंद बिना कंबल के न रहे।

बाघमारा एसडीपीओ पर हमला और गोलीबारी, कोयलांचल में बढ़ा माफियाओं का दबदबा

धनबाद। कोयलांचल में माफियाओं के बढ़ते आतंक का नतीजा है कि बाघमारा एसडीपीओ पर जानलेवा हमला और हिल टोप आउटसोर्सिंग कंपनी में गोलीबारी जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने इन घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए झारखंड के पुलिस महानिदेशक और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। दीप नारायण सिंह ने कहा कि ये घटनाएं कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन की गरिमा को चुनौती देती हैं। बीसीसीएल में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनियां माफियाओं के बल पर नियम-कानून को नजरअंदाज कर रही हैं। आम जनजीवन भयभीत है और कोयलांचल की स्थिति दिनोंदिन खराब हो रही है। उन्होंने अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने और कठोर कार्रवाई करने की मांग की। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में इन घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया गया है।

खदान में ओबी गिरने से माइनिंग सरदार की दर्दनाक मौत, प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

धनबाद। बीसीसीएल सीवी एरिया के दहीबाड़ी ओसीपी में गुरुवार की दूसरी पाली के दौरान खदान में ओवरबर्डन गिरने से माइनिंग सरदार विद्यासागर पांडेय की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद खदान में अफरातफरी मच गई। विद्यासागर पांडेय पश्चिम बंगाल के कुल्टी लाल बाजार स्थित कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। उनकी मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है। उनकी पत्नी, चार पुत्रियां और एक पुत्र का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद खदान में मौजूद कर्मियों ने शव ले जा रही एंबुलेंस को रोककर सीवी एरिया के जीएम को मौके पर बुलाने की मांग की। कर्मियों का आरोप है कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। जब तक मृतक के आश्रित को नियोजन नहीं दिया जाता, तब तक शव को उठाने नहीं दिया जाएगा। घटनास्थल पर पहुंचने का इंतजार कर रहे कर्मियों ने प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है। फिलहाल, प्रशासन और प्रबंधन की ओर से इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

उपायुक्त ने समाहरणालय में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की

नॉन एलटीएच को भुगतान कर शिफ्टिंग प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश, बेलगड़िया में हर महीने लगेगा विशेष कैंप

संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने समाहरणालय में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने झरिया के नॉन टाइटल होल्डर्स की शिफ्टिंग प्रक्रिया की प्रगति का आकलन किया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 81 साइट्स में 1000 से अधिक नॉन एलटीएच के लिए बेलगड़िया में आवास चिन्हित किए गए हैं। इन सभी को मुआवजा राशि देकर शीघ्र शिफ्ट करने की योजना है। उपायुक्त ने इस प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने बेलगड़िया के निवासियों को लाभान्वित करने के लिए एक नई पहल की घोषणा की। हर महीने की 15 तारीख को बेलगड़िया में विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। इस कैंप के माध्यम से राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हेल्थ चेकअप कैंप भी लगाए जाएंगे। उपायुक्त ने बेलगड़िया टाउनशिप में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का भी आदेश दिया। सिवरेज की सफाई, पेयजल आपूर्ति, कॉलोनी की सड़कों की मरम्मत और चौड़ीकरण की योजना बनाई गई है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, इलेक्ट्रिक बस सेवा, स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, बैंक एटीएम, डेयरी बूथ, और इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं का विस्तार करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

बलियापुर। बलियापुर प्रखंड में सबकी योजना, सबका विकास के तहत ग्राम पंचायत विकास योजना के ग्राम सहजकर्ता दल के सदस्यों के लिए प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 02 जनवरी 2025 से शुरू होकर 11 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी पंचायतों के सहजकर्ता दल के सदस्यों को योजना की कार्यान्वयन प्रक्रिया, प्रशासनिक कार्य और विकास योजनाओं को सुदृढ़ तरीके से लागू करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। शुक्रवार को तृतीय बैच के तहत ग्राम पंचायत बड़ादाहा, भिखराजपुर, विरसिंगपुर, छातांटांड, दोलाबड़, दूधिया, और घडबड़ के सदस्यों को दूसरे दिन का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सूरज कुमार दास ने प्रशिक्षण की दिशा निर्देश प्रदान किए, वहीं प्रखंड समन्वयक उमेश कुमार महतो, बीपीआरओ मो आलम, पंचायत सदस्य, पंचायत सचिव और अन्य स्थानीय अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायतों में विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सहजकर्ता दल के सदस्यों को पूर्ण रूप से प्रशिक्षित करना है, ताकि वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान कर सकें।

अंग्रेजी स्नातकोत्तर विभाग ने विवि के एक परिसर को गोद लिया

संवाददाता

धनबाद। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के 2024-26 के करीब 100 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्व० बिनोद बिहारी महतो की मूर्ति के सामने के परिक्षेत्र में पौधरोपण किया तथा इस परिसर की साफ-सफाई की जवाबदेही का निर्वहन करने का प्रण लिया। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ० प्रो० राम कुमार सिंह ने प्रथम पौधरोपण से इस कार्यक्रम की शुरूआत की। उसके पश्चात मानविकी के संकायाध्यक्ष सह अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ० अमिता वर्मा, कुलसचिव डॉ० धनन्जय कुमार सिंह, डॉ० मंतोष कुमार पाण्डेय, डॉ० के. एम. सिंह एवं उपस्थित सभी विद्यार्थियों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा पेड़-पौधे लगाने तथा परिसर की साफ-सफाई के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। अंग्रेजी विभाग के इस कदम की भरपूर सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि परिसर साफ-सफाई का दायित्व हमारे परिवार का है। अन्य स्नातकोत्तर विभागों द्वारा भी ऐसी पहल की जानी चाहिए।

फॉर्म भरवाकर परीक्षा लेना भूल गया बीबीएमकेयू, छात्र परेशान

संवाददाता

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक्स रेग्यूलर सेमेस्टर फोर (एक-दो विषय में फेल छात्र) के छात्र-छात्राओं से सितंबर 2024 में परीक्षा फॉर्म भरवाए गए थे, लेकिन अब तक परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। इससे हजारों छात्र-छात्राएं पीजी नामांकन और फाइनल डिग्री प्राप्त करने से वंचित हैं। सीयूईटी पीजी समेत अन्य माध्यमों से नामांकन लेने वाले छात्र परीक्षा न होने के कारण एडमिशन नहीं ले पा रहे हैं। आजसू छात्र संघ ने इस गंभीर समस्या को लेकर बीबीएमकेयू के रजिस्ट्रार डॉ० धनंजय सिंह को ज्ञापन सौंपा। छात्र संघ के प्रतिनिधि विक्की ने कहा कि परीक्षा विभाग केवल फॉर्म भरवाकर अपनी जिम्मेदारी भूल गया है। कई छात्रों ने बीबीएमकेयू छोड़कर बाहर नामांकन लिया है, लेकिन उनके नामांकन रद्द होने की चेतावनी दी जा रही है। आजसू छात्र संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन को अविलंब परीक्षा आयोजित करने का अल्टीमेटम दिया है। आंदोलन की चेतावनी के बाद रजिस्ट्रार डॉ. धनंजय सिंह ने जल्द परीक्षा आयोजित कराने का आश्वासन दिया। परीक्षा विभाग का कहना है कि परीक्षा अगले माह कराने की तैयारी है।

बाघमारा कोलियरी में खूनी संघर्ष, पुलिस की छापेमारी जारी

धनबाद। बाघमारा की खरखरी कोलियरी में माफियाओं के बीच खूनी संघर्ष ने इलाके को दहला दिया। इस हिंसक घटना में बाघमारा डीएसपी पुरुषोत्तम कुमार सिंह घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने छापेमारी तेज कर दी है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजने का भरोसा जताया है। जनता मजदूर संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष रोहित यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों को समाज में खुलेआम रहने का अधिकार नहीं है। पुलिस प्रशासन पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने का दबाव बढ़ रहा है।

एचएमपीवी से घबराने की जरूरत नहीं : डॉ. के के लाल

संवाददाता

धनबाद। धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल के प्राचार्य डॉ० के के लाल ने गुरुवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि एचएमपीवी वायरस से डरने की आवश्यकता नहीं है। यह कोरोना वायरस जितना खतरनाक नहीं है और न ही उतनी तेजी से फैलता है। यह मुख्य रूप से बच्चों और 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को प्रभावित करता है। डॉ० लाल ने बताया कि यह वायरस खुली जगह में खांसने और छींकने से फैलता है। इससे बचाव के लिए इम्यूनिटी मजबूत रखना जरूरी है। बच्चों और बुजुर्गों में इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण संक्रमण की संभावना अधिक होती है। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में आइसोलेशन की पर्याप्त व्यवस्था है। बच्चों के लिए 60 बेड का वार्ड उपलब्ध है। अस्पताल के तीन ऑक्सीजन प्लांट में से एक चालू है, जबकि बाकी को जल्द ठीक करने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। पीडिया विभाग के डॉ० अविनाश ने बताया कि यह वायरस नया नहीं है। यह 1950 से अस्तित्व में है और ठंड के मौसम में अधिक सक्रिय होता है। यदि किसी बच्चे को लगातार सात दिनों तक सांस लेने में कठिनाई हो, तो उसकी तुरंत जांच करानी चाहिए। डॉक्टरों ने जनता से अपील की है कि वे पैनिक न करें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

अपर समाहर्ता ने सुनी जनता की समस्याएं, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

धनबाद। जिला समाहरणालय में अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतों को सुना। दरबार में जमीन पर अवैध कब्जे, गांव में नाली और पानी की समस्या, चौकीदार की नियुक्ति, कोला कुसमा में लकड़ी मिल और फ्लाई ऐश ब्रिक्स से हो रहे प्रदूषण, रैयती जमीन पर जबरन अबुआ आवास, और आउटसोर्सिंग के जरिए कोयला खनन जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। जनता ने जमीन के म्यूटेशन रद्द करने, अनुकंपा नियुक्ति, बीसीसीएल में भूमि अधिग्रहण के बदले नियोजन, कैंसर पीड़ित के इलाज, आर्म लाइसेंस, भूमि मापी, पेंशन, पारिवारिक विवाद, रोजगार, और शिक्षा से संबंधित समस्याओं को भी अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। इसके अलावा सरकारी पेयजल कुएं को घेरने, जमीन की रजिस्ट्री, और मुआवजे से जुड़े मामले भी सामने आए। अपर समाहर्ता ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन विधिसम्मत तरीके से हर समस्या का समाधान करेगा और जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में एनसीडीईएक्स ने किया निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। प्रतिभूति बाजार में निवेश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन विभाग में एक विशेष निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम को अयुसत प्राइवेट लिमिटेड ने प्रस्तुत किया, जो वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में अग्रणी संस्था है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, निवेशकों और व्यावसायिक समुदाय को निवेश के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक करना और उन्हें निवेश से जुड़ी संभावनाओं और जोखिमों से अवगत कराना था। इस दौरान निवेश के फायदों, स्मार्ट निवेश रणनीतियों, बाजार के उतार-चढ़ाव, और निवेशकों की सुरक्षा के लिए लागू किए गए नियमों पर विस्तार से चर्चा की गई। अयुसत प्राइवेट लिमिटेड के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को निवेश प्रक्रिया, कमोडिटी बाजार और डेरिवेटिव्स के बारे में जानकारी दी। साथ ही, छात्रों और स्थानीय निवेशकों के सवालों का उत्तर देकर उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल पूछे। इस अवसर पर एनसीडीईएक्स के अधिकारियों ने बताया कि देश के अन्य हिस्सों में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों को निवेश के प्रति जागरूक किया जा सके।कार्यक्रम का संचालन डॉ० सत्यनारायण पांडेय ने किया। एनसीडीईएक्स ने इस आयोजन के सफल निष्पादन के लिए सभी प्रतिभागियों और संबंधित संस्थानों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मैनेजमेंट के छात्र रोहित पाठक, नितेश शर्मा, पलक खान, राज, विशाल महतो, उत्तम समेत सैकड़ों छात्र उपस्थित थे।

जिलेभर में यातायात नियमों का पालन कराने की ली गई शपथ

संवाददाता

धनबाद। जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत बड़े स्तर पर यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को जिला परिवहन कार्यालय में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने यातायात नियमों का पालन कराने की शपथ दिलाई। इसी तरह, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) कार्यालय में अधिकारियों और कर्मियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान एमवीआई अभय कुमार, शुभम कुमार, हरीश कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार और रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार उपस्थित रहे। जिले के सभी थानों में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह पहल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है। - प्रेमचंद

क्या शिक्षा का अधिकार ऐसे ही सार्थक होगा?

यदि हमारे देश भारत के करीब आधे स्कूल कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा से वंचित हों, स्कूल बढ़ रहे हों और दाखिले कम हो रहे हों, साथ ही विद्यार्थियों का बीच में पढ़ाई छोड़ने का आंकड़ा बढ़ रहा हो, तो इसे एक बड़ी चुनौती माना जाना चाहिए। निःस्संदेह, आर्थिक विकास हमारी प्राथमिकता होता है लेकिन यदि बुनियादी शिक्षा तमाम विसंगतियों से जूझ रही हो तो विकास की सार्थकता पर सवाल उठेंगे। सवाल खासकर वंचित समाज के बच्चों का है, जिनका बड़ा संघर्ष जीवन-यापन की प्राथमिकताओं से जुड़ा है।

स्वतंत्र भारत में शैक्षिक सुधार के जो प्रयास हुए,उनका लाभ वंचित समाज को काफी अधिक हुआ है। दरअसल, सरकारी स्कूल समाज के कमजोर वर्ग की आशा के केंद्र रहे हैं। यदि आज इन समाजों के बच्चे ही शिक्षा से दूर हो रहे हैं, तो तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए। देश में आज भी लाखों बच्चे शिक्षा पाने से वंचित हैं। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे खासे चौंकाने वाले हैं। समीक्ष्य वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट बताती है कि इससे पहले साल के मुकाबले स्कूल में दाखिलों में 37.5 लाख की कमी आई है। जहां वर्ष 2022-23 में स्कूलों में 25.17 करोड़ विद्यार्थी दर्ज थे, वहीं 2023-24 में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ हो गई है। यह आंकड़ा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्तर का है। वहीं, समीक्ष्य अवधि में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। जिनमें छात्राएं, वंचित व कमजोर वर्ग के बच्चे अधिक हैं। ऐसे में मंथन की जरूरत है कि शिक्षा को बढ़ावा देने के तमाम प्रयासों, नई शिक्षा नीति लागू होने, अधिक स्कूल खुलने के बावजूद छात्रों के दाखिले में कमी क्यों आ रही है। सरकार की घोषणाओं और जमीनी हकीकत के अंतर को संबोधित करने की जरूरत है। ताकि नये दाखिलों को प्रोत्साहन मिले और छात्र भी बीच में स्कूल न छोड़ें। जरूरत इस बात की है कि जहां एक ओर स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे, वहीं स्कूलों में दाखिले को लेकर छात्रों का आकर्षण भी बना रहना चाहिए। साथ ही शिक्षा को व्यावहारिक बनाने और समय के साथ कदमताल करने की जरूरत है। वहीं, दूसरी शिक्षा मंत्रालय के प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन की रिपोर्ट के यह तथ्य चिंता बढ़ाने वाले हैं कि अभी तक कुल 57 प्रतिशत स्कूलों में ही कंप्यूटर की सुविधा मौजूद है। दूसरी ओर 53 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे दौर में जब ऑनलाइन पढ़ाई का खासा जोर है तो ये बच्चे भविष्य में निजी स्कूलों के छात्रों से कैसे मुकाबला कर पाएंगे? प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उनका क्या भविष्य होगा?

विडंबना यह है कि वंचित समाज व कमजोर वर्ग के परिवारों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे भी हैं, जिनके पास न तो कंप्यूटर है और न ही स्मार्ट फोन। दरअसल, उनके परिवारों के जीवन यापन का संघर्ष इतना बड़ा है कि कंप्यूटर व स्मार्ट फोन उनकी प्राथमिकता नहीं बन सकते। चिंता की बात यह है कि निम्न मध्यवर्गीय लोग तो निजी स्कूलों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, लेकिन कमजोर वर्ग के विद्यार्थी कहां जाएंगे? दरअसल, मौजूदा दौर में सिर्फ साक्षरता से खुश नहीं हुआ जा सकता, जरूरत गुणवत्ता की शिक्षा की भी है। ताकि स्कूल से निकलकर विद्यार्थी देश-दुनिया के साथ कदमताल कर सकें।

मंथन इस बात को लेकर भी होना चाहिए कि क्यों लाखों बच्चे स्कूलों की दहलीज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आखिर क्यों छात्र स्कूल में दाखिला लेने के बाद पढ़ाई बीच में छोड़कर जा रहे हैं? शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब सामाजिक विसंगतियां दूर होंगी। यहां सवाल स्कूलों में शिक्षकों व छात्रों के अनुपात का भी है। यह ठीक है कि स्कूलों के भवनों के स्तर में सुधार हुआ है, स्कूलों में बिजली, पानी व जेंडर अनुकूल शौचालय बने हैं। लेकिन हमारी प्राथमिकता केवल स्कूलों में संरचनात्मक विकास ही नहीं होना चाहिए, बल्कि शैक्षिक वातावरण भी बच्चों की पढ़ाई के अनुकूल होना चाहिए।

भारत के उत्थान की प्रेरणा है राष्ट्र मंदिर

हितानंद शर्मा

(श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर विशेष)

अद्भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय वह अभिजीत मुहूर्त, जब प्राण-प्रतिष्ठा कर रामलला के नेत्रों से पट्टिका हटाई गई तो पूरे विश्व के सनातन संस्कृति के उपासकों के नेत्रों में श्रद्धा, आस्था, आनंद और प्रतीक्षा के आँसू थे। पौष शुक्ल द्वादशी, 22 जनवरी 2024 केवल अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव का दिवस नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की दृष्टि और विचारों के परिवर्तन की उपलब्धि का दिन है। पीढ़ियों की तपस्या, त्याग, बलिदान और प्रतीक्षा के बाद अयोध्या ने इस शुभ घड़ी का स्वागत किया था।

भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से आनंदित, उत्साहित यह वही अयोध्या है जिसके परिचय में अथर्व वेद में उल्लेख आता है कि -

अष्ट चक्रा नव द्वारा देवाना पूः अयोध्या। तस्या हिरण्मयः कोश स्वर्गो ज्योतिषावृतः।।

अयोध्या, जिसका अर्थ ही है जो अजेय है, अपराजित है। सहस्त्रों वर्षों तक अयोध्या अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए जानी जाती रही। वही अयोध्या जहाँ हिन्दू समाज के आराध्य श्रीराम का जन्म सकल लोक के मंगल के लिए हुआ। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी अयोध्या का वर्णन कुछ इस प्रकार करते हैं-

विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। निज इच्छा निर्मित प्रभु माया गुन गो पार।।

हिन्दू समाज की आस्था के केंद्र, समरसता, नैतिकता व कर्तव्यपालन का बोध कराने वाले श्रीराममंदिर का कालांतर में विध्वंस कर मुगल आक्रांताओं द्वारा गुलामी के प्रतीक के रूप में बाबरी मस्जिद बना दी गई। इसके बाद 1528 से ही आरंभ हुए श्रीराममंदिर आंदोलन का 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय पर विराम हुआ। 5 अगस्त 2020 को भूमिपूजन के साथ करोड़ों लोगों की भावनाओं ने विविध प्रकार से उत्सव की अभिव्यक्ति की। यह एक ऐसा आंदोलन रहा जिसमें साधु-संतों ने युद्ध भी किया और वे आध्यात्मिक जागरण के केंद्र भी बने। बैरागी अभिराम दास (योद्धा साधु), राममंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचन्द्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ व देवरहा बाबा ने संपूर्ण आंदोलन को एक दिशा प्रदान की। कोठारी बन्धुओं के बलिदान को हिन्दू समाज भला कैसे विस्मृत कर सकता है? विष्णु डालमिया, अशोक सिंहल वे तेजपुंज हैं, जिन्होंने सनातन ऊर्जा को संग्रहीत कर इस पवित्र कार्य से जोड़ा।

मंदिर आंदोलन के मूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित ही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पूरे आंदोलन में जनजागरण करते हुए आस्था के उच्चतम प्रतिमानों को विश्वव्यापी स्वरूप दिया। विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विचार परिवार के सभी संगठनों ने अपनी पूर्ण सामर्थ्य के साथ तत्कालीन सरसंघचालक बालासाहब देवरस की मंशा के अनुरूप धैर्यपूर्वक योजनाबद्ध आंदोलन किए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में देशव्यापी रथयात्रा ने पूरे भारत में वातावरण का निर्माण किया तो असंख्य कारसेवकों के बलिदान ने राम राष्ट्र के इस यज्ञ में समिधा का कार्य किया। मंदिर आंदोलन के इतिहास में अनेक बलिदानियों के रक्त व उनके परिजनों के त्याग का बिंदु समाहित है। राममंदिर के प्रति समाज की आस्था इतनी प्रबल रही है कि जब श्रमदान आवश्यक था तब श्रमदान किया। वहीं राष्ट्रमंदिर को भव्यता और दिव्यता देने के लिए निधि समर्पण अभियान में जाति, वर्ग, दल, समूह के सभी बंधनों को ध्वस्त करते हुए जिससे जो बन पड़ा उसने भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पण किया।

भारतीय पंचांग के अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी के आज ही के दिन जो पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 को पड़ी थी, भगवान के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। संपूर्ण भारत की आस्था के केंद्र श्रीराम मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना को बल मिला और देशवासियों में स्वाभिमान का जागरण हुआ। वहीं जो लोग मन्दिर निर्माण का विरोध कर रहे थे उनके सारे अवरोधों का प्रति उत्तर भी इस एक वर्ष में मिला। प्राण-प्रतिष्ठा से आज प्रथम वर्षगांठ तक असंख्य दर्शनार्थियों ने न केवल रामलला के दर्शन किए बल्कि अयोध्या सहित आस-पास के क्षेत्र के आर्थिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नागर शैली में निर्मित अलौकिक सुंदरता से परिपूर्ण श्रीराम मंदिर की लंबाई पूर्व से पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट व ऊंचाई 161 फीट है। भव्य तीन मंजिला मंदिर में 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। भूतल में प्रभु श्रीराम का मोहक बाल रूप तो प्रथम तल में श्रीराम दरबार का गर्भगृह है। नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप है। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा व दक्षिणी भुजा में हनुमान जी विराजित हैं। मंदिर के समीप ही पौराणिक काल का सीताकूप रहेगा। 732 मीटर लंबे व 14 मीटर चौड़े चहुंमुखी आयताकार परकोटे के चार कोनों पर भगवान सूर्य, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव का मंदिर बनेगा। मंदिर परिसर में ही महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी व देवी अहिल्या के मंदिर प्रस्तावित हैं।

यह मात्र एक मंदिर नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक है। एक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने ऐसे ही प्रतीकों से ऊर्जा प्राप्त करता है। राम मंदिर भारत की चेतना का पर्याय है और इसका भी कि राम जन-जन की स्मृति में कितने गहरे रचे-बसे हैं। यह आधुनिक विश्व के इतिहास में पहली बार है, जब किसी समाज ने अपने प्रेरणा पुरुष के जन्मस्थान एवं उनके उपासना स्थल को अतिक्रमण और अवैध कब्जे से न्यायपूर्वक छुड़ाने में सफलता प्राप्त की। इसी कारण राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने देश-विदेश में कोने-कोने में बसे भारतीयों को भाव विभोर कर दिया था।

प्राण-प्रतिष्ठा भारत ही नहीं, विश्व इतिहास में सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय महत्व का सबसे बड़ा आयोजन था। इस आयोजन को लेकर उमड़ा भावनाओं का ज्वार ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर दे रहा था कि राम मंदिर का निर्माण क्यों आवश्यक था और हिंदू समाज उसके लिए इतनी व्यग्रता से क्यों प्रतीक्षा कर रहा था? अच्छा होता कि यह प्रतीक्षा स्वतंत्रता के बाद ही पूरी हो जाती, किंतु संकीर्ण राजनीतिक कारणों और सेक्युलरिज्म की विजातीय-विकृत अवधारणा के चलते ऐसा नहीं हो सका। यह विडंबना ही रही कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की हिंदू समाज की सदियों पुरानी स्वाभाविक अभिलाषा की अनदेखी की गई।

जिस अयोध्या को अवनी की अमरावती और धरती का बैकुंठ कहा गया, वह सदियों तक अभिशप्त थी, उपेक्षित रही, सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पद दलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाए रखा। समय के साथ समाज का संकल्प भी दृढ़ होता गया और आज समस्त सृष्टि अयोध्या के वैभव को निहार रही है। यह धर्म नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है।

संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की इस समाप्ति के लिए और संकल्प की पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का भी अभिनंदन है। एक दूरद्रष्टि लेकर भारत के न भूतो न भविष्यति के स्वर्णिम अवसर को साकार करने में उनकी महती भूमिका रही। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। अब भारत को भव्य बनाने के संकल्प को पूर्ण करने की बारी है और भगवान श्रीराम का मंदिर इसकी प्रबल प्रेरणा है। ऐसा होना निश्चित ही है क्योंकि इस प्राण प्रतिष्ठा से समस्त दिशाओं से शुभ संकेत मिलना आरंभ हो ही चुका है। गोस्वामी तुलसीदास जी की इन पंक्तियों के साथ- ***'मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई, मिलहि राम सगुन सुभ होई।' शुभमस्तु।***

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के संगठन महामंत्री हैं।)

भगवान राम : भारतीय सांस्कृतिक एकता के अमर प्रतीक

विजय केशरी

अयोध्या में भगवान राम मंदिर के शिलान्यास का पहला वर्ष कब बीत गया, यह पता ही नहीं चला। यह एक ऐसा ऐतिहासिक क्षण था, जिसने भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में राम भक्तों के बीच उत्साह का संचार किया। 22 फरवरी 2024 को पौष शुक्ल द्वादशी के दिन भगवान राम की बाल रूप प्रतिमा को अयोध्या में नव निर्मित मंदिर के गर्भगृह में विधिवत स्थापित किया गया। इस पवित्र अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री सहित विभिन्न धर्मों और संप्रदायों के अनुयायी उपस्थित रहे। देशभर में इस दिन को दीपावली की तरह मनाया गया, जिसमें हर हिंदू परिवार ने अपने घरों और मंदिरों में पूजा-अर्चना की। भगवान राम का जीवन भारतीय संस्कृति, त्याग, बलिदान और सत्य की विजय का प्रतीक है। त्रेता युग में उनके अवतरण का उद्देश्य मानवता को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देना था। उन्होंने न केवल अपने जीवन में मयार्दाओं का पालन किया, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक एकता को भी नई दिशा प्रदान की। उनकी लोकप्रियता भारत के सीमाओं से परे है। इंडोनेशिया जैसे इस्लामिक देशों में भी रामायण और भगवान राम को परिवार और समाज के आदर्श के रूप में देखा जाता है।

अयोध्या की राम जन्मभूमि का इतिहास संघर्ष और विवादों से भरा हुआ है। 1528 में मुगल सम्राट बाबर के आदेश पर यहां स्थित प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर बाबरी मस्जिद का निर्माण किया गया। यह भारतीय संस्कृति पर एक गहरा आघात था। वर्षों तक यह स्थल विवाद का केंद्र बना रहा। 1947 में स्वतंत्रता के बाद इस विवाद ने फिर से जोर पकड़ा। 1986 में अदालत ने विवादित स्थल को हिंदुओं की पूजा-अर्चना के लिए खोलने का आदेश दिया, जिसके बाद यह मुद्दा और अधिक गहरा गया। 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद देशव्यापी दंगे भड़क उठे। इस घटना ने भारतीय राजनीति और समाज को झकझोर कर रख दिया। विवाद के समाधान के लिए लिब्रहान आयोग का गठन किया गया, लेकिन अंतिम समाधान तक पहुंचने में दशकों का समय लग गया। 9 नवंबर 2019 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने विवादित भूमि को भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए सौंपने का आदेश दिया और मुस्लिम समुदाय को 5 एकड़ वैकल्पिक भूमि प्रदान की। इस निर्णय ने सदियों पुराने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान किया और भारतीय सांस्कृतिक एकता को नई मजबूती दी।

राम मंदिर का निर्माण भारतीय इतिहास और संस्कृति के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक भी है। भगवान राम भारतीय समाज के आदर्श नायक हैं, जिनका जीवन सत्य, धर्म और मयार्दा का संदेश देता है। राम मंदिर के निर्माण ने भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्स्थापित किया है। यह मंदिर न केवल श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना का स्थान है, बल्कि यह भारत के गौरवशाली अतीत का सजीव उदाहरण भी है। भगवान राम का जीवन और उनके आदर्श आज भी मानवता को प्रेरणा देते हैं और सिखाते हैं कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलकर कैसे जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। भगवान राम भारतीय सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। उनका जीवन त्याग, बलिदान और मयार्दा का परिचायक है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण न केवल एक धार्मिक यात्रा का समापन है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और एकता का उत्सव भी है।

अपने ही जाल में उलझे अरविंद केजरीवाल

मनोज कुमार मिश्र

लगातार तीन विधानसभा चुनाव अपने एजेंडे पर लाने वाले आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बार बुरी तरह फंस गए हैं। शराब घोटाले में छह महीने जेल में रहने के बाद 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने पर बाहर आए केजरीवाल पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गए। दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा तो 7 जनवरी को हुई। इस बार विधानसभा के चुनाव 5 फरवरी को होंगे और नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। जेल जाने के समय केजरीवाल इस्तीफा न देने पर अड़ गए और तमाम फजीहत के बाद जेल से बाहर आकर इस्तीफा दिया। अपने स्थान पर आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया। वे भी मुख्यमंत्री बनने के साथ ही राजनीतिक नाटक करने लगीं। दूसरी कुर्सी पर बैठी। अपने को केयर टेकर मुख्यमंत्री बताने लगीं।

चुनाव की घोषणा से काफी पहले से ही आआपा ने अपने उम्मीदवार घोषित करने शुरू किए। टिकटों में आम राजनीतिक दलों से भी आगे बढ़कर दलबदल करने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी गई। देखा-देखी यही काम कांग्रेस और भाजपा ने किए। वे 12 साल के राजनीतिक जीवन में पहली बार अपनी कट्टर ईमानदार होने के दावे पर धब्बा लगने के बाद चुनाव जीतने के लिए हर तरकीब का सहारा लेने में सबसे आगे हैं। बिजली, पानी, महिलाओं को डीटीसी बसों में फ्री यात्रा करवाने का दावा करने के बाद महिलाओं को 2,100 रुपये हर महीने देने और साठ साल से ज्यादा उम्र के लोगों की फ्री इलाज योजना की घोषणा करने के अलावा विभिन्न धर्म के पुजारियों को वेतन देने से लेकर दिल्ली में जाट जाति को आरक्षण देने की सिफारिश करने आदि घोषणा हर रोज केजरीवाल कर रहे हैं।

विपक्षी दल लगातार उनकी घोषणाओं की खिल्ली उड़ा रहे हैं। पहले केजरीवाल अपने को कट्टर ईमानदार होने के दावे पर आक्रामक प्रचार करते रहे हैं। अपने दल को अन्य दलों से भिन्न बताने का दावा करते रहे हैं। शराब घोटाले में केजरीवाल समेत अनेक बड़े नेताओं के जेल जाने और अपने सरकारी आवास पर बेहिसाब खर्च करने के बाद तो वे अपने लोगों के भी निशाने पर आ गए हैं। अब तो सभी उनके सरकारी सुविधा न लेने के दावे से लेकर भ्रष्टाचार के खिलाफ जनलोकपाल बनाने के उनके दावे की खिल्ली उड़ाई जा रही है। दिल्ली के इतिहास में संभवतः पहला मामला होगा कि कोई सरकार कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में न रखे। पूरी दिल्ली चुनाव प्रचार के रंग में रंग गई है, केजरीवाल और उनकी पार्टी की समस्या है कि वे जितना ही चुनाव प्रचार की दिशा बदलने की कोशिश कर रहे हैं, चुनाव प्रचार उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों पर आ जा रहा है। वे दिल्ली की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने का दावा करते हैं और जब नए कालेज, विश्वविद्यालय और अस्पताल की बात की जाती है तो वे और उनके नेता गलत दावे करके विषय को बदलने का प्रयास करते हैं।

सबसे अजीब तर्क तो हर साल दिल्ली का बजट बढ़ाने के दावों के लिए दिया जाता है। शायद उनको और उनके समर्थकों को पता नहीं है कि दिल्ली का बजट शुरू से हर साल केवल बढ़ता ही नहीं रहा है बल्कि वह लगातार खर्च से ज्यादा राजस्व (सरप्लस रेवेन्यू) वाला राज्य रहा है। इसी के चलते उसे 1994-95 में पहली बार पद सृजित करने के अधिकार इस शर्त पर केन्द्र सरकार ने दिए कि राज्य की यह स्थिति बनी रहेगी। शर्त यह थी कि यह अधिकार तभी तक रहेगा जबतक राजस्व गैर योजना मद से ज्यादा इकट्ठा होता रहेगा। उससे पहले दिल्ली की सरकार को चौथी श्रेणी के भी पद सृजित करने के अधिकार नहीं थे। जो हाल दस साल में आआपा की सरकार ने बना दिए हैं कि किसी भी समय यह अधिकार उससे छिन सकता है।

पहले तो उन्होंने विक्टिम कार्ड चलने का प्रयास किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में इसी को मुद्दा बना कर केजरीवाल ने चुनाव प्रचार किया। उन्हें अप्रत्याशित ढंग से सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार करने के लिए 13 मई को तीन हफ्ते की जमानत दी थी। वे और उनकी पार्टी उनको झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगाते रहे। लोकसभा चुनाव में और भी मुद्दे थे लेकिन आआपा के लिए तो वही मुद्दा बड़ा था। वह दिल्ली में लोकसभा चुनाव कांग्रेस से सीटों का तालमेल करके लड़ी। बावजूद इसके भाजपा ने लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सातों सीटें जीत लीं। आआपा चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ी। कांग्रेस के वोट औसत में बढ़ोतरी हुई। शायद इससे ही आआपा डरी और इस विधानसभा चुनाव में समझौता नहीं किया। आआपा को तीन सीटें पंजाब में मिली, जहां आआपा अकेले चुनाव लड़ी। आआपा के इस 12 साल के राजनीति कार्यकाल में अनेक नेताओं पर आरोप लगे। कुछ को केजरीवाल ने ही विदा किया और कुछ को कानूनी तरीके से आरोप लगने के बाद विदा किया गया।

दिल्ली में दो विधानसभा चुनावों से सीधा समीकरण है कि कांग्रेस के मुख्य मुकाबले से बाहर होते ही आआपा की एकतरफा जीत होती है। माना जाता है कि अल्पसंख्यक उस दल को वोट करते हैं जो भाजपा को हराए। 2013 के विधानसभा चुनाव में माना गया कि अल्पसंख्यक भ्रम में रहे इसलिए कांग्रेस को आठ सीटें और 24.50 फीसदी वोट मिले। 2015 और 2020 में कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली और उसका वोट घट कर क्रमश 9.7 और 426 फीसदी हो गए। आआपा का प्रचार यही है कि कांग्रेस को वोट देना वोट खराब करना है। 2022 के नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को जिन नौ सीटों में सफलता मिली उनमें सात सीटें अल्पसंख्यक बहुल थे। इतना ही नहीं मुस्तफाबाद से जीते दोनों कांग्रेस पार्षदों के आआपा में शामिल होने के खिलाफ अल्पसंख्यकों ने सारी रात आंदोलन चलाया कि पहले वे निगम पार्षद से इस्तीफा दें फिर आआपा में शामिल हों। उन दोनों को और उनसे दलबदल कराने वाले नेता को वापस कांग्रेस में लौटना पड़ा। इस बार कांग्रेस की तैयारी अल्पसंख्यक वोटों को अपने पक्ष में लाने की ज्यादा है। आआपा का संकट इससे भी ज्यादा है। केवल अल्पसंख्यक आआपा के बदले कांग्रेस के साथ हो गए तो आआपा का फिर से दिल्ली जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। **(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार के कार्यकारी संपादक हैं।)**

आज का राशिफल

मेषः मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृषः समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

मिथुनः एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा।

कर्कः कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा।

सिंहः मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

कन्याः आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

तुलाः स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

वृश्चिकः पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

धनुः कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

मकरः पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभः शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

मीनः जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बीए एलएलबी और एलएलबी प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग द्वारा बीए एलएलबी और एलएलबी प्रवेश परीक्षा का परिणाम और मेरिट लिस्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यह जानकारी नामांकन कोषांग के नोडल पदाधिकारी डॉ. इंद्रजीत कुमार ने दी। यह प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर 2024 को आयोजित की गई थी और इसके बाद विश्वविद्यालय की नामांकन समिति की बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई। नामांकन समिति ने किसी भी प्रकार के कट-ऑफ निर्धारण के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि सभी सीटों के लिए सकारात्मक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों का नामांकन मेरिट और रोस्टर के आधार पर किया जाएगा। इससे पहले, मुकुल नारायण देव के कुलपति रहते हुए विधि महाविद्यालय में नामांकन के लिए कट-ऑफ निर्धारित किया गया था, जिसे परीक्षा समिति के माध्यम से किया गया था। इसके परिणामस्वरूप कई स्थान खाली रह गए थे और विधि महाविद्यालयों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ था। वर्तमान कुलपति प्रो० पवन कुमार पोद्दार ने इस विषय पर स्पष्ट किया कि यह स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम है और नियमों के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। नामांकन समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया कि इन पाठ्यक्रमों में कोई भी स्थान रिक्त नहीं छोड़ा जाएगा, क्योंकि यह न तो छात्रों के हित में होगा और न ही महाविद्यालयों के।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन

हजारीबाग। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नैंसी सहाय ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। इस मौके पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराते हुए समाधान की अपील की। जनता दरबार में आए नागरिकों ने भूमि, रोजगार, पेंशन, ऋण माफी, और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। उपायुक्त नैंसी सहाय ने समस्याओं का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों को आदेश दिया कि इन मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। आवेदनकताओं को यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी समस्याओं का समाधान निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा। इस दौरान कई शिकायतें भूमि संबंधी थीं, जैसे कटकमसांडी थाना क्षेत्र के पेलावल निवासी मो. अब्बास ने ऑनलाइन रसीद निर्गत करने की मांग की, जबकि ग्राम कण्ड्सार की बबिता देवी ने केसीसी ऋण माफ करने की अपील की। इसके अलावा, विष्णुगढ़ की सुनीता देवी और लालपुर सखिया की राबिया खातून ने मइँया सम्मान योजना का लाभ देने का निवेदन किया। डांडी पोस्ट के ग्राम होसीर निवासी दिनेश महतो ने परियोजना में अधिग्रहित जमीन का सीमांकन सरकारी अमीन से करवाने की मांग की। राजेश कुमार साव ने समाहरणालय के रिक्त पदों पर चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जबकि नगर निगम हजारीबाग के विवेक कुमार वाल्मीकि ने पुराना समाहरणालय में साफ सफाई करने वाले मजदूरों के लिए कार्यालय खोलने की अनुमति की मांग की। इचाक थाना क्षेत्र की पुनम देवी ने अपने घर पर पेबर ब्लॉक और पथ निर्माण के भुगतान की अपील की। जनता दरबार में आए अधिकांश आवेदन रोजगार, भूमि दाखिल-खारिज, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन आदि से संबंधित थे और उपायुक्त ने इन सभी मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

लोक अदालत के लिए प्रधान जिला जज ने बैठक की

हजारीबाग। हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर में प्रधान जिला जज रंजीत कुमार की अध्यक्षता में स्पेशल लोक अदालत को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से लंबित मामलों के निष्पादन के लिए रणनीति बनाई गई। प्रधान जिला जज रंजीत कुमार ने कहा कि विशेष ध्यान उन मामलों पर दिया जाएगा, जिनमें राशि पांच लाख रुपये से कम है। इन मामलों के समाधान के लिए सिविल कोर्ट स्थित न्याय सदन भवन में प्री-सीटिंग प्रक्रिया शुरू की जा रही है, ताकि पक्षकार आपसी सहमति से अपने मामलों को सुलझा सकें और मुकदमों का जल्दी समाधान हो सके। इसके अलावा, प्रधान जिला जज ने स्थायी लोक अदालत की मदद लेने पर भी जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक मामलों का समाधान लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके। बैठक के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गौरव खुराना को निर्देश दिया गया कि वे संबंधित वित्तीय संस्थानों से लंबित मामलों की सूची प्राप्त करें और साथ ही पक्षकारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया भी शुरू करें। इस बैठक में जिले के लगभग सभी बैंक और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न वित्तीय कंपनियों और बैंकों के पैनल अधिवक्तागण भी मौजूद थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह स्पेशल लोक अदालत 17 फरवरी से 22 फरवरी तक हजारीबाग सिविल कोर्ट में आयोजित की जाएगी, जिसमें पक्षकार आपसी सहमति से अपने लंबित मामलों का निपटारा करेंगे।

मंईयां सम्मान योजना में देरी से महिलाओं में गहरा आक्रोश, प्रखंड कार्यालय का घेराव

महिलाओं के इस आक्रोश को देखते हुए प्रखंड कार्यालय के अधिकारी सीओ रामजी गुप्ता ने हस्तक्षेप किया और महिलाओं से बातचीत की

संवाददाता

इचाक/ हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा मंईयां सम्मान योजना की पांचवीं किस्त जारी करने के बाद भी राज्य के कई हिस्सों में लाभार्थियों को समय पर राशि नहीं मिल रही है, जिससे महिलाओं के बीच गहरा आक्रोश फैल गया है। खासतौर पर हजारीबाग जिले के इचाक प्रखंड में यह समस्या विकट रूप से सामने आई है, जहां दर्जनों महिलाओं ने योजना का लाभ न मिलने पर विरोध जताया। महिलाओं का आरोप था कि उन्होंने समय पर फार्म भरा था, रजिस्ट्रेशन भी हुआ था, लेकिन उन्हें योजना का कोई लाभ नहीं मिल रहा है।इस मुद्दे पर महिलाओं का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उन्होंने प्रखंड कार्यालय का घेराव किया और कार्यालय के गेट को बंद कर दिया। महिलाएं यह सवाल उठा रही थीं कि वे क्यों इस योजना का लाभ नहीं प्राप्त कर पा रही हैं, जबकि उन्होंने सभी औपचारिकताएं पूरी की थीं। महिलाओं का कहना था कि वे लगातार परेशान हो रही हैं और कोई भी अधिकारी इस मुद्दे पर उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। महिलाओं के इस आक्रोश को देखते हुए प्रखंड कार्यालय के अधिकारी सीओ रामजी गुप्ता ने हस्तक्षेप किया और महिलाओं से बातचीत की। सीओ ने समझाने की कोशिश की, जिसके बाद गेट खोला गया। हालांकि, महिलाओं का गुस्सा कम नहीं हुआ और वे लगातार इस योजना का लाभ मिलने की उम्मीद में प्रशासन से उचित कदम उठाने की मांग कर रही हैं। इस मामले ने यह साफ कर दिया है कि मईया सम्मान योजना की उचित क्रियान्वयन में कमी की वजह से राज्य के कई हिस्सों में महिलाएं प्रभावित हो रही हैं और प्रशासन के खिलाफ उनका आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

विश्व पुस्तक मेला में हजारीबाग के लेखक अनंत ज्ञान की पुस्तकें प्रदर्शित होंगी

संवाददाता

हजारीबाग। 01 से 09 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला विश्व पुस्तक मेला एक बार फिर देश-विदेश के साहित्य प्रेमियों को आकर्षित करने जा रहा है। इस मेले में हजारीबाग के प्रसिद्ध युवा साहित्यकार अनंत ज्ञान की दो पुस्तकें भी प्रदर्शित होंगी। यह दोनों पुस्तकें बाल साहित्य पर आधारित हैं और इनकी संकलन सामग्री बालकों के लिए बेहद आकर्षक और शैक्षिक है। अनंत ज्ञान की पहली पुस्तक ₹फूल से सुंदर बच्चे₹ में एक सौ एक बाल कविताएं संग्रहीत हैं, जबकि दूसरी पुस्तक ₹बच्चा पार्टी जिंदाबाद₹ में बालकों के लिए प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है। दोनों ही पुस्तकें पाठकों के बीच विशेष रूप से बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रही हैं और इन पुस्तकों का लोकार्पण भी हाल ही में किया गया था। पाठक इन पुस्तकों को शुभदा बुक्स के स्टॉल नं ढ 18 और हॉल नं 2-3 से खरीद सकेंगे, जहां इन पुस्तकों के लेखक अनंत ज्ञान स्वयं मौजूद रहेंगे और पाठकों से संवाद करेंगे। अनंत ज्ञान का कहना है कि पुस्तकों का महत्व केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि ये हमें समाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विकास की दिशा में भी मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। पुस्तकें हमारी कल्पनाशक्ति को और अधिक विकसित करती हैं और हमें एक नई दृष्टि से सोचने की क्षमता देती हैं। इसके अलावा, अनंत ज्ञान की तीसरी पुस्तक जल्द ही प्रकाशित होने वाली है, जो झारखंड की क्षेत्रीय भाषा खोरठा में लिखी गई है। यह पुस्तक क्षेत्रीय साहित्य के प्रेमियों के लिए एक अनोखा अनुभव प्रदान करेगी। फिलहाल अनंत ज्ञान की दोनों पुस्तकें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी प्रमुख ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर भी उपलब्ध हैं, जिससे पाठक इन पुस्तकों को आसानी से खरीद सकते हैं।

डॉ. विकास कुमार बने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष

संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ० विकास कुमार को विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति राजभवन सचिवालय रांची से प्राप्त पत्र के आधार पर की गई है और डॉ० विकास कुमार की नियुक्ति से विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण से जुड़े कार्यों में नई दिशा की उम्मीद जताई जा रही है। यह नियुक्ति विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्वविद्यालय में लंबे समय से छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष का पद खाली था और इस कारण से कई योजनाओं में विलंब हो रहा था। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो० मिथिलेश कुमार सिंह को इस पद का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया था, लेकिन अब डॉ० विकास कुमार की नियुक्ति के बाद छात्रों और कर्मचारियों को राहत मिली है। डॉ० विकास कुमार के डीएसडब्ल्यू बनने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० पवन कुमार पोद्दार ने उन्हें पुष्प स्तबक भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और पूर्ववर्ती छात्र एक-एक कर उन्हें बधाई देने लगे, जिससे विश्वविद्यालय में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस नियुक्ति के साथ ही विश्वविद्यालय में कई सकारात्मक बदलाव की उम्मीद की जा रही है। सबसे पहले, लंबे समय से बंद पड़े सरोजिनी छात्रावास को फिर से शुरू करने की योजना बनाई जा सकती है, जो छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। साथ ही वेलफेयर विभाग द्वारा निर्मित 100 बिस्तर वाले छात्रावास को चालू करने की संभावना भी जताई जा रही है। इस निर्णय से महिला शिक्षा को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में कैंटीन की स्थिति में सुधार करने और खेलकूद गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष बनने से यह उम्मीद की जा रही है कि पीएच.डी. कोर्स वर्क और इलेक्टिव पाठ्यक्रमों का नियमित संचालन भी अब सुचारू रूप से शुरू हो सकेगा, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

एसडीओ पत्नी अनीता के संदिग्ध मौत मामले में मृतका के भाई ने न्याय के लिए महाधरना का किया ऐलान

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के शिवपुरी कृष्णा नगर निवासी राजू कुमार गुप्ता ने अपनी बहन अनीता कुमारी के संदिग्ध मौत के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर 13 जनवरी 2025 को महाधरना का आयोजन किया है। यह धरना नया समाहरणालय गेट के बाहर सुबह 9 बजे से शुरू होगा, जिसमें आम जनता, समाजसेवी, महिला संगठन, छात्र संघ, और राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। राजू कुमार गुप्ता का आरोप है कि 26 दिसंबर 2024 को उनकी बहन अनीता कुमारी को पूर्व एसडीओ अशोक कुमार और उनके परिजनों ने साजिश के तहत घर में जिंदा जलाकर मार डाला। इस हत्याकांड को 14 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक प्रशासन ने किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। उनका कहना है कि उन्होंने प्रशासन को लगातार साक्ष्य और लोकेशन उपलब्ध कराए, लेकिन उनकी शिकायतों को अनदेखा किया गया। अब तो प्रशासनिक अधिकारियों ने फोन उठाना भी बंद कर दिया है। राजू का आरोप है कि प्रशासन दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहा है, और इसीलिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मेरी बहन अनीता सिर्फ मेरी बहन नहीं बल्कि समाज की हर बेटी थी। हमें न्याय चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। धरने के आयोजक राजू कुमार गुप्ता ने अपील की है कि सभी सामाजिक संगठनों, मीडिया, राजनीतिक दलों, महिला मंडलों और छात्र संगठनों को इस संघर्ष में उनका साथ देना चाहिए। स्थानीय लोगों में इस मामले को लेकर भारी आक्रोश है और कई समाजसेवी संगठनों तथा राजनीतिक दलों ने इस धरने का समर्थन किया है।

हुरहुरु क्षेत्र में विकास कार्यों की नई पहल, विधायक प्रदीप प्रसाद ने निभाया अपना वादा

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद अपने क्षेत्र की जनता के प्रति किए गए वादों को निभाने में लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में हुरहुरु क्षेत्र के गली-नली निर्माण और क्षेत्र के समग्र सुंदरीकरण के लिए नगर निगम की टीम और विधायक टीम ने एक संयुक्त निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की आवश्यकताओं का गहन अध्ययन किया गया और प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य शुरू करने की योजना तैयार की गई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता के प्रति हमारी जवाबदेही केवल वादों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। हुरहुरु क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के अभाव को दूर करने के लिए हमने गली-नली निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी है। आने वाले दिनों में यह कार्य शुरू होगा, और इसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिलेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक टीम और नगर निगम के अधिकारियों ने नपाई का कार्य पूरा किया। साथ ही, सुंदरीकरण की दिशा में भी योजनाएं बनाई गईं, जिससे क्षेत्र को साफ-सुथरा और रहने योग्य बनाया जा सके। इस मौके पर नगर निगम के अधिकारी, विधायक टीम के सदस्य सभी ने मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित की और क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि उनका भविष्य बेहतर होगा। श्री प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग सदर क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

पतरातू लबगा डैम के पास तेज रफ्तार हाइड्रा पलटी

पतरातू। पतरातु प्रखंड के लबगा डैम के पास तेज रफ्तार हाइड्रा गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे आठ फीट गहरी खाई में पलट गई। यह घटना पतरातु से बलकूदरा की ओर जाने वाले रास्ते पर हुई, जब हाइड्रा गाड़ी की गति अधिक थी और चालक नियंत्रण खो बैठा। दुर्घटना में चालक बाल-बाल बच गया। हाइड्रा के पलटने के कारण सड़क किनारे लगी एक पेड़ भी गिर गया, क्योंकि पेड़ हाइड्रा के भारी वजन को सहन नहीं कर सका। घटनास्थल पर पहुंचे एक अन्य हाइड्रा ने पलटी हुई गाड़ी को निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा। दुर्घटना स्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि पलटी हुई हाइड्रा को निकालने के लिए कम से कम तीन हाइड्रा की आवश्यकता पड़ेगी। इस दुर्घटना के बाद, लबगा ऊपर चौक के निवासी मनोज कुमार साहू ने प्रशासन और प्रबंधन से अपील की है कि पतरातु से बलकुदरा ओवरब्रिज तक होने वाली इन सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उनका कहना था कि इस मार्ग पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

अपनी नृत्य प्रतिभा के बलबूते सौम्या सोनी की बनी पहचान

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। अपनी नृत्य प्रतिभा की बदौलत शहर के जादो बाबू चौक निवासी सौम्या सोनी की पहचान बनी। डांस पाराडाईज के नृत्य शिक्षक सुनील सोनी से नृत्य की शिक्षा ली है। सौम्या 6 ईयर नृत्य प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद से की हैं। नृत्य शिक्षक सुनील सोनी इनके गुरु हैं। बचपन से 6 वर्ष की उम्र से ही नृत्य में इनकी रुचि को देखते हुए पिता दीपक कुमार सोनी और माता रूबी सोनी अपनी बच्ची की इस कला को निखारने में लगे हैं। सौम्या डीएवी पब्लिक स्कूल हजारीबाग से 12 वीं तक पढ़ाई की। वर्तमान में राम कॉलेज आफ कमर्स दिल्ली में अर्थशास्त्र से ऑनर्स कर रही हैं। पढ़ाई के साथ साथ कई स्टेज के कार्यक्रमों में अपनी कला का लोहा मनवा चुकी हैं। 07 जुलाई 2017 के सक्सेस सरगम एकेडमी के नगर भवन में हुए कार्यक्रम मेरी आवाज मेरी पहचान में नृत्य वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके नृत्य को लोगों ने बहुत सराहा। वहीं 2013 से 23 तक संस्कार भारती के कार्यक्रम, कृष्ण बाल रूप सज्जा कार्यक्रम में अपने नृत्य से कई प्रमाण पत्र और मेडल बटोरे। 26 फरवरी से 12 मार्च तक 2014 में झारखंड सरकार कला संस्कृति खेलकूद युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय नाटक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने नृत्य से खूब वाहवाही लूटी। वहीं 6 एवं 7 फरवरी 2015 में डाक टिकट उत्सव कार्यक्रम में सोलो नृत्य में प्रथम, 2017 में मां संगीतालय द्वारा नगर भवन में आयोजित डांस कार्यक्रम में प्रथम और अपने स्कूल डीएवी द्वारा आयोजित सहोदय स्कूल नृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये सम्मानित हुई। डीएवी में ही सिंधु रस कार्यक्रम में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 2018 में 15 नवंबर को नगर भवन में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आहूत सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति में सराहना मिली। 2019 में त्रिवेंद्रम में आयोजित ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटेर के तरफ से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य पेश की जिसमें मेडल प्राप्त किया। 20-20 में डीएवी स्कूल के सोलो डांस ईयर का अवार्ड मिला। प्रधान कैफेटेरिया में आयोजित टैलेंट हंट के कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। 20-22 में झारखंड शाइनिंग स्टार आफ झारखंड का खिताब जीता, 20 23 में राज्य स्तरीय कला उत्सव में तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोगों ने इनके द्वारा पेश किए गए नृत्य की सराहना की। इस तरह पढ़ाई के साथ- साथ सौम्या नृत्य में कई स्टेज शो में भाग लेते हुए लगातार आगे बढ़ रही हैं। अपने कामों से अपना नाम एवं हजारीबाग का नाम रौशन कर रही हैं।

सड़क सुरक्षा जागरुकता को लेकर निकाली गई प्रभात फेरी

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए एक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन हजारीबाग आरटीओ विजय कुमार, डीएसपी मनोज कुमार, एमभीआई रवीना कुमारी और बिरशु कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रभात फेरी का प्रारंभ हजारीबाग जिला स्कूल से हुआ, जो डीटीओ ऑफिस से होते हुए त्रिमूर्ति चौक, झील, डीवीसी चौक और समाहरणालय होते हुए वापस जिला स्कूल मैदान में समापन हुआ। इस आयोजन में जिले के प्रमुख स्कूलों, जैसे जिला स्कूल, आनंद स्कूल, हिंदू हाई स्कूल और आरक्षी स्कूल के करीब 600 बच्चे और शिक्षक शामिल हुए। इसके अलावा, कार्यक्रम में ट्रैफिक डीएसपी, मोटर यान निरीक्षक बिरशु कुमार, रवीना कुमारी और जिला परिवहन कार्यालय के प्रमुख कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस जागरुकता अभियान के दौरान बच्चों ने सड़क सुरक्षा के नियमों और परिवहन सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने वाले नारे लगाए और सभी को सुरक्षित यातायात के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना था।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सिलेंडर फटने से घर में लगी आग, दो की मौत

कोलकाता। देर रात अचानक सिलेंडर विस्फोट हो गया। घर में आग लग गई। आग में 2 सदस्यों की मृत्यु हो गई। तीन अन्य लोगों का जलने के कारण इलाज किया जा रहा है। आग की तेज लपटों के कारण दो मंजिला मकान का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना से बांकुड़ा शहर के वार्ड नंबर 6 में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
पाल परिवार बांकुड़ा के वार्ड नंबर 6 का निवासी है। उन्होंने सामान्य रात्रि की तरह ही खाना खाया और सोये। पड़ोसियों ने मध्य रात्रि में विस्फोट की आवाज सुनी। तभी उसने देखा कि पाल परिवार के घर में आग लग गई है। सबसे पहले अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। इस बीच, पड़ोसी भी बचाव कार्य में शामिल हो गए। दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले ही विस्फोट की तीव्रता के कारण मकान का एक हिस्सा ढह गया।कुल 5 लोगों को जली हुई हालत से बचाया गया। अस्पताल ले जाने से पहले ही दो लोगों की मौत हो गई। शेष तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतकों की पहचान निताई पाल और रीना पाल के रूप में हुई है। उनके शवों को पहले ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि घर की पहली मंजिल पर टोटो चार्जिंग पॉइंट था। उस चार्जिंग पॉइंट से शॉर्ट सर्किट के कारण एसी मशीन में आग लग गई। उस आग से एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। मकान का एक हिस्सा ढह गया।

बस की चपेट में आने से महिला की मौत

कोलकाता। शहर की सड़कों पर फिर से लापरवाह बस हिंसा। परिणामस्वरूप, 11 दिनों के अंतराल में कोलकाता में एक और पैदल यात्री की मौत हो गई। यह दुखद दुर्घटना शुक्रवार सुबह बड़ाबाजार के कलाकार स्ट्रीट पर घटी। एक मिनी बस की टक्कर से एक महिला पैदल यात्री की मौत हो गई। तीन अन्य लोग भी घायल हो गये। बताया गया है कि शुक्रवार को कार्यालय समय के दौरान एक मिनी बस हावड़ा से सियालदह जा रही थी। बस बड़ाबाजार में कलाकार स्ट्रीट और एमजी रोड के चौराहे पर नियंत्रण खो बैठी, रेलिंग से टकराकर फुटपाथ पर जा गिरी। परिणामस्वरूप, उस समय फुटपाथ पर चल रही चार महिलाएं घायल हो गईं। उनमें से एक की हालत गंभीर थी। जब महिला को अस्पताल ले जाया गया तो उसे मृत घोषित कर दिया गया।
घटना की जांच पहले ही शुरू कर दी गई है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या किसी कारणवश बस के ब्रेक फेल हो गए थे। इस घटना के कारण कुछ समय के लिए क्षेत्र में यातायात भी बाधित हुआ।इस दुर्घटना में एक पैदल यात्री की भी मौत हो गई थी। तब से पुलिस सतर्क है। लेकिन इसके बावजूद कार्यालय समय के दौरान हुई घातक दुर्घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसपी ने पुलिस लाइन में परेड का किया निरीक्षण

अररिया । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 22 फरवरी के कार्यक्रम को लेकर जिले का हरेक विभाग तैयारी में जुट गया है।इसी कड़ी में कृषि उत्पादन बाजार समिति (विघटित) स्थित पुलिस लाइन में एसपी अंजनी कुमार ने पुलिस परेड और गार्ड ऑफ ऑनर को लेकर पुलिस विभाग की ओर से की जा रही तैयारी का निरीक्षण किया। एसपी ने पुलिस के जवानों और अधिकारियों को परेड और गार्ड ऑफ ऑनर को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।एसपी के साथ डीएसपी हेडक्वार्टर फकरे आलम,पुलिस लाइन के सार्जेंट और मेजर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।एसपी ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जवानों और अधिकारियों को ताकीद किया और सतर्कता बरतने का स्पष्ट निर्देश दिया।

छात्राओं के सशक्तिकरण को लेकर गर्ल्स फर्स्ट कार्यक्रम आयोजित

भागलपुर। जिले के जगदीशपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद तथा वर्ल्ड बीइंग इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गर्ल्स फर्स्ट कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता पैदा कर उन्हें आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम से छात्राओं में हो रहे बदलाव का अवलोकन करने पटना से अमित, राजेश तथा भागलपुर के कार्यक्रम पदाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जगदीशपुर के छात्राओं का मूल्यांकन किया। छात्राओं के जवाब से सभी संतुष्ट होकर विद्यालय के वार्डेन तथा शिक्षिका का सम्मान करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर वार्डेन सपना कुमारी, शिक्षिका फूल कुमारी, सारिका निगार सहित सभी छात्राएं उपस्थित रहे।

कटिहार में अपराधियों का आतंक, 24 घंटें में दो गोलीबारी की घटनाएं

कटिहार। कटिहार जिले के बरारी विधानसभा क्षेत्र में अपराधियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में इस क्षेत्र में दो गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। पहली घटना बरारी के उचला हाट पर घटी, जहां अज्ञात अपराधियों ने धनंजय यादव को गोली मारकर घायल कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल धनंजय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरारी में भर्ती कराया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना कुरसेला थाना क्षेत्र के मलिनिया गांव में हुई, जहां एक किसान को अपराधियों ने बासा पर सो रहे समय गोली मार दी। घटना के बाद घायल किसान राधेश्याम मंडल को कुरसेला स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज रेफर कर दिया गया।

राज्य के 308 प्रखंड कार्यालयों के लिए 60 अरब की स्वीकृति सहित 55 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 308 प्रखंडों-अंचलों में नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 60 अरब की राशि की स्वीकृति सहित 55 प्रस्तावों पर मुहर लगायी गई है।
कैबिनेट के फैसले बिहार के कुल 246 जर्जर प्रखंडों सह अंचल कार्यालयों के भवन निर्माण के लिए प्रति प्रखंड 16 करोड़ 62 लाख 10000 एवं 62 भवनहीन प्रखंडों में प्रखंड सह अंचल कार्यालय सह आवासीय परिसर निर्माण के लिए प्रति प्रखंड 30 करोड़ 74 लाख 17000 रुपये, कुल मिलाकर 59 अरब 94 करोड़ 75 लाख 14 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

● बिहार के 26 जिलों के 72 चौक-चौराहों पर यातायात उल्लंघन करने पर ऑटोमेटेड चालान कटेगा। इस काम के लिए सीसीटीवी एएनपीआर कमरों का अधिष्ठापन एवं रख-रखाव किया जायेगा। इसके लिए कुल 35 करोड़ 46 लाख 37000 की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
● प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पश्चिम चंपारण के पथरी घाट से बरवत सेना पथ कुल लंबाई 6.750 किलोमीटर के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 73 करोड़ से अधिक राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। शिवहर में भी शिवहर मीनापुर पथ के चौड़ीकरण के लिए 172 करोड़ 76 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
● बिहार पुलिस के सिपाही हवलदार तथा सहायक अवर निरीक्षक की भांति बिहार अग्निशमन सेवा के कर्मियों को वेतनमान का लाभ 21 जनवरी, 2010 से वास्तविक लाभ स्वीकृत किया गया है। पूर्वी चंपारण के मेहसी में बूढ़ी गंडक नदी की इब्राहिमपुर घाट पर आरसीसी पुल निर्माण के लिए 17 करोड़ 50 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
● मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के क्रम में की गई घोषणा की अनुरूप वैशाली के महुआ अनुमंडल में ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण, ताजपुर महुआ संचरण लाइन, ताजपुर में 132 केवी के दो लाइन के निर्माण के लिए 157 करोड रुपये की नई योजना की स्वीकृति दी गई है।
● पटना के बेली रोड स्थित 60 सेट ऑफिसर्स आवास के लिए 246 करोड़ 23 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। भवन निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख संतोष कुमार को 2 वर्षों के लिए संविदा के आधार पर नियोजन करने की स्वीकृति दी गई है।
● भोजपुर के पीरो अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में कोर्ट भवन, हाजत भवन एवं अन्य निर्माण कार्य के लिए 34 करोड़ से अधिक राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
● पटना सदर अंचल में कुल 1.46 एकड़ भूमि को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय निर्माण के लिए विदेश मंत्रालय को निशुल्क हस्तांतरित किया गया है। पटना सदर अंचल के कुल 21 एकड़ जमीन जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को पूर्व में लीज पर दी गई थी। इसे पटना एयरपोर्ट में समानांतर टैक्सी ट्रैक के निर्माण के लिए भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण को निःशुल्क हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई है।
● प्रगति यात्रा में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप सिवान के मौनिया बाबा महावीर झंडा मेला को बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन के तहत सम्मिलित करने की स्वीकृति दी गई है।

फर्जी पासपोर्ट रोकने के लिए लालबाजार लुकआउट नोटिस जारी करने की कगार पर

संवाददाता

कोलकाता। लालबाजार इस बार फर्जी पासपोर्ट घोटाले की जांच के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस गिरोह के सदस्यों ने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न बांग्लादेशी नागरिकों के लिए 121 पासपोर्ट बनाए थे, जो खुद को भारतीय बताकर बनाए गए थे। इनमें से 70 से अधिक पासपोर्ट क्षेत्रीय पासपोर्ट प्राधिकरण द्वारा जारी किये गये। शेष 50 पासपोर्ट बनने बाकी थे, जिन्हें पहले ही रोक दिया गया है। लालबाजार जांचकताओं का दावा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर 70 से अधिक पासपोर्ट बनाए गए थे। खुफिया एजेंसियां घुसपैठियों को रोकने के लिए उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने का प्रयास कर रही हैं। परिणामस्वरूप, जिस प्रकार कोई भी व्यक्ति उस पासपोर्ट का उपयोग करके दोबारा देश से बाहर यात्रा नहीं कर सकेगा, जासूसों का मानना है कि इससे यह पहचानना आसान हो जाएगा कि वह पासपोर्ट किसके पास है। एक अधिकारी ने बताया कि पासपोर्ट उपयोगकताओं के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे फर्जी पासपोर्ट रखने वाले लोगों की पहचान हो सकेगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी।लालबाजार ने कहा कि इन पासपोर्टों के निर्माण में शामिल क्षेत्रीय पासपोर्ट प्राधिकरण (आरपीओ) के कुछ कर्मचारियों की पहचान करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों को पत्र भेजा गया है।
लालबाजार सूत्रों के अनुसार, आरपीओ ने आवेदन और उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों के पुलिस वेरीफाई के बाद पासपोर्ट जारी किया। परिणामस्वरूप, उनकी भी कुछ जिम्मेदारियां हैं। इस बात की भी जांच शुरू हो गई है कि वहां के कर्मचारी उस जिम्मेदारी को पूरा कर रहे हैं या नहीं। इसके साथ ही पासपोर्ट के लिए आवेदन करने हेतु आपको 1500 रूपए जमा करना होगा।
यह भी पता लगाने का काम शुरू हो गया है कि फर्जी पासपोर्ट बनाने के लिए पैसा किन खातों से आया। इस कारण से, खातों की जांच करने और यह पता लगाने के प्रयास शुरू हो गए हैं कि उनका उपयोग किसने किया। प्रारंभ में, जासूसों का मानना है कि फर्जी पासपोर्ट गिरोह के सदस्यों ने एक बैंक खाता खोला और आवेदन के लिए धन भेजा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पासपोर्ट आवेदन के लिए ईमेल आईडी जरूरी है। जांचकताओं ने यह भी पता लगाना शुरू कर दिया है कि ये ईमेल आईडी किसने बनाए। फिलहाल गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक को जमानत मिल गई है।

देश का पहला इलेक्ट्रिक जहाज कोलकाता में गंगा नदी पर चलेगा, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

संवाददाता

कोलकाता। बंगाल ने जलमार्ग परिवहन में एक मिसाल कायम की। देश का पहला इलेक्ट्रिक जहाज कोलकाता में गंगा नदी पर चलेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आउटराम घाट से आधिकारिक उद्घाटन किये। परिवहन विभाग के अनुसार, यह जहाज मिलेनियम पार्क जेट्टी से बेलूर मठ होते हुए दक्षिणेश्वर तक जाएगा। देश में कोई अन्य पर्यावरण अनुकूल नौका सेवा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह विद्युत चालित वाहन विशेष रूप से पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायक होगा। परिणामस्वरूप, यात्री न केवल सुरक्षित रहेंगे, बल्कि वे अधिक आरामदायक भी महसूस करेंगे।" मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में 12 और ई-जहाजों और 12 ई-बार्जों को संचालित करने के लिए कदम उठा रही है। इस नये जहाज में दो श्रेणियां होंगी। 30 लोग

वातानुकूलित खंड का भ्रमण कर सकते हैं। सामान्य श्रेणी में 60 लोग। मुख्यमंत्री ने आउट राम घाट से गंगासागर मेले का औपचारिक उद्घाटन भी किया। उन्होंने एक बार फिर बताया कि उनके सरकार संभालने के बाद से गंगासागर में किस तरह सुधार हुआ है। ममता के शब्दों में, मैं 2011 में वहां गयी थी और देखा कि वहां कुछ भी नहीं था। मैंने आज सब कुछ किया। कहा जाता है कि सभी तीर्थ बार-बार, लेकिन गंगा एक बार। और अब हर कोई कहता है, सभी तीर्थ एक बार, गंगासागर बार-बार। क्योंकि अब यात्रा में कोई परेशानी नहीं है।
उन्होंने यह भी कहा कि गंगासागर मेले के अवसर पर बाहरी राज्यों से आने वाले लाखों लोगों की भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन तैयार है। दो दिन पहले अंतिम तैयारियों का जायजा लेने के लिए गंगासागर का दौरा करते हुए ममता ने घोषणा की थी कि उन्होंने बाबूघाट, प्लॉट-8, कचुबेरिया और मेला परिसर में जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उन्होंने गुरुवार को भी इसका उल्लेख किया। गुरुवार के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, मेयर पार्षद देबाशीष कुमार, कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने मेला परिसर में आग पर खाना पकाने से मना किया है। इसके साथ ही ममता ने कहा है कि वह तीर्थयात्रियों को भोजन उपलब्ध कराने आने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए पका हुआ भोजन लेकर आएंगी।

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में 12 को पप्पू यादव समर्थक करेंगे बिहार बंद

एजेंसी

सहरसा। सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं परीक्षा में हुई गंभीर अनियमितताओं, पेपर लीक और पुनः परीक्षा करवाने के मांग को लेकर छात्र, युवा-शक्ति द्वारा 12 जनवरी को बिहार बंद का ऐलान किया गया है।उसी संदर्भ में भी युवा शक्ति के कार्यकताओं के द्वारा सहरसा बंद भी किया जाएगा। जाप के पूर्व जिलाध्यक्ष रंजन यादव ने व्यापारी से आग्रह करते हुए कहा प्रदेश में प्रतियोगिता परीक्षा बिना पेपर लीक आयोजन हो। इसके लिए आयोजित बिहार बंद को सफल बनाने का काम करें। यह कोई राजनितिक आन्दोलन नहीं है। यह आपके और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है।कोई अपनी मेहनत की कमाई से, कोई खेत बेच कर, तो गहने गिरवी रखकर अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, ताकि उसे नौकरी मिल सके। मगर जिसको आप लोगों ने वोट देकर सत्ता और विपक्ष में बिठाया, वो नौकरी ही बेच देते हैं। इससे बिहार को बचाने के लिए यह बंद है और उम्मीद है, 12 तारीख को आप सभी जुरूर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। युवा शक्ति के जिलाध्यक्ष कपिल देव यादव ने कहा बीपीएससी परीक्षा रद्द कर पुनः निष्पक्ष परीक्षा कराने, पेपर लीक और अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग पर छात्रों का समर्थन करते हुए आईये युवा दिवस पर एकजुट हों और छात्रों के भविष्य के लिए आवाज उठाएं।स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो।छात्रों के अधिकार और न्याय के लिए आप तमाम शहरवासी इस बंदी को सफल बनाने हेतु सहयोग करें। शिक्षाविद् कमलेश्वरी यादव और शशिभूषण यादव ने कहा यह मामला केवल छात्रों के भविष्य का नहीं, बल्कि हमारी प्रशासनिक प्रणाली की साख और पारदर्शिता से जुड़ा है। छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीमा पर कंटीली तारों को लेकर तनाव, बेनापोल में बीजीबी-बीएसएफ की बैठक

संवाददाता

कोलकाता। बांग्लादेश की हालिया स्थिति के कारण सीमा पर कंटीले तारों के बिना वाले क्षेत्रों से घुसपैठ का खतरा बढ़ गया है। इसलिए बीएसएफ ने सीमा सुरक्षा पर अतिरिक्त ध्यान दिया है। इस सप्ताह, मालदा में वैष्णवनगर सीमा पर कंटीले तार लगाने को लेकर बीएसएफ और बीजीबी के बीच अभूतपूर्व झड़प हुई। बाद में, बेशक, कंटीले तार लगा दिए गए। बाद में सुखदेवपुर में भी यही घटना दोहराई गई। पश्चिम बंगाल के सीमा रक्षक सैनिकों ने बार-बार कंटीले तार लगाने पर आरोप लगाया है कि बीजीबी बार-बार कंटीले तार लगाने पर आपत्ति जताई है। इस संदर्भ में गुरुवार को बेनापोल सीमा पर बीजीबी-बीएसएफ की फ्लैग मीटिंग काफी महत्वपूर्ण है। इस दिन दोनों सीमा सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारियों ने लंबी बैठक कर समन्वय और शांति बनाए रखने पर चर्चा की।

यह बैठक गुरुवार को उत्तर 24 परगना में दोनों देशों की सीमा पर पेट्रापोल-बेनापोल में दक्षिण बंगाल सीमा के आईजी, बीएसएफ मनिंदर पी.एस. पवार और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के क्षेत्रीय कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हुमायूं कबीर, पीएससी के बीच हुई। बैठक में सीमा पर समन्वय और शांति बनाए रखने के साथ-साथ दोनों सीमा सुरक्षा बलों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। कमांडरों द्वारा जिन विषयों पर चर्चा की गई उनमें सीमा पार अपराध के खिलाफ संयुक्त प्रयास, सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रही विकास गतिविधियां, अवैध सीमा पार को रोकने के उपाय और प्रभावी सीमा प्रबंधन शामिल हैं।
यह बैठक निःसंदेह पूर्व नियोजित थी। मालदा सीमा पर लगातार दो बार कंटीले तार लगाने में बीजीबी द्वारा बाधा डाले जाने के मद्देनजर मालदा रेंज के डीआईजी ने बुधवार को बीएसएफ आईजी से मुलाकात की। वहां दोनों ने बातचीत की और उस दिन एक फ्लैग मीटिंग का आयोजन किया गया। यह बैठक बनगांव में पेट्रापोल-बेनापोल सीमा पर हुई। दक्षिण बंगाल सीमा के आईजी मनिंदर पी.एस. पवार ने क्षेत्र में अधिक सुरक्षित वातावरण, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए दोनों बलों के बीच आपसी सहयोग के महत्व पर बल दिया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग बढ़ाने के प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रेल ट्रैक पर सीमेटेंड बेंच रखने के मामले में एक नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। बापूधाम स्टेशन से सटे चैलाहां हाल्ट पर बीते 7 जनवरी को मुजफ्फरपुर नरकटियागंज रेलखंड के डाउन ट्रैक पर सिमिंटेड बेच रखने के मामले में आरपीएफ ने एक नाबालिग समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए अपराधियों में मुमताज अंसारी, जुम्मन मिया और एक नाबालिक शामिल है,सभी बंजरिया थाना क्षेत्र स्थित चैलाहां के वार्ड 3 निवासी है, जबकि इस घटना में शामिल एक अन्य की तलाश जारी है। बापूधाम मोतिहारी के आरपीएफ पोस्ट कमांडर चंदन पासवान ने इसकी पुष्टि करते बताया है कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने इस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपियों ने बताया कि नशे की हालत में उन्होंने ट्रैक पर स्टेशन के टूटे हुए सीमेटेंड बेंच को डाउन ट्रैक पर फेंका था। वही गिरफ्तार इन तीनो से अन्य सुरक्षा एजेंसी भी पूछताछ करेगी,ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इन लोगो ने नशे की हालत में इस घटना को अंजाम दिया है,या इस घटना के षडयंत्र में किसी अन्य शक्ति का हाथ है।

राजद नेता आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार मेहता के 16 ठिकानों पर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड पड़ी है। यह मामला बैंक लोन से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। यह छापेमारी बिहार, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत 16 ठिकानों पर जारी है। प्रवर्तन निदेशालय कि टीम आज सुबह-सुबह आलोक मेहता के राजधानी पटना के आवास पर पहुंची है और यहां भी छापेमारी कर रही है। टीम के अधिकारी राजद के विधायक से मामले कि जानकारी ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक से जुड़ा करोड़ों रुपये के बैंक लोन घोटाला

का यह मामला है। इस मामले में बैंक के प्रमोटर, चेयरमैन, सीएमडी, सीईओ सहित कई अन्य अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। फिलहाल, राजद विधायक के पटना के सरकारी आवास पर भी एक टीम छापेमारी कर रही है। तकरीबन 85 करोड़ के बैंक घोटाले की बात कही जा रही है। इसमें फर्जी तरीके से लोन अकाउंट बनाया गया और पैसे का फजीर्वाड़ा किया गया। आलोक मेहता राजद के बड़े नेता है और उजियारपुर इलाके से इनका वास्ता रहा है। ऐसे में बिहार के 9 ठिकानों पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। आलोक मेहता इस सरकारी बैंक के प्रमोटर रहे हैं। ऐसे में उनकी भूमिका काफी संदिग्ध बताई जा रही है। आलोक मेहता महागठबंधन की सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। पहले इस बैंक में आलोक मेहता और उनके पिता चेयरमैन बने। आलोक मेहता करीब 20 साल तक इस बैंक के चेयरमैन रहे है। खुलासा हुआ कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड और महुआ कोऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की 2 कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया है। इन दो कंपनियों ने अपनी गारण्टी पर करोड़ का लोन निकासी किया था। फर्जी कागजातों के सहारे किसानो के नाम पर दी गई। करोड़ों के इस लोन में बैंक ने भी नियम कायदो को ताक पर रख लोन जारी किया था। खुलासा ये भी हुआ की इस कोऑपरेटिव बैंक प्रबंधन ने फर्जी एलआईसी बांड और फर्जी पहचानपत्र वाले लोगों के नाम 30 करोड़ से ज्यादा रकम की निकासी कर ली है। बताया जाता है कि आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता ने करीब 35 साल पहले हाजीपुर में वैशाली शहरी कोऑपरेटिव बैंक की शुरूआत की थी। राजनितिक रसूख के दम पर बैंक चल निकला और साल 1996 में इस बैंक को आरबीआई का लाइसेंस भी मिल गया। इसके बाद आलोक मेहता (1995 से ही) बैंक के चेयरमैन बने और लगातार 2012 तक बैंक के प्रबंधन की कमान संभाले रखा। इस बीच 2004 में उजियारपुर से लोकसभा का चुनाव जीत सांसद भी बने लेकिन आलोक मेहता लगातार बैंक प्रबंधन की कमान संभाले रहे। 2012 में अचानक आलोक मेहता ने बैंक प्रबंधन का शीर्ष कमान अपने मंत्री पिता तुलसीदास मेहता को सौंप दिया और बैंक से खुद को अलग कर लिया। इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि 2015 में भी इस तरह की गड़बड़ी हुई थी, जिसमें आरबीआई ने बैंक के वित्तीय कारोबार को बंद करा दिया था। गड़बड़ियों के आरोप में आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता पर एक्शन हुआ था। विवाद में आने के बाद आलोक मेहता के भतीजे संजीव को बैंक की कमान सौंप दी गई और संजीव लगातार इस बैंक के चेयरमैन बने रहे। ये आरोप लगाया जा रहा है 2012 में भी घोटाले से बचने के लिए आलोक मेहता ने आनन-फानन में बैंक की कमान अपने मंत्री पिता को सौप खुद को बचा लिया था और आरबीआई की गाज उनके पिता तुलसीदास मेहता पर गिरी थी। बैंक और बैंक से लोन (फर्जी) लेने वाले सभी लोग उनके परिवार के इर्द-गिर्द के लोग हैं।

राहुल और रंजीत बने भाजपा के जिलाध्यक्ष, स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में हुई घोषणा

संवाददाता

सीवान। सीवान में भाजपा के दो जिलाध्यक्ष बनाए गए। पूर्वी से रंजीत प्रसाद तो पश्चिमी से राहुल तिवारी को कमान मिली है। इसकी घोषणा सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की मौजूदगी में हुई। पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष चन्द्र विजय प्रकाश उर्फ हैप्पी यादव ने आज चांप स्थित जिला पार्टी कार्यालय पर युवा मोर्चा के साथियों के साथ राहुल तिवारी को भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर अंगवस्त्र और माला पहनाकर बधाई व शुभकामनायें दी। हैप्पी यादव ने प्रदेश नेतृत्व के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे संगठन मजबूत होगा। पार्टी ने युवा और

संगठन में अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने वाले भाजपा के बूथ स्तर से जिला स्तर पर अपनी पार्टी के लिए काम करने वाले युवा राहुल तिवारी को जिलाध्यक्ष बनाया है यह सही निर्णय है। साथ हीं पश्चिमी के जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद गुप्ता को भी अंग वस्त्र और माला पहनाकर बधाई व शुभकामनायें दी। पूर्व सांसद ओमप्रकाश यादव ने भी राहुल तिवारी और रंजीत प्रसाद गुप्ता को जिलाध्यक्ष बनने पर बधाई दी और प्रदेश नेतृत्व के निर्णय का स्वागत भी किया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

जय बापू जय भीम जय संविधान मार्च का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में जय बापू जय भीम जय संविधान अभियान मार्च का आयोजन 10 जनवरी 2025 को नोडिहा बाजार में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य देश में बढ़ते संविधान विरोधी घटनाओं के खिलाफ जन जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की गई। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि वर्तमान सरकार लगातार डॉ० अंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों पर हमला कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक देश के गृह मंत्री और प्रधानमंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक इस विरोध को जारी रखा जाएगा। उन्होंने संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष की आवश्यकता पर जोर दिया।

रेवेन्यू कोर्ट में घूसखोरी की बढ़ती घटनाएं, कार्यपालिका में भ्रष्टाचार की खुली लूट

मेदिनीनगर। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने पलामू जिले के रेवेन्यू कोर्ट और कार्यपालक कोर्ट में बढ़ती घूसखोरी और भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन कोर्टों में फैसले अब पैसे के आधार पर किए जा रहे हैं, न कि न्याय और मेरिट के आधार पर। रेवेन्यू कोर्ट में वर्षों से लंबित मामलों का हल आमतौर पर पैसा देने वाले पक्ष के पक्ष में दिया जाता है। श्री तिवारी ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि घूसखोर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उनके खिलाफ संपत्ति की जांच की जाए ताकि आम जनता को न्याय मिल सके। इस मुद्दे पर पलामू जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी समर्थन जताया।

धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा, तेजी से उठाव की आवश्यकता

मेदिनीनगर। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने पलामू जिले में हो रहे धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा की। अब तक 67408 क्विंटल धान की अधिप्राप्ति की जा चुकी है और 10224 क्विंटल धान का उठाव किया गया है। उन्होंने राइस मिलरों को निर्देश दिया कि वे सभी केंद्रों से धान उठाव की प्रक्रिया को तेज करें और किसानों को एसएमएस के माध्यम से जागरूक करें। प्रीति किस्कु ने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कोई भी योग्य किसान इस योजना से वंचित न रहे। इस समीक्षा बैठक में सभी पैक्स अध्यक्ष, मिलर और एफपीओ उपस्थित रहे।

पति-पत्नी के बीच विवाद का समाधान और परिवार का पुनः मिलन

मेदिनीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जिसमें एक पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। मिकी कुमारी नामक महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसके पति सम्पत सिंह ने उसे ठीक से साथ नहीं रखा और उनके बीच मतभेद बढ़ गए थे। मिकी कुमारी दो बच्चों की मां हैं, जिनमें से एक बच्ची दो वर्ष की है और दूसरी सात माह की है। पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण दोनों अलग रह रहे थे, जिससे परिवार में तनाव था। मिकी कुमारी ने इस मामले की शिकायत डालसा में दी थी। डालसा सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने इस शिकायत को पंजीबद्ध किया और लड़के पक्ष को नोटिस भेजने का निर्देश दिया। इसके बाद, पति सम्पत सिंह ने मध्यस्थता केंद्र में आकर अपनी पत्नी के साथ बातचीत शुरू की। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के प्रमुख अमिताभ चंद सिंह की मदद से दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और वे फिर से आपसी समझदारी से एक साथ रहने पर सहमत हो गए। इस प्रकार, एक और परिवार टूटने से बच गया और पति-पत्नी अपने बच्चों के साथ खुशी-खुशी घर लौट गए। डालसा के इस प्रयास को व्यापक सराहना मिली है, क्योंकि इसने न केवल एक परिवार को बचाया बल्कि पूरे समाज में इस प्रकार के विवादों के समाधान के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है।

साजिद खान ने बर्फीली चोटियों पर तिरंगा लहराकर गढ़वा जिले का मान बढ़ाया

गढ़वा। गढ़वा जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी और 'तिरंगा वाले शौकत खान' के नाम से प्रसिद्ध शौकत खान ने हिमाचल प्रदेश के मनाली में बर्फ की चोटियों पर तिरंगा फहरा कर गढ़वा जिले का मान बढ़ाया। माइनस 9 डिग्री सेल्सियस तापमान में भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को लहराते हुए उन्होंने न केवल अपने क्षेत्र बल्कि झारखंड राज्य और पूरे देश को गर्व महसूस कराया। शौकत खान के इस अद्वितीय कार्य ने वहां मौजूद पर्यटकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया, जिन्होंने उनकी सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया। शौकत खान और उनका परिवार भारतीय सेना, झारखंड पुलिस और शहीदों के सम्मान में जागरूकता फैलाने के लिए कई वर्षों से तिरंगा सम्मान समारोह आयोजित कर रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत, शौकत खान अब तक 2 लाख से अधिक नागरिकों को तिरंगा भेंट कर चुके हैं। उनका यह कार्य देशभक्ति के प्रति प्रेरणा स्रोत बन चुका है।

शिक्षक को जान से मारने की धमकी, परिवार ने सुरक्षा की गुहार लगाई

मेदिनीनगर। उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसरिया, प्रखंड पांकी में पदस्थ सहायक शिक्षक संजय कुमार साव को उनके द्वारा साइकिल वितरण के मामले में दबाव डालने वाले असफान खान और उनकी पत्नी ने जान से मारने की धमकी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद शिक्षक ने पांकी थाना प्रभारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार लगाई।

गैर-मजरूआ व वन विभाग की जमीन पर बिहार के माफिया झारखंड में करवा रहे अफीम की खेती

संवाददाता

लातेहार। पलामू झारखंड-बिहार के सीमावर्ती इलाके में पोस्ता यानी अफीम की खेती को रोकना एक बड़ी चुनौती है. पुलिसिया कार्रवाई के बाद तस्कर तरीकों को बदल देते हैं. पुलिस लगातार अफीम के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।पलामू पुलिस ने अब तक 150 एकड़ से भी अधिक में लगे पोस्ते की फसल को नष्ट किया है. एक मामले को छोड़कर सभी इलाकों में पोस्ता की खेती जीएम लैंड या वन भूमि में किया गया था. बिहार के तस्करों ने

पलामू के हरिहरगंज में बटाईदारी पर पोस्ता की खेती किया था. वहीं बिहार के तस्कर पोस्ता की खेती के लिए वन भूमि और गैर-मजरूवा जमीन (जीएम लैंड) का इस्तेमाल कर रहे हैं. पोस्ता की खेती के खिलाफ अभियान के दौरान पुलिस को कई जानकारी मिली है. तस्कर पुलिस से बचने के लिए खेती के तरीकों को भी बदल रहे हैं।पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया की अफीम की खेती करने में मल्टीपल लेयर पर लोग शामिल है, मुख्य रूप से फॉरेस्ट और जीएम लैंड को टारगेट किया जा रहा है. खेती करने वाले इस फिराक में है कि उनकी पहचान होने में देर लगे. इस बार मुख्य रूप से फॉरेस्ट और जीएम लैंड को ही टारगेट किया गया है. पोस्ता की खेती के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. सबसे अधिक पलामू के मनातू कि इलाके में पोस्ता की खेती को नष्ट किया गया है, सिर्फ एक मामले में रैयती जमीन का मामला निकलकर सामने आया है. कुछ मामलों में बिहार के लोगों का सामना आया है मामले में अनुसंधान चल रहा है। पुलिस की कार्रवाई इस बात का खुलासा हुआ है कि तस्कर अपनी पहचान को छुपाना चाहते हैं. इसलिए वे अपने तरीकों को बदल रहे है. पलामू पुलिस के आंकड़ों के अनुसार विभिन्न इलाकों में अब तक 1500 से भी अधिक ग्रामीणों पर पोस्ता की खेती के आरोप में मुकदमा दर्ज है. 2024 में पुलिस ने सात मामलों में एनडीपीएस एक्ट के अपराधियों को सजा दिलाने में सफल रही है. पुलिस की कार्रवाई और मुकदमों के अनुसंधान के बाद तस्कर अपनी पहचान छुपाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस की जांच में यह भी बात निकाल कर सामने आई है कि तस्करों ने कई लेयर का नेटवर्क तैयार किया है. पोस्ता खेती का सरगना आर्थिक रूप से नेटवर्क की मदद करता है और ग्रामीणों की लालच देकर खेती करवाता है।

वित्त मंत्री के निर्देश पर अधिकारियों ने की आउटसोर्सिंग कंपनी बालाजी की जांच

संवाददाता

पलामू। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के निर्देश पर एमआरएमसीएच की आउटसोर्सिंग कंपनी बालाजी की जांच शुरू कर दी गयी है। जिले के उपायुक्त के द्वारा जांच के लिए डीडीसी, एसडीएम, एनडीसी, श्रम अधीक्षक की कमिटी गठित की है। जांच टीम में शामिल डीडीसी शब्बीर अहमद, सदर एसडीएम सुलोचना मीणा, श्रम अधीक्षक ऐतवारी महतो, एनडीसी ने शुक्रवार को एमआरएमसीएच का निरीक्षण किया। इस क्रम में बाला जी के सफाईकर्मियों से जहां बातचीत की गयी, वहीं उनके स्टोर का भी विजिट किया गया।

अधिकारियों की जांच में आज कुल 65 सफाईकर्मियों के विरूद्ध 41 की उपस्थिति पाई गई। यह भी पता चला कि वित्त मंत्री के एमआरएमसीएच निरीक्षण के बाद उनसे नौ घंटे की सेवा ली जा रही है, जिसमें एक घंटा विश्राम दिया जाता है। पहले छह घंटे काम लिया जाता था। कर्मियों से मानदेय सहित अन्य मामले में भी बातचीत की गयी।

श्रम अधीक्षक ने कहा कि नौ घंटे की डयूटी में एक घंटे विश्राम देकर नियमानुसार अकुशल मजदूर को 463 रूपए मिलने चाहिए। मंत्री के निरीक्षण के बाद से सफाईकर्मियों को इतनी राशि दी जा रही है।

कुणाल सारंगी ने पलामू कप सीजन दो का किया उद्घाटन

संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक कुणाल सारंगी ने पलामू कप सीजन 2 का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट झामुमो युवा मोर्चा द्वारा आयोजित किया गया था और इसकी अध्यक्षता युवा मोर्चा के अध्यक्ष सन्नी शुक्ला तथा सचिव आशुतोष विनायक ने की। उद्घाटन समारोह में झामुमो के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, प्रो० एस.सी. मिश्रा, क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर सिंह और कई अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे। कुणाल

सारंगी ने उद्घाटन के दौरान कहा कि क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि यह हमारे देश का इमोशन है। पलामू क्षेत्र में क्रिकेट की असीम संभावनाएं हैं और हम इस खेल के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि यहां से अच्छे खिलाड़ी निकलें और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका मिले। उन्होंने पलामू क्षेत्र में क्रिकेट के मैदानों की स्थितियों को सुधारने का वादा किया और यह भी कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ इन खिलाड़ियों को मिलेगा।

डालसा द्वारा गरीबों के बीच कंबल वितरण का आयोजन

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नीरज कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर डालसा ने एक विशेष कंबल वितरण अभियान चलाया। यह कार्यक्रम बढ़ती ठंड को देखते हुए आयोजित किया गया था, ताकि गरीब और बेसहारा लोगों को राहत मिल सके। डालसा के सचिव अर्पित श्रीवास्तव, असिस्टेंट संजीव कुमार सिंह, पीएलबी अमोद कुमार सिंह और विनय प्रसाद सहित अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अभियान के तहत, कंबल वितरण सदीक मंजिल चौक, रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर किया गया। इन क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और बेसहारा लोगों को कंबल प्रदान किए गए ताकि वे ठंड से बच सकें। इसके अलावा, पीएलवी के माध्यम से भी कंबल वितरण किया गया है ताकि कोई भी गरीब व्यक्ति इस ठंड में राहत से वंचित न रहे। डालसा का यह कदम समाज के कमजोर वर्ग के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जरूरतमंदों को राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पलामू में गणतंत्र दिवस समारोह के भव्य आयोजन की तैयारियां को लेकर बैठक

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त शशि रंजन ने की, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों से समारोह की भव्यता को लेकर चर्चा की गई। इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पलामू जिला मुख्यालय के पुलिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। 9:05 बजे झंडोतोलन के बाद परेड और झांकियों का प्रदर्शन होगा। इस दौरान विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। उपायुक्त ने इस अवसर पर अधिकारियों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी सौंपते हुए समय पर उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पूरे जिले में साफ-सफाई की व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, और मांस-मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का भी निर्णय लिया गया है।

हरिहरगंज नगर प्रशासन द्वारा कंबल वितरण

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज नगर प्रशासन द्वारा ठंड से जूझ रहे गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल वितरण की महत्वपूर्ण पहल की गई है। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए हरिहरगंज नगर प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों में कंबल वितरण अभियान शुरू किया है। शुक्रवार को पीपरघाट गांव के मुसहर टोला और न्यू सब्जी बाजार में 300 जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। इस अवसर पर सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी ने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से कंबल वितरण की व्यवस्था की गई है ताकि गरीबों को सर्दी से बचाव मिल सके। इस अभियान में सीओ बिचित्रा कुमारी, जेई सुबोध कुमार और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल थे। यह प्रयास न केवल गरीबों के चेहरे पर खुशी लाने का काम कर रहा है, बल्कि प्रशासन द्वारा ठंड से बचाव के लिए अन्य जरूरी उपायों की व्यवस्था भी की जा रही है।

पलामू में पुलिस द्वारा सघन जांच अभियान

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 60,300 रुपये का जुर्माना

संवाददाता

मेदिनीनगर। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार पलामू जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के दौरान, छः मुहछः मुहान के पास चार पहिया और दोपहिया वाहनों की जांच की गई। इसमें कई वाहन चालकों को बिना हेलमेट और बिना लाइसेंस के पकड़ा गया,

जिनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 10 दोपहिया वाहनों को जब्त कर लिया और संबंधित वाहन चालकों को जिला परिवहन कार्यालय भेज दिया। जांच के दौरान शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 3 मोटरसाइकिल चालकों और 1 कार चालक का चालान भी किया गया।

जिससे कुल 60,300 रुपये का जुमार्ना हुआ। पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए यह अभियान चलाया है, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है।

पिपरा प्रखंड प्रमुख की जेल से रिहाई और पुनः पदभार ग्रहण की प्रक्रिया

संवाददाता

हरिहरगंज। पिपरा प्रखंड के प्रमुख विक्रांत सिंह यादव उर्फ गुड्डू यादव, जिन्हें कुछ महीनों पहले पिपरा पुलिस ने पुराने मामलों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, को गुरुवार को न्यायालय ने बेल पर रिहा करने का आदेश दिया। विक्रांत सिंह यादव की रिहाई के बाद उनके समर्थकों ने उनका स्वागत करने के लिए एक विशाल काफिला तैयार किया। जैसे ही वे पिपरा प्रखंड के दूबटिया मोड पहुंचे, उनका स्वागत करने के लिए सैकड़ों लोग जमा हो

गए थे, जो मोटरसाइकिलों और कारों में सवार होकर आए थे। उनके स्वागत के दौरान फूल-मालाओं की बारिश की गई और वे पिपरा बाजार से होते हुए पिपरा थाना और ब्लॉक कार्यालय पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह समर्थकों ने उनका स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद, पिपरा प्रखंड प्रमुख विक्रांत सिंह यादव ने पिपरा प्रखंड विकास पदाधिकारी विनय कुमार को एक आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने अपने पद का पुनःभार ग्रहण करने की इच्छा व्यक्त की। यह कदम उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन में एक नया मोड़ ला सकता है और उनके समर्थकों में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई है।

प्रवासी मजदूरों के निबंधन और कल्याण के लिए कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

नावा बाजार। जिले के नावाबाजार ब्लॉक में प्रवासी मजदूरों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में नावाबाजार ब्लॉक के मुखिया, वार्ड सदस्य, प्रखंड विकास पदाधिकारी रेणु बाला, अंचलाधिकारी शैलेश कुमार और श्रम अधीक्षक एतवारी महतो सहित अन्य अधिकारी

उपस्थित थे।

श्रम अधीक्षक एतवारी महतो ने प्रवासी मजदूरों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और निबंधन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि जो श्रमिक रोजगार के लिए दूसरे राज्यों या देशों में जाते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से श्रम विभाग की वेबसाइट पर निबंधन कराना चाहिए, ताकि वे दुर्घटना, मृत्यु या अन्य समस्याओं से बच सकें और सरकार से सहायता प्राप्त कर सकें। श्रम अधीक्षक ने यह भी बताया कि प्रवासी श्रमिकों को उनकी दुर्घटना या मृत्यु के कारण होने वाली कठिनाइयों के लिए मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी। श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रक्षिप्त ऑडियो-वीडियो के माध्यम से दी गई, ताकि श्रमिकों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रवासी मजदूरों को जागरूक करना और उन्हें सरकार की योजनाओं का सही उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था। इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल मजदूरों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह समाज में उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूकता भी बढ़ाती हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए मिस्बाह, इंजमाम, सईद, मुश्ताक

लाहौर। इंजमाम-उल-हक, मिस्बाह-उल-हक, मुश्ताक मोहम्मद और सईद अनवर को 2024 के लिए पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की। पीसीबी हर साल दो पूर्व क्रिकेटरों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। लेकिन इस बार, 2024 के लिए चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया, क्योंकि 2023 में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बोर्ड द्वारा जारी एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, मैं इन चार क्रिकेट दिग्गजों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह सम्मान पाकिस्तान क्रिकेट और वैश्विक खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान सम्मान है। पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है, उनके नाम 11,701 रन दर्ज हैं। वह वर्तमान में 8,829 रन के साथ पाकिस्तान के टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। स्पिनरों के सबसे बड़े दुःस्वप्न इंजमाम ने 31 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 11 जीते, नौ ड्रॉ रहे और 11 हारे। उन्होंने 87 वनडे मैचों में भी पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 51 जीते, 33 हारे और 3 में कोई नतीजा नहीं निकला।

एवर्टन ने कोच सीन डाइचे को किया बर्खास्त

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने अपने कोच सीन डाइचे को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, एवर्टन फुटबॉल क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि सीन डाइचे को तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के प्रथम टीम मैनेजर के पद से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि डाइचे के सहायक इयान वोन, स्टीव स्टोन, मार्क हावर्ड और बिली मर्सर भी क्लब छोड़ कर चले गए हैं।
डाइचे ने बोर्नमाउथ से 1-0 की हार के बाद अपना पद छोड़ दिया, जिससे एवर्टन प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर आ गया, हालांकि इस कदम का समय आश्चर्यजनक है, क्योंकि उसी शाम एवर्टन को एफए कप के तीसरे दौर में पीटरबोरो से खेलना है।
पूर्व खिलाड़ी लीटन बैन्स, जो वर्तमान में एवर्टन की अंडर-18 टीम के कोच हैं, को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाया गया है, क्लब ने घोषणा की है कि वह स्थायी प्रतिस्थापन की तलाश शुरू कर रहा है। 53 वर्षीय डाइचे ने फ्रैंक लैम्पार्ड की जगह लेने के बाद लगभग दो सीजन के बाद पद छोड़ दिया, एवर्टन को रिलीगेशन जोन में रखा गया और उन्होंने 2022-23 सीजन में इसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, पिछले सीजन में 15वें स्थान पर रहा।
हालांकि इस अभियान में एवर्टन का डिफेंस मजबूत रहा है, लेकिन गोल करने में उसे संघर्ष करना पड़ा है, 19 लीग खेलों में उसने सिर्फ.15 बार गोल किया है। बर्खास्त किए जाने की घटना तब हुई जब फ्राइडकिन ग्रुप ने क्लब का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जो गर्मियों में 60,000 सीटों वाले नए स्टेडियम में स्थानांतरित हो जाएगा।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में जलवा बिखेरेंगे शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, सोनम बाजवा

दुबई। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में 11 जनवरी शनिवार को बॉलीवुड के मेगास्टार शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और सोनम बाजवा अपना जलवा बिखेरेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 का तीसरा सीजन 11 जनवरी से 9 फरवरी 2025 तक चलेगा। शाहिद, पूजा और सोनम अपने ब्लॉकबस्टर गानों पर शानदार प्रदर्शन के साथ समारोह की शुरूआत करेंगे। इस अवसर को और भी शानदार बनाने के लिए, प्रसिद्ध बॉलीवुड निमार्ता और अभिनेता जैकी भगनानी और रिधिमा पाठक उद्घाटन समारोह की मेजबानी करेंगे। उद्घाटन समारोह को लेकर शाहिद कपूर ने आयोजकों की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, अगर आप मुझे जानते हैं, तो आप जानते होंगे कि मुझे क्रिकेट और डांसिंग कितना पसंद है। और जब ये दोनों चीजें एक साथ आती हैं, तो आप दोनों दुनिया का सबसे अच्छा अनुभव प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं, यही वजह है कि मैं 11 जनवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। बॉलीवुड और क्रिकेट के जश्न के लिए अभी अपने टिकट खरीदें, जिसमें असली क्रिकेट-टेनमेंट की भावना हो।

प्रतिका रावल ने खेली तूफानी पारी, टीम इंडिया ने आयरलैंड को छह विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में गैबी लुईस की आयरलैंड से भिड़ी। भारत की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की उभरती हुई सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने 89 रनों की पारी खेली, जिसकी बदौलत महिला टीम ने शुक्रवार को राजकोट में आयरलैंड की टीम के खिलाफ पहले वनडे में छह विकेट से शानदार जीत दर्ज की। भारत की ओर से प्रिया मिश्रा ने दो विकेट चटकाए, जबकि स्टैंड-इन कप्तान स्मृति मंधाना, प्रतीक रावल और तेजल हसबनीस ने मेजबान टीम को आसान जीत दिलाने के लिए बहुमूल्य पारियां खेलीं। यह भारत की आयरलैंड की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम पर वनडे फॉर्मेट में 13वीं जीत थी।

भारत की ओर से प्रिया मिश्रा ने दो विकेट चटकाए

स्मृति मंधाना ने खेली 41 रनों की तेज पारी

240 रनों का पीछा करते हुए अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 41 रनों की तेज पारी खेलकर टीम को तेज शुरूआत दी। उनकी सलामी जोड़ीदार प्रतीक रावल ने मैच विजयी अर्धशतक जमाया और भारतीय महिलाओं को आयरिश टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की।

गैबी लुईस ने खेली 92 रनों की महत्वपूर्ण पारी

आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज और कप्तान गैबी लुईस ने 129 गेंदों पर 15 चौकों की मदद से 92 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। आयरिश कप्तान के अलावा, मिडिल ऑर्डर की बल्लेबाज लीह पॉल ने 73 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 59 रन बनाए। दोनों ने शतकीय साझेदारी भी की, जिसकी बदौलत उनकी टीम 50 ओवरों में 238/7 का सम्मानजनक स्कोर बनाने में सफल रही, लेकिन उनकी पारी टीम को हार से नहीं बचा सकी।

बांग्लादेश श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल हुईं चेरी फ्रेजर, जैनिलिया ग्लासगो

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर चेरी-एन फ्रेजर और अनकैप्ड तेज गेंदबाज जैनिलिया ग्लासगो को वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।
सफेद गेंद श्रृंखला 19 जनवरी को तीन वनडे मैचों के साथ शुरू होगी और 30 जनवरी को तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगी। सेंट किट्स सभी मैचों की मेजबानी करेगा।
तेज गेंदबाज शमिलिया कोनेल और मध्यक्रम की बल्लेबाज रशदा विलियम्स भारत दौरे पर टीम के साथ नहीं थीं।
सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, वेस्टइंडीज अनुभवी ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के बिना ही खेलेगी, जो अभी भी घुटने की चोट से उबर रही हैं।

फ्रेजर ने कुल 12 वनडे खेले हैं और इस प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन अक्टूबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। हालांकि, उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पिछले साल जून में हंबनटोटा में श्रीलंका के खिलाफ टी20 में था।
इस बीच, ग्लासगो ने चार टी20आई में हिस्सा लिया है, इनमें से आखिरी मैच मई 2024 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ था।

डब्ल्यूपीएल का भारत में पदार्पण, मुंबई करेगा मेजबानी

एजेंसी

मुंबई। यूएई में अपनी जबरदस्त सफलता के बाद, वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) भारतीय पैडल महासंघ (आईपीएफ) के समर्थन भारत में पदार्पण को तैयार है। इस लीग का आयोजन मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक किया जाएगा। लीग में 4 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें दुनिया के 32 शीर्ष पैडल खिलाड़ी भाग लेंगे। दर्शकों को 4 दिनों में कोर्टसाइड एक्शन का भरपूर आनंद मिलेगा।
क्लाउडिया फर्नांडीज सांचेज (महिला विश्व नंबर 3), मार्टा ऑटेगा गैलेगो (महिला विश्व नंबर 7), सोफिया अराउजो (महिला विश्व नंबर 8), एलेजांद्रा सालाजार बेंगोएचिया (महिला विश्व नंबर 15), फेडेरिको चिंगोटो (पुरुष विश्व नंबर 4), जॉन सैन्ज (पुरुष विश्व नंबर 9), कार्लोस डैनियल गुटिरेज (पुरुष विश्व नंबर 19) सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पैडल खिलाड़ी पहली बार भारतीय धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।
प्रमुख शहरों में बढ़ती भागीदारी और बढ़ते बुनियादी ढांचे के साथ, पैडल भारत में तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूपीएल और आईपीएफ के बीच साझेदारी खेल के विकास को और तेज

करने के लिए तैयार है, जो खेल प्रेमियों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रेरित करेगी।
वर्ल्ड पैडल लीग में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारतीय पैडल महासंघ की अध्यक्ष स्नेहा अब्राहम सहगल ने कहा, वर्ल्ड पैडल लीग की तैयारियां जोरों पर हैं और हम भारत में इसके बहुप्रतीक्षित आगाज का इंतजार कर रहे हैं। पैडल के कुछ सबसे बड़े नाम अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, यह आयोजन भारत में खेल की लोकप्रियता को बढ़ाने का वादा करता है। यह निश्चित रूप से पैडल के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा, जो सभी आयु समूहों के अधिक भारतीय प्रशंसकों को इस रोमांचक खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।
वर्ल्ड पैडल लीग के सीओओ नवदीप अनेर्जा ने कहा, हमें वर्ल्ड पैडल लीग को भारत में लाने पर गर्व है, जहां यह खेल तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 2 वर्षों में, पैडल ने भारतीय बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है और यह भारत में पैडल क्रांति को बढ़ावा देने में मदद करने का एक शानदार समय है। हम एक शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं और आशा करते हैं कि यह भारत में खेल के लिए एक स्थायी विरासत को प्रेरित करेगा।
एक ही छत के नीचे शीर्ष एथलीटों, कोचों और सुविधाओं के साथ, लीग का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश में खेल को आगे बढ़ाना है।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ पर एमसीए में मौजूद रहेंगे तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई कप्तान

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में शामिल होंगे।
एमसीए के अनुसार, ये कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी। मुंबई के दिग्गज, पूर्व और वर्तमान भारतीय क्रिकेट कप्तान-जिनमें सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी शामिल हैं, वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान

करने का वादा करता है।
मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे।
इस शाम की मेजबानी प्रतिभाशाली मंदिरा बेदी और प्रसन्ना संत करेंगे, जो आकर्षक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन करेंगे, साथ ही लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा।
इस अवसर पर एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूँ। हमारे महान नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं।
समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे। वानखेड़े स्टेडियम की प्रतिष्ठित विरासत का सम्मान करने के लिए एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।
उत्सव सप्ताह के दौरान, एमसीए 12 जनवरी को एमसीए अधिकारियों, और महावाणिज्यदूतों और नौकरशाहों के बीच एक क्रिकेट मैच आयोजित करेगा। मुंबई क्रिकेट के गुमनाम नायकों के योगदान और प्रतिबद्धता का जश्न मनाते हुए, एमसीए के क्लबों और मैदानों के ग्राउंड्समैन को सम्मानित किया जाएगा और 15 जनवरी को उनके लिए पॉली उमरीगर स्वास्थ्य शिविर और विशेष लंच का आयोजन करेगा, जिसके बाद

दिनेश कार्तिक के अनुभव का लाभ मिलेगा: मिलर

एजेंसी

केपटाउन। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की प्रशंसा की और कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा। एसए20 में डेविड मिलर की अगुआई वाली पार्ल रॉयल्स आज सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना सफर शुरू करेगी।
एसए20 सीजन 3 से पहले आधिकारिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने कहा कि रॉयल्स-आधारित फ्रैंचाइजी में कई नए चेहरे और रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। एसए20 रिलीज के अनुसार, मिलर ने कहा, मुझे लगता है कि इस साल हमारे पास कई नए चेहरे, कुछ रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाएं हैं, इसलिए उन्हें

पाकर हम बहुत उत्साहित हैं। साथ ही एक नया कोच, ट्रेवर पेनी, जिसके पास ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और ज़िम्बाब्वे के चार पासपोर्ट हैं। इसलिए वह काफी अनुभवी है और उसने यात्रा की है। वह कई सालों से दुनिया भर में कोचिंग और खेल रहा है, इसलिए उसे सेट-अप में पाकर बहुत अच्छा लगा।

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट निवेशकों ने गंवाए 5.70 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में लग गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।
शुक्रवार को कारोबार के बाद आईटी और टेक सेक्टर के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर

एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स 3.44 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 2.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।
शुक्रवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 350 रुपये से लेकर 380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये से लेकर 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये से लेकर 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।
देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

एजेंसी

नई दिल्ली। बायोटेक सेक्टर के लिए प्री-इंजीनियर्ड और प्री-फैब्रीकेटेड मॉड्यूलर पैनल बनाने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड ने आज लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। घरेलू शेयर बाजार के निगेटिव सेंटीमेंट्स के बावजूद इस कंपनी के शेयर ने आज पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों का पैसा डबल कर दिया।
आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर एसएमई सेगमेंट के लिए मैक्सिमम परमीसिबल प्रीमियम 90 प्रतिशत के साथ 161.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी

का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 169.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 99.49 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है।
फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 740.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,485.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 715.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के आरे जंगल में पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेट्रो कार शेड निर्माण के लिए मुंबई के आरे जंगल में पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने बृहन मुंबई नगर निगम को निर्देश दिया कि कोर्ट की अनुमति के बिना कोई पेड़ न काटा जाए। मामले की अगली सुनवाई 5 मार्च को होगी। कोर्ट ने नगर निगम को निर्देश दिया कि वो किसी आवेदन पर विचार जरुर कर सकती है, लेकिन पेड़ काटने के लिए कोर्ट से आदेश लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगर आरे के जंगल में और पेड़ काटने का कोई प्रस्ताव हो तो कोर्ट को सूचित करें। इससे पहले 17 अप्रैल, 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई मेट्रो को इस बात के लिए फटकार लगाई थी कि उसने 84 पेड़ों को काटने के कोर्ट के आदेश का गलत इस्तेमाल किया। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई मेट्रो पर दस लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर, 2022 को मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए 84 पेड़ काटने की अनुमति दी थी।

गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम, 25 गोवंशीय पशुओं को बचाया गया

जम्मू। जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन कामधेनु के तहत गोवंशीय तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए गोवंशीय पशुओं की तस्करी के एक प्रयास को नाकाम कर दिया है जिसमें 25 गोवंशीय पशुओं को बचाया गया। बिक्रम चौक नाका पर नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान पीपी नेहरू मार्केट की पुलिस पार्टी ने एक ट्रक को रोका जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेके13ई-4142 था और चेकिंग के दौरान उसमें 25 गोवंशीय पशु पाए गए, जिन्हें बिना किसी वैध अनुमति के बिना भोजन और चारे के बेरहमी से लोड किया गया था। वाहन का चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहा जबकि एक व्यक्ति मोहम्मद लाडी पुत्र अब्दुल रशीद निवासी सिकंदरपुर, बिश्नाह को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

कांग्रेस ने मेघालय इकाई के लिए तीन प्रमुख समितियों का किया गठन

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (एआईसीसी) ने गुरुवार को पार्टी की मेघालय प्रदेश कमेटी की ओर से प्रस्तावित तीन नई कमेटियों के गठन को मंजूरी दे दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आदेश पर यह मंजूरी तत्काल प्रभावी हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्वोत्तर पहाड़ी राज्य में पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से गुरुवार को मेघालय के लिए राजनीतिक मामलों की समिति, चुनाव समिति और अभियान समिति का गठन किया है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि लगातार विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद पार्टी संगठन को बढ़ावा देने के लिए तीन समितियों का गठन एक 'नियमित' मामला है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि 13 सदस्यीय प्रदेश चुनाव समिति का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विंसेंट एच. पाला करेंगे, जबकि तुरा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य सालेंग संगमा 9 सदस्यीय अभियान समिति का नेतृत्व करेंगे। वहीं, 12 सदस्यीय राजनीतिक मामलों की समिति का नेतृत्व मेघालय के एआईसीसी प्रभारी डॉ ए. चेल्लाकुमार करेंगे।

भारत ने तूफान प्रभावित क्यूबा के लिए भेजी मानवीय सहायता

नई दिल्ली। भारत ने तूफान राफेल से प्रभावित क्यूबा को शुक्रवार को मानवीय सहायता भेजी। सहायता की पहली खेप में एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक, ओआरएस समेत आवश्यक दवाएं शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि विश्वबंधु भारत, भारत ने क्यूबा के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी है। तूफान राफेल के बाद एंटीबायोटिक्स, एंटी-पायरेटिक्स, दर्द निवारक, ओआरएस, मांसपेशियों को आराम देने वाली दवाओं सहित आवश्यक दवाओं के रूप में एक खेप आज क्यूबा के लिए रवाना की गयी है। राफेल तूफान ने 6 नवंबर को पश्चिमी क्यूबा के आर्टेमिसा प्रांत में दस्तक दी थी। राफेल के चलते 185 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली थीं। तूफान के कारण क्यूबा में बड़े पैमाने पर बिजली कटौती हुई और कई घरों को नुकसान पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट का 33 फीसदी महिला आरक्षण के कानून में परिसीमन को चुनौती देने पर सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण के कानून में परिसीमन के प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

कोर्ट ने मध्य प्रदेश कांग्रेस की नेता जया ठाकुर की याचिका पर यह कहते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया कि जिस समय ये याचिका दायर की गई थी, उस समय वो एक विधेयक था, जबकि अब ये कानून बन चुका है। कोर्ट ने नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमन को पहले हाई कोर्ट में जाने को कहा।

नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमन की याचिका में मांग की गई थी कि लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण वाले कानून में परिसीमन करने के प्रावधान को हटाया जाए। उल्लेखनीय है कि 2023 में संसद ने महिला आरक्षण को लेकर कानून पारित किया था। इस कानून में परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू करने का प्रावधान किया गया है। परिसीमन के बाद आरक्षण लागू होने पर ये 2024 के बाद लागू होगा।

संभल की शाही जामा मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

उत्तर प्रदेश सरकार से दो हफ्ते में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद प्रबंधन कमेटी की याचिका पर सुनवाई करते हुए मस्जिद से जुड़े कुएं को लेकर नगरपालिका के नोटिस के अमल पर रोक लगा दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मस्जिद प्रबंधन कमेटी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर, 2024 को संभल के ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया था कि वो जामा मस्जिद विवाद मामले पर तब तक कोई कार्रवाई नहीं करें, जब तक इलाहाबाद हाई कोर्ट कोई निर्देश न दे दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष सर्वे के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट जा सकते हैं। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का पालन करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सील कवर रखने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर अलग से सुनवाई चल रही है, इस मामले को वहीं रखा जाएगा।

विदेश मंत्री ने विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका पर दिया जोर

महिलाओं को उचित सम्मान देना सरकार की प्रतिबद्धता : जयशंकर

एजेंसी

भुवनेश्वर। अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के अंतिम दिन शुक्रवार को 'आदर्श महिला प्रवासीः महिला नेतृत्व और प्रभाव- नारी शक्ति' विषय पर आधारित पूर्ण सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने की। उन्होंने एक विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कौशल को महत्व दिया जाना चाहिए, न कि महिला-पुरुष लिंग भेद को।

डॉ. जयशंकर ने कहा कि महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा को सुनिश्चित करते हुए सामाजिक असमानता को दूर करना और उनकी योग्यता को उचित सम्मान देना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तीकरण के प्रति भारत सरकार के महत्वपूर्ण प्रयासों में मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह तक बढ़ाना, मुद्रा योजना के तहत 30 करोड़ महिला उद्यमियों को ऋण, उच्च शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं की संख्या में 28% वृद्धि और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 32 मिलियन बैंक खातों का खुलना शामिल है।

● अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का अंतिम दिन

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 100 मिलियन से अधिक धुआं-मुक्त रसोई और प्रधानमंत्री आवास योजना के 72% लाभार्थी महिलाओं का होना भी उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने महिला सशक्तीकरण के साथ-साथ महिला नेतृत्व के माध्यम से विकास को प्राथमिकता देने की बात कही।

महिला प्रवासियों की उपलब्धियों को सराहा

डॉ. जयशंकर ने उन आदर्श महिला प्रवासियों की उपलब्धियों की सराहना की, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियां सभी के लिए प्रेरणादायक हो सकती हैं। जी-20 सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी महिला कौशल विकास को सुनिश्चित करने के लिए इस वैश्विक सम्मेलन को भविष्य में एक मंच के रूप में उपयोग करने का आह्वान किया था। इसरो की वैज्ञानिक और 'भारत की रॉकेट महिला' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. रितु करिधाल के संचालन में आयोजित इस सत्र में कई प्रमुख महिलाओं ने भाग लिया। इसमें जमैका प्रमोशन कॉपोरेशन के अध्यक्ष शुलेट कॉक्स, इंडोइंडियंस डॉट कॉम की संस्थापिका पूनम सागर, त्रिनिदाद एवं टोबैगो की विद्वान और महिला सशक्तीकरण कार्यकर्ता मैत्री जोशी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश : अग्निवीर भर्ती में जालसाजी का पर्दाफाश

42 जालसाज अभ्यर्थी पकड़े गए, सेना ने किया ब्लैकलिस्ट

एजेंसी

भोपाल/सागर। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए मध्य प्रदेश के सागर जिले में चल रही शारीरिक परीक्षा में 42 जालसाज अभ्यर्थी पकड़े गए हैं। तीन दिन में सेना के अधिकारियों ने दस्तावेज परीक्षण में इन जालसाजों को पकड़ा है। इनमें से कई ने आधार कार्ड, मार्कशीट में अपनी जन्मतिथि में बदल दी थी, तो कई ने अपना पता ही बदल डाला। सेना के अधिकारियों द्वारा दस्तावेज जब्त कर इनको भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया। साथ ही इन्हें सेना ने ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है, जिससे वे आगामी किसी भर्ती में यह फर्जीवाड़ा कर शामिल न हो सकें।

दरअसल, सागर जिले के इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान पर पिछले 6 जनवरी से अग्निवीर भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा चल रही है। 6 से 8 जनवरी को शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण के लिए भेजा गया। दस्तावेज परीक्षण में 42 ऐसे अभ्यर्थियों को पकड़ा गया है, जिन्होंने दस्तावेज में फजीर्वाड़ा किया था। यही नहीं कुछ ने तो दस्तावेज ही फर्जी बनाए थे। कुछ अभ्यर्थियों ने भर्ती में शामिल होने के लिए अपनी जन्मतिथि में भी हेरफेर की। लेकिन जब आधार कार्ड की जांच सेना द्वारा की गई तो फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। फर्जीवाड़े में कुछ ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल थे, जिन्होंने झूठा पता लिख दिया। यह लोग मूल रूप से उप्र और राजस्थान के रहने वाले थे। मप्र का पता डालकर परीक्षा में शामिल हो गए। यह भर्ती मध्य प्रदेश के ग्वालियर सहित दस जिलों के लिए थी। इसमें उप्र, राजस्थान तक के युवक फर्जीवाड़ा कर शामिल हुए।

बताया जा रहा है कि भर्ती को लेकर दलाल भी खूब सक्रिय हैं। ये लोग भर्ती स्थल से लेकर सेना भर्ती कार्यालय के आसपास भी घूमते रहते हैं। यह लोग परीक्षा में उत्तीर्ण कराने का झांसा देकर ठगते हैं। इस संबंध में सेना ने एडवायजरी जारी की है। ग्वालियर सेना भर्ती कार्यालय के डायरेक्टर कर्नल पंकज कुमार ने बताया कि जालसाज अभ्यर्थी पकड़े गए हैं।

ब्रिटेन ने की अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के लिए नए प्रतिबंधों की घोषणा

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के उपायों के तहत मानव तस्करी करने वाले गिरोहों से निपटने और ऐसे अपराध को बढ़ावा देने वाले अवैध वित्तपोषण को रोकने के लिए गुरुवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। सरकार ने कहा है कि नए प्रतिबंध अनियमित प्रवासन और संगठित आव्रजन अपराध को लक्षित करने के लिए हैं, जिससे अधिकारियों को खतरनाक यात्राएं करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को लक्षित करने की अनुमति मिल जाएगी। नई प्रतिबंध व्यवस्था इस वर्ष के भीतर लागू होने की उम्मीद है।

सरकार के विशेषज्ञ कानून प्रवर्तन और परिचालन गृह कार्यालय के सहकर्मियों के साथ मिलकर वित्तीय प्रवाह को उनके स्रोत पर ही रोकने और यूरोप में खतरनाक समुद्री पारगमन सहित अनियमित प्रवासी आंदोलनों को सुविधाजनक बनाने वाले तस्करों को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।

नये प्रतिबंध को लेकर प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा, 'हमें अपनी सीमाओं के उल्लंघन में मदद करने वाले अपराध गिरोहों को खत्म करना होगा। यूरोप भर में तस्करों को कमजोर लोगों की तस्करी करने की अनुमति देने वाले अवैध वित्तीय गिरोहों को कमजोर करके, हम परिवर्तन की अपनी योजना को पूरा करेंगे और यूके की सीमाओं को सुरक्षित करेंगे, प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा। इसका मतलब है कि हम अपनी नीति निर्माण प्रक्रिया में साहसिक और अभिनव बनें ताकि हम कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार आने वाले वर्षों में लोगों की जान बचाने और अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।'

बांग्लादेश ने खारिज किया भारतीय मछुआरों पर अत्याचार का आरोप

ढाका/कोलकाता। बांग्लादेश ने काकद्वीप और नामखाना के 95 भारतीय मछुआरों पर कथित अत्याचार के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को 'पूरी तरह से झूठा और गढ़ा हुआ' करार दिया। अक्टूबर 2024 में बांग्लादेशी जल सीमा में प्रवेश करने के आरोप में इन मछुआरों और छह मछली पकड़ने वाली नौकाओं को बांग्लादेशी नौसेना ने हिरासत में लिया था। इस दौरान एक मछुआरे ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शेष 95 मछुआरों को पाटुआखाली जेल में रखा गया, जिन्हें सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद रिहा कर दिया गया। मछुआरों ने भी सार्वजनिक रूप से जेल में अपने साथ हुए अत्याचार का खुलासा किया।

दिल्ली एनसीआर में छाया घना कोहरा, कई उड़ानें और ट्रेनें प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। शीतलहर के बीच शुक्रवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। घने कोहरे के कारण सड़कों पर गाड़ियां रेंगती दिखाई दी। कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चादर छाने से दृश्यता शून्य हो गई है। कड़ाके की सर्दी के साथ घने कोहरे के बीच दिल्ली की हवा भी खराब स्थिति में पहुंच गई है। इसीलिए ग्रेप 3 की पाबंदियां फिर से लागू हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक दिल्ली आने-जाने वाली ट्रेनों और उड़ानों पर भी घने कोहरे का असर दिखने को मिल रहा है। करीब 26 ट्रेनें देर से चल रही है।

शुक्रवार को दिल्ली एनसीआर में आंशिक रूप से भी बादल छाए रहने की संभावना है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार से दो दिन के लिए घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा शनिवार रात के समय बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार सफदरजंग में सुबह साढ़े सात बजे दृश्यता 600 मीटर रही, जबकि पालम एयरपोर्ट पर आठ बजे दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई।

कई उड़ाने भी रही प्रभावित

आज सुबह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे कई इलाकों में दृश्यता शून्य हो गई। इसके कारण 150 से अधिक उड़ानें तथा लगभग 26 ट्रेनें विलंबित हुईं। विमानन वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 ने बताया कि उड़ानों में औसतन 41 मिनट की देरी हुई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने आज सुबह एक अपडेट में कहा कि घने कोहरे के कारण उड़ानों का प्रस्थान 'प्रभावित' हुआ है।

रविवार को हो सकती है बारिश

पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में रविवार को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में शुक्रवार और शनिवार को घना कोहरा छाया रहेगा। रविवार को बारिश होने की संभावना है। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। प्रदूषण का स्तर में बढ़ोतरी, एक्यूआई 409 दर्जतंड, कोहरे के साथ दिल्ली में प्रदूषण की मार भी लोगों को झेलनी पड़ रही है। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 के पार पहुंचने के कारण सी एक्यूएम ने ग्रेप तीन की पाबंदियां लागू की दी। शुक्रवार को एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया। माना जा रहा है कि आयोग ग्रेप चार की पाबंदियां लागू कर सकता है।

वीर गाथा 4.0 प्रतियोगिता > देशभर से 2.31 लाख स्कूलों के 1.76 करोड़ छात्रों ने लिया हिस्सा

100 विजेताओं का चयन, गणतंत्र दिवस परेड में होंगे विशेष अतिथि

एजेंसी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त पहल 'वीर गाथा 4.0' के चौथे संस्करण को देश भर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस वर्ष लगभग 2.31 लाख स्कूलों के लगभग 1.76 करोड़ छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया है। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर 100 विजेताओं का चयन किया गया है, जिन्हें कर्तव्य पथ पर विशेष अतिथि के तौर पर गणतंत्र दिवस परेड देखने का मौका मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार विजेताओं को चार श्रेणियों में बांटकर 25-25 का समूह बनाया गया है। सुपर 100 विजेताओं में पहले वर्ग में कक्षा 3-5, मध्य वर्ग में कक्षा 6-8, माध्यमिक वर्ग में कक्षा 9-10 और माध्यमिक वर्ग में कक्षा 11-12 के 25-25 विजेताओं के नाम घोषित किये गए हैं। प्रोजेक्ट वीर गाथा 4.0 पिछले साल 5 सितंबर को लॉन्च किया गया था, जिसमें निबंध और पैराग्राफ लेखन के लिए कई प्रेरक विषय प्रस्तुत किए गए। छात्रों को अपने चुने हुए रोल मॉडल के बारे में लिखने का अवसर मिला। उन्हें रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रेरक जीवन, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी विद्रोह की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

इस प्रोजेक्ट में स्कूलों ने स्थानीय स्तर पर गतिविधियां आयोजित कीं। इसके अलावा वीरता पुरस्कार विजेताओं ने राष्ट्रव्यापी संवाद कार्यक्रम (ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों) आयोजित किये गए। विविध विषयों ने न केवल प्रविष्टियों की गुणवत्ता को बढ़ाया, बल्कि प्रतिभागियों की भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की समझ को भी व्यापक बनाया। स्कूल स्तर की गतिविधियां 31 अक्टूबर को समाप्त हो गईं। राज्य और जिला स्तर पर मूल्यांकन के बाद राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के लिए लगभग 4,029 प्रविष्टियां भेजी गईं। इसमें से शीर्ष 100 प्रविष्टियों को सुपर 100 विजेताओं के रूप में चुना गया।

मंत्रालय के मुताबिक इन विजेताओं को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की ओर से संयुक्त रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा और विशेष अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखने का मौका मिलेगा।

भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 2021 में शुरू की गयी थी प्रोजेक्ट वीर गाथा

प्रोजेक्ट वीर गाथा को 2021 में भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। इस परियोजना का उद्देश्य वीरता पुरस्कार विजेताओं के बहादुरी भरे कार्यों और इन नायकों की जीवन से जुड़ी कहानियों के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। पहले दो संस्करणों में राष्ट्रीय स्तर पर 25 विजेताओं का चयन किया गया था, जिसमें पहले संस्करण में लगभग आठ लाख छात्र और दूसरे संस्करण में 19 लाख छात्र शामिल हुए थे। तीसरे संस्करण ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिसमें पहली बार 100 राष्ट्रीय विजेताओं का चयन किया गया और 1.36 करोड़ छात्रों की भागीदारी बढ़ी। वीर गाथा 4.0 में देशभर से 2.31 लाख स्कूलों के 1.76 करोड़ छात्रों ने लिया हिस्सा।

अंगीठी ताप रही मां बेटी की हालत बिगड़ी, बेटी की मौत

एजेंसी

बांदा। बांदा जिले के नगर कोतवाली अंतर्गत ग्राम पडुई में गुरुवार रात कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण दम घुटने से 21 वर्षीय युवती प्रियंका की मौत हो गई, जबकि उसकी मां देवकुमारी की हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना ठंड से बचने के लिए सिगड़ी जलाकर कमरे में तापने के दौरान हुई। गुरुवार रात करीब 8:30 बजे प्रियंका (21) और उसकी मां देवकुमारी (40) ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में सिगड़ी जलाकर ताप रही थीं। कमरे में खिड़की और वेंटिलेशन का कोई इंतजाम नहीं था, जिससे सिगड़ी से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बाहर नहीं निकल सकी। गैस के कारण मां-बेटी का दम घुटने लगा और दोनों बेहोश हो गईं।

● दम घुटने से हुआ हादसा

काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत ट्रामा सेंटर बांदा ले गए। इलाज के दौरान प्रियंका की मौत हो गई, जबकि देवकुमारी का इलाज जिला अस्पताल बांदा में चल रहा है। नगर कोतवाली प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 11 जनवरी 2025

महिला जगत

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और अस्थकलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस आपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते है। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे आपने कभी-भी हमारी आंखों मे आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप आपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखुन काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखुन को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखुन पर नेल पैंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पैंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथो की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पैंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पैंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखुन काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पैंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पैंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पैंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पैंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पैंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करें वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा लें, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती है। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरूर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती है। चलिए जानते है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोए। इसके बाद सिपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखे टावल पर रखें और हवा में सूखने दे।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बातों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मॉप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखी कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741